RNI NO.DELHI/2012/48369

वर्ष 9 अंक 287

नई दिल्ली, शुक्रवार, 27 अगस्त, 2021

पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3

नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

भाविनाबेन टेबल टेनिस के नॉकआउट दौर में

स्पोर्ट्स-10

www.dailypioneer.com

धमाकों से दहला काबुल एयरपोर्ट, 13 की मौत

- हमले में कई अमेरिकी सैनिकों की भी मौत, कई अन्य जख्मी
- आत्मघाती हमले में आईएसआईएस खुरासन ग्रुप का हाथ होने का संदेह
- अफगानिस्तान छोड़ने के लिए एयरपोर्ट के बाहर इंतजार कर रहे लोगों को बनाया निशान

एजेंसियां। काबुल

काबुल हवाई अड्डे पर हुए आत्मघाती हमलों में घायल एक व्यक्ति को एंबुलेंस में चढ़ाने का प्रयास करते लोग

अफगानिस्तान में बृहस्पतिवार को काबुल हवाई अड्डे के पास दो आत्मघाती हमलावरों और बंदूकधारियों ने भीड़ को निशाना बनाकर हमला किया। रूस के अधिकारियों ने बताया कि इन हमलों में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई जबकि 15 लोग घायल हुए हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि हमले में कई अमेरिकी नौसैनिक मारे गए और सेना के कई अन्य जवान घायल हो गए। यह विस्फोट ऐसे समय हुआ है, जब अफगानिस्तान पर तालिबान के नियंत्रण के बाद से हजारों अफगान देश से निकलने की कोशिश कर रहे हैं और पिछले कई दिनों से हवाई अड्डे पर जमा हैं। तालिबान ने काबुल हवाई अड्डे के बाहर हुए धमाकों की निंदा की और कहा कि यह हमला अमेरिकी सेनाओं के नियंत्रण वाले क्षेत्र में हुआ। काबुल हवाई अड्डे से बड़े स्तर पर लोगों की निकासी अभियान के बीच पश्चिमी देशों ने हमले की आशंका जताई थी। इससे पहले दिन में कई देशों ने लोगों से हवाईअड्डे से दूर रहने की अपील की थी क्योंकि वहां आत्मघाती हमले की आशंकर जताई गई थी। अमेरिका के एक अधिकारी का कहना है कि निश्चित तौर पर माना जा रहा है कि काबुल हवाई अड्डे के पास हुए हमले के पीछे आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट का हाथ है।

इस्लामिक स्टेट समूह तालिबान से अधिक चरमपंथी है और इसने असैन्य नागरिकों पर कई बार हमले किए हैं। काबुल हवाईअड्डे पर हुए हमले की पुष्टि अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन ने भी की थी। हालांकि, रूस के विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर इस हमले में हताहतों के संबंध में जानकारी साझा की है। एक अमेरिकी अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया है कि इस हमले में घायल हुए लोगों में अमेरिकी सेना के जवान भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र को निशाना बनाए जाने के बावजूद निकासी अभियान के लिए काबुल हवाईअड्डे से उड़ान भरी जा रही हैं। पेंटागन के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि एक धमाका हवाईअड्डे के प्रवेश द्वार के पास हुआ जबकि दूसरा एक होटल से कुछ दूरी पर हुआ। एक अफगानिस्तानी व्यक्ति ने कहा कि काबुल हवाई अड्डे के एक द्वार के बाहर इंतजार कर रही भीड़ के बीच हुए धमाके के बाद उसे कुछ लोग मृत या घायल नजर आए। घटनास्थल के पास मौजूद अदम खान ने कहा कि धमाके के बाद कुछ लोग मृत और घायल नजर आ रहे थे तथा कुछ लोगों के अंगभंग हो गए थे। इस बीच, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि पिछले कुछ घंटे पहले हुए धमाकों के कारण काबुल

(शेष पेज 9)

अफगानिस्तान से भारतीयों को वापस लाने को सरकार प्रतिबद्धः जयशंकर

- विदेश मंत्री ने सर्वदलीय बैठक में नेताओं को पड़ोसी देश के ताजा हालात के बारे में जानकारी दी
- कहा- स्थिति गंभीर, देखो और प्रतीक्षा करो की नीति पर चल रहा है भारत
- तालिबान ने दोहा समझौते में किए गए वादों को तोड़ा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सर्वदलीय बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते विदेश मंत्री एस जयशंकर

अफगानिस्तान में हालात को 'गंभीर' करार देते हुए सरकार ने बृहस्पतिवार को 31 राजनीतिक दलों से कहा कि भारत ने तालिबान के प्रति अपने रुख पर कोई भी फैसला करने से पहले 'देखो और प्रतीक्षा करो' की नीति अपनाया है।

केंद्र ने यह भी कहा कि तालिबान ने अफगानिस्तान में धार्मिक आजादी देने और लोकतंत्र के संबंध में दोहा समझौते में किए गए वादों का भी पालन नहीं किया। अफगानिस्तान में ताजा हालात से सर्वदलीय बैठक को अवगत कराते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि अभी हमारी पहली प्राथमिकता सभी भारतीय नागरिकों को युद्धग्रस्त देश से बाहर निकालना है। उन्होंने कहा कि सरकार वहां से भारतीयों को वापस लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है जहां स्थिति 'गंभीर' है। करीब साढ़े तीन घंटे तक चली इस बैठक के दौरान जयशंकर ने कहा कि सरकार ने तालिबान

(शेष पेज 9)

सुप्रीम कोर्ट में नौ नए जज 31 को लेंगे शपथ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय में नौ नए न्यायधीशों को 31 अगस्त को प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण द्वारा शपथ दिलाए जाने की संभावना है। केंद्र ने नियुक्ति के लिए तीन महिलाओं सहित नौ न्यायाधीशों के नामों को मंजूरी दे दी है। राष्ट्रपति ने न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना सहित नौ न्यायाधीशों की नियुक्ति के आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। न्यायमूर्ति नागरत्ना सितंबर 2027 में पहली महिला सीजेआई बनने की कतार में हैं। गुजरात उच्च न्यायालय की न्यायाधीश बेला एम त्रिवेदी और तेलंगाना उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश हिमा कोहली को भी सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त किया गया है। उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 है और अभी 10 पद रिक्त हैं। अगले हफ्ते नए न्यायाधीशों के शपथ लेने के बाद सर्वोच्च अदालत में एक पद रिक्त रह जाएगा। तीन महिला न्यायाधीशों के अलावा केरल उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सी टी रवि कुमार और मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एम एम सुंदरेश को भी शीर्ष अदालत में नियुक्त किया गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता पी एस नरसिम्हा ऐसे छठे वकील हैं, जिन्हें बार से सीधे न्यायालय में नियुक्ति मिली है।

वैक्सीन की दो खुराक के अंतर में बदलाव का प्रस्ताव नहींः सरकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जबलपुर में गुरुवार को कोरोनारोधी टीका लगवाती एक महिला

सरकार ने गुरुवार को उन खबरों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि कोविशील्ड, कोवैक्सीन और स्पुतनिक-वी टीकों की दोनों खुराक के अंतर में बदलाव का प्रस्ताव है। हालांकि, केंद्र ने कहा कि इन कोविड टीकों की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए प्रक्रिया चल रही है।

नेशनल टेक्नीकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्युनाइजेशन इन इंडिया (एनटीएजीआई) के प्रमुख डॉ एनके अरोड़ा ने कहा कि टीके की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए प्रोग्रामेटिक डेटा संग्रह प्रक्रियाएं जारी हैं। एनटीएजीआई नियमित आधार पर टीका प्रभावशीलता डेटा की समीक्षा कर रहा है। वर्तमान में कोविशील्ड, कोवैक्सीन और स्पुतनिक वी टीकों के अंतराल में बदलाव का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। सरकार का यह स्पष्टीकरण उन मीडिया रिपोर्टों के बाद आया है जिनमें कहा गया था कि केंद्र कोविशील्ड की दो खुराक के बीच के अंतर में कमी करने की योजना बना रहा है। टीकाकरण अभियान की शुरुआत में कोविशील्ड के लिए दोनों खुराकों में अंतराल 4 से 6 सप्ताह था।

फिर इसे बढ़ाकर 4 से 8 सप्ताह और अंत में 12 से 16 सप्ताह कर दिया गया। अंतराल को 12 से 16 सप्ताह तक बढ़ाने का निर्णय देश में टीकों की कमी की खबरों के बीच आया लिया गया था और इससे काफी विवाद खड़ा हो गया था, क्योंकि यह कहा गया था कि दोनों टीकों के बीच अंतराल टीके की कमी को देखते हुए बढ़ाया गया है। दूसरी ओर, विशेषज्ञों ने दावा किया कि यह निर्णय नए अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक अध्ययनों पर आधारित था, जिससे पता चलता है कि खुराक के बीच लंबे अंतर से अधिक एंटीबॉडी बनती हैं।

पुलिस अफसरों का सत्तारूढ़ दल का पक्ष लेना चिंताजनकः कोर्ट

- सर्वोच्च न्यायालय ने छत्तीसगढ़ के निलंबित आईपीएस अधिकारी को गिरफ्तारी से संरक्षण दिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक निलंबित आईपीएस अधिकारी को गिरफ्तारी से संरक्षण देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार बदलने पर राजद्रोह के मामले दायर करना एक 'परेशान करने वाली प्रवृत्ति' है। अधिकारी के खिलाफ छत्तीसगढ़ सरकार ने राजद्रोह और आय के ज्ञात स्त्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के दो आपराधिक मामले दर्ज कराए थे।

प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने राज्य पुलिस को इन मामलों में अपने निलंबित वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी गुरजिंदर पाल को गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दिया है। पीठ ने सिंह को जांच में एजेंसियों के साथ सहयोग करने के भी निर्देश दिए। पीठ ने कहा, ''देश में यह बहुत परेशान करने वाली प्रवृत्ति है और पुलिस विभाग भी इसके लिए जिम्मेदार है...जब कोई राजनीतिक पार्टी सत्ता में होती है तो पुलिस अधिकारी उस (सत्तारूढ़) पार्टी का पक्ष लेते हैं। फिर जब कोई दूसरी नयी पार्टी सत्ता में आती है तो सरकार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करती है। इसे रोकने की आवश्यकता है।

उच्चतम न्यायालय ने राज्य सरकार को चार हफ्तों के भीतर दो अलग-अलग याचिकाओं पर जवाब देने का भी निर्देश दिया और इस दौरान पुलिस अधिकारी को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। निलंबित पुलिस अधिकारी की ओर से वरिष्ठ वकील एफ एस नरीमन और विकास सिंह पेश हुए और राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी तथा राकेश द्विवेदी पेश हुए। कांग्रेस के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार ने सिंह के खिलाफ राजद्रोह और आय के ज्ञात स्त्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के संबंध में दो मामले दर्ज कराए।

तिहाड़ से मुंबई जेल भेजे जाएंगे यूनिटेक के प्रमोटर

सुप्रीम कोर्ट का आदेश

- जेल में मिलीभगत से भूमिगत ऑफिस चलाने का हुआ खुलासा जांच के आदेश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तिहाड़ जेल प्रशासन के कर्मचारियों और यूनिटेक के पूर्व प्रमोटरों की मिलीभगत से जेल परिसर में व्यापार चलाने के लिए भूमिगत कार्यालय चलाने की अनुमति देने को बेहद शर्मनाक बताया है। इसके साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया कि यूनिटेक के पूर्व प्रमोटर संजय चंद्रा और अजय चंद्रा को तिहाड़ जेल से अलग अलग मुंबई की आर्थर रोड जेल और महाराष्ट्र की तलोजा जेल में स्थानांतरित किया जाए।

शीर्ष अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय की उस रिपोर्ट को देखने के बाद तिहाड़ जेल से स्थानांतरित करने का आदेश जारी किया जिसमें चंद्रा बंधु जेल कर्मचारियों की मदद से जेल से कारोबार चलाने का आरोप था। शीर्ष अदालत ने ईडी की दो स्टेटस रिपोर्ट देखने के बाद कहा कि तिहाड़ जेल अधीक्षक और अन्य कर्मचारी अदालत के आदेशों की अवहेलना और अधिकार क्षेत्र को कमजोर करते हुए बेहद बेशर्मी के साथ चंद्रा बंधुओं के साथ मिलीभगत कर उनकी मदद कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एमआर शाह की पीठ ने कहा कि दोनों भाइयों को मुंबई की आर्थर रोड और तलोजा जेलों में अलग-अलग रखा जाएगा। पीठ ने कहा कि संजय और अजय के आचरण तथा जेल अधिकारियों की मिलीभगत के बारे में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दो रिपोर्ट में आदेशों के उल्लंघन तथा न्यायालय के क्षेत्राधिकार को कमतर करने संबंधी 'गंभीर एवं व्यथित करनेवाले' मुद्दे उठाए गए हैं। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली के पुलिस आयुक्त से कहा कि वह चंद्रा बंधुओं से मिली भगत के मामले में तिहाड़ जेल के अधिकारियों के आचरण की व्यक्तिगत रूप से तत्काल जांच शुरू करें और चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

इससे पहले गुरुवार को उच्चतम न्यायालय में आश्चर्यजनक खुलासा करते हुए प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि उसने यहां एक गुप्त भूमिगत कार्यालय का पता लगाया है जिसका संचालन पूर्ववर्ती यूनिटेक संस्थापक रमेश चंद्रा द्वारा किया जा रहा है तथा उसके पुत्र-संजय चंद्रा और अजय चंद्रा ने पैरोल या जमानत पर रहने के दौरान इसका दौरा किया। चंद्रा बंधुओं और यूनिटेक के खिलाफ धनशोधन के आरोपों की जांच कर रहे ईडी ने कहा कि संजय और अजय दोनों ने समूची न्यायिक हिरासत को निरर्थक कर दिया क्योंकि वे जेल के भीतर से खुलेआम अपने अधिकारियों से संपर्क करते रहे हैं और उन्हें निर्देश देते रहे हैं तथा अपनी संपत्तियों से संबंधित मामले निपटाते रहे हैं।

बाजार

सेंसेक्स	55,949	↑ 04	
निफ्टी	16,636	↑ 02	
सोना	46,149	↓ 265	/10g
चांदी	61,653	↓ 323	/kg

क्विक न्यूज

जहरीली शराब से मौतों के मामले में नौ पुलिसकर्मी निलंबित

आगरा। आगरा के फतेहाबाद के डौकी गांव और आसपास के क्षेत्रों में संदिग्ध नकली शराब पीने से करीब दस लोगों की मौत होने के बाद तीन थाना प्रभारियों सहित नौ पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। यह जानकारी पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को दी। वही, आबकारी विभाग ने भी बृहस्पतिवार को तीन आबकारी सिपाहियों को निलंबित किया। साथ ही दो आबकारी निरीक्षकों के खिलाफ कार्रवाई के लिए रिपोर्ट शासन को भेजी गई है। इस मामले में पुलिस ने नकली शराब पीने से चार व्यक्तियों की मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि छह अन्य की मौत के कारण का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, आगरा, राजीव कृष्ण ने कहा, इस मामले में तीन एसएचओ सहित नौ पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

सीबीआई ने बंगाल में चुनाव बाद हुई हिंसा में नौ मामले किए दर्ज

- कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद केंद्रीय जांच एजेंसी कर रही कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सीबीआई ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा से जुड़े नौ मामले दर्ज किए हैं। मामले की जांच कर रहीं एजेंसी की सभी चार विशेष इकाइयों ने अपने अधिकारियों को कोलकाता से राज्य भर में जहां-जहां हिंसा हुई, वहां भेज दिया है।

सूत्रों ने कहा कि सीआरपीएफ जवान सीबीआई अफसरों की सुरक्षा में डटे हैं। उन्होंने कहा कि अभी और मामले दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। कलकत्ता उच्च न्यायालय की पांच जजों की पीठ के आदेश के बाद सीबीआई ने इस साल के शुरू में हुए विधानसभा चुनावों के बाद हुई व्यापक हिंसा के मामले को अपने हाथ में ले लिया था। कथित रूप से हत्या और बलात्कार की घटनाओं की जांच का काम एजेंसी को सौंपा गया। उच्च न्यायालय के निर्देश राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद आए।

विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा को बेहद कड़े मुकाबले में हरा दिया। स्वतंत्र जांच की मांग करने वाली जनहित याचिकाओं पर सर्वसम्मति से निर्णय देते हुए उच्च न्यायालय की पीठ ने अन्य सभी मामलों की जांच के लिए राज्य पुलिस अधिकारियों की एसआईटी के गठन का भी आदेश दिया। एसआईटी में पश्चिम बंगाल कैडर के सभी आईपीएस अधिकारी सुमन बाला साहू, सौमेन मित्रा और रणवीर कुमार

(शेष पेज 9)

सीसीटीवी लगाने में दिल्ली दुनिया के 150 शहरों में अव्वल

- प्रति वर्ग मील में कैमरों की संख्या के मामले में न्यूयार्क, लंदन और शंघाई जैसे शहर भी पीछे

संजय राय। नई दिल्ली

प्रतीकात्मक चित्र

राष्ट्रीय राजधानी में कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के मकसद से तेजी से सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम हुआ। इससे दिल्ली सीसीटीवी के मामले में दुनिया के 150 शहरों में अव्वल हो गया है। राजधानी में प्रति वर्ग मील में 1826 कैमरे लगे हैं। इतने कैमरे न्यूयार्क, लंदन और शंघाई जैसे शहरों में भी नहीं हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि गर्व की अनुभूति हो रही है कि दिल्ली ने प्रति वर्ग मील सीसीटीवी के मामलों में पश्चिमी देशों को पीछे छोड़ दिया है। मेहनत और संघर्ष की बदौलत दुनिया में एक नया मुकाम हासिल किया है। आप सरकार के अनुसार, दिल्ली में प्रति वर्ग मील 1826 सीसीटीवी लगाए गए हैं, जबकि लंदन में प्रति वर्ग मील में 1138 कैमरे लगे हैं। वहीं दिल्ली में चेन्नई से तीन गुना और मुंबई से 11 गुना अधिक सीसीटीवी कैमरे है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा केंद्र सरकार और एलजी बैजल के लगातार अड़चनें डालने के बावजूद संघर्ष, दूरदर्शिता और मेहनत की वजह से यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल हो पाया। इससे दिल्ली वालों विशेष रूप से महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने का उनका वादा पूरा हुआ। महिला सुरक्षा को मजबूती देने के लिए प्रतिबद्ध दिल्ली सरकार ने अब तक 2.75 लाख सीसीटीवी लगाए हैं और अगले कुछ महीने में 1.4 लाख सीसीटीवी और लगाए जाएंगे। दिल्ली सरकार का सीसीटीवी लगाने का यह मॉडल विश्व स्तर पर अनूठा है, क्योंकि यह प्रणाली विकेंद्रीकृत है और सुरक्षित कनेक्शन के माध्यम से पुलिस, पीडब्ल्यूडी और आरडब्ल्यूए व बाजार एसोसिएशन द्वारा रिमोट मॉनिटरिंग की अनुमति प्रदान करता है। वर्ष 2012 में दिल्ली गैंग रेप के बाद शहर भर में सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग उठी थी। इसके बाद लोक निर्माण विभाग ने कैमरे लगाने की प्रक्रिया शुरू की। दिल्ली देश का इकलौता शहर है, जहां सार्वजनिक स्थानों को सीसीटीवी के माध्यम से सबसे बेहतर निगरानी प्रदान की जा रही है। साथ ही वैश्विक स्तर पर उन शहरों में शुमार है जो सीसीटीवी के माध्यम से अपने नागरिकों को सुरक्षा मुहैया कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

गोपनीयता को लेकर भी उठाए कई कदम

सरकार ने सीसीटीवी प्रोजेक्ट में गोपनीयता का ख्याल रखते हुए कई कदम उठाए हैं। सरकार द्वारा लगाए गए सभी सीसीटीवी फीड ज्यादा सुरक्षित हैं। लोगों द्वारा हार्डवेयर की निगरानी की जाती है। फीड केवल अधिकृत उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है और सिस्टम स्वयं ही कनेक्शन की गड़बड़ी आदि का पता लगाने में सक्षम है। सरकार यह सुनिश्चित करती है कि इसका उपयोग केवल अधिकृत उपयोगकर्ताओं द्वारा अधिकृत मकसद यानी शहरियों की सुरक्षा के लिए ही किया जाए। केंद्र सरकार ने जुलाई 2018 में व्यक्तिगत डेटा विधेयक पेश किया था, लेकिन अभी भी इसे पारित नहीं किया है। नतीजतन, कहीं भी स्थापित किसी भी सीसीटीवी कैमरे के लिए कोई राष्ट्रीय मानक नहीं हैं। हालांकि, दिल्ली सरकार डेटा की गोपनीयता के लिए एक नागरिक चार्टर जारी करने की कोशिश में लगी है।

जेवर एयरपोर्ट की तर्ज पर होगा फिल्म सिटी का विकास

सीएम योगी ने यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी और औद्योगिक विकास विभाग को काम तेजी से बढ़ाने का दिया आदेश

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का फार्मूला उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यमुना फिल्म सिटी में भी अपनाएंगे, जिस फार्मूले पर जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाया जा रहा है अब उसी हाइब्रिड फाइनेंसाल मॉडल पर फिल्म सिटी बसाई जाएगी।

इस प्रोजेक्ट पर योगी सरकार ने मुहर लगा दी है। करीब 1,000 हेक्टेयर में बसाई जा रही फिल्म सिटी के पहले चरण पर 6,000 करोड़ पर खर्च होंगे। मुख्यमंत्री ने यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी और औद्योगिक विकास विभाग को काम तेजी से बढ़ाने का आदेश दिया है।

यह फिल्म सिटी तीन चरणों में विकसित की जाएगी। डीपीआर बनाने वाली एजेंसी 3 हफ्ते में निविदा प्रपत्र तैयार करेगी। उसके बाद ग्लोबल टेंडर निकाला जाएगा। इसी साल दिसंबर तक फिल्म सिटी के लिए विकासकर्ता कंपनी का चयन कर लिया जाएगा। उसके बाद इसके निर्माण की प्रक्रिया शुरू होगी।

तीन सप्ताह में बिड डॉक्यूमेंट तैयार होंगे

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट फिल्म सिटी यमुना प्राधिकरण के सेक्टर 21 में विकसित होगी। इसे 1000 एकड़ में विकसित किया जाएगा। इस फिल्म सिटी की डीपीआर सीबीआरई कंपनी ने बनाई है। डीपीआर शासन को भेजी गई थी। शासन में गठित समिति ने 12 अगस्त को इस पर अपनी मुहर लगा दी। कमेटी ने कहा कि फिल्म सिटी पीपीपी मॉडल पर विकसित होगी। कमेटी ने इसके लिए हाइब्रिड फाइनेंसियल मॉडल तैयार किया है।

दिसंबर तक कंपनी का चयन होगा

एक बार डॉक्यूमेंट तैयार होने के बाद शासन को भेजा जाएगा। शासन की अनुमति मिलने के बाद टेंडर निकाला जाएगा। प्राधिकरण इस प्रोजेक्ट के लिए ग्लोबल टेंडर निकालेगाए ताकि विदेशी कंपनियां भी इसमें हिस्सा ले सकें। दो महीने के भीतर विकासकर्ता कंपनी का चयन कर लिया जाएगा। कंपनी के साथ 40 साल का एग्रीमेंट होगा। कंपनी को लीज के बजाय लाइसेंस दिया जाएगा। बिड डाक्यूमेंट बनाने से लेकर फ़ाइनेंसियल क्लोज़र तक की जिम्मेदारी सीबीआरई कंपनी की होगी।

चरण	कब पूरा होगा	जमीन	अनुमानित लागत
पहला	2023–24	376	2500
दूसरा	2026–27	298	2700
तीसरा	2028–29	236	2100

इस मॉडल के मुताबिक सालाना तय शुल्क और लाभांश में भी हिस्सेदारी मिलेगी। शासन के आदेश के बाद यमुना प्राधिकरण ने सीबीआरई कंपनी को बिड डॉक्यूमेंट तैयार करने के आदेश दे दिए हैं।

कंपनी को इसके लिए 3 हफ्ते का समय दिया गया है। फिल्म सिटी को तीन चरणों में विकसित किया जाएगा। पहले चरण में फिल्म निर्माण से जुड़ी गतिविधियों को विकसित किया जाएगा। इसके तहत फिल्म स्टूडियो, खुला एरिया एम्यूजमेंट पार्क विला आदि विकसित किए जाएंगे। 120 एकड़ में एम्यूजमेंट पार्क 20.20 एकड़ में फिल्म स्टूडियो बनेंगे। पहले चरण के 80 प्रतिशत हिस्से में केवल फिल्म से जुड़े निर्माण कार्य किए जाएंगे। ताकि पहला चरण पूरा होते ही फिल्म की शूटिंग शुरू हो सके। फिल्म सिटी के दूसरे चरण में हास्पिटॉलिटी, रिजार्ट और व्यावसायिक गतिविधियों को विकसित किया जाएगा। ताकि शूटिंग में आने वाले लोगों को सहूलियत मिले। साथ ही इनसे जुड़े व्यवसायों को बढ़ावा मिले। तीसरे और अंतिम चरण में रिटेल डेवलपमेंट होगा। इस चरण में बचे हुए सारे काम किए जाएंगे।

कलेक्शन एजेंट से लूट मामला

पुलिस मुठभेड़ में तीन गिरफ्तार

मुठभेड़ में घायल बदमाश।

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोतवाली सेक्टर-39 क्षेत्र में 19 अगस्त की शाम दिल्ली के कोंडली इलाके के तेल व्यापारी के कलेक्शन एजेंट से बदमाशों ने करीब 12 लाख 66 हजार रुपये लूट लिए थे। जांच के दौरान गुरुवार दोपहर नोएडा के कोतवाली सेक्टर 58 क्षेत्र में बदमाशों की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए। पुलिस ने तीन बदमाशों को मौके से गिरफ्तार करते हुए लूटी गई रकम में से 8.5 लाख रुपये बरामद कर लिए हैं।

एसीपी-2 नोएडा जोन रजनीश वर्मा ने बताया कि दिल्ली के कोंडली इलाके के तेल व्यापारी पवन गर्ग के कलेक्शन एजेंट सुखबीर से 19 अगस्त की शाम कोतवाली सेक्टर-39 क्षेत्र में हाजीपुर अंडरपास के पास तीन बदमाशों ने हथियार के बल पर 12 लाख 66 हजार रुपये लूट लिए थे।

इस मामले में जांच के दौरान गुरवार दोपहर कोतवाली सेक्टर-58 क्षेत्र में एनआईबी चौकी के पास कोतवाली सेक्टर-58 पुलिस और स्वाट टीम के साथ बदमाशों से मुठभेड़ हो गई।

मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए। पुलिस ने मौके से 3 बदमाशों को गिरफ्तार कर लूटी गई रकम से साढ़े आठ लाख रुपये दो तमंचा, कारतूस और मोबाइल बरामद किए हैं। एसीपी ने बताया गिरफ्तार बदमाशों की पहचान सुबोध मान निवासी वैशाली बिहार, राकेश निवासी पैगांव मथुरा और सूरज के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि घटना में कुल चार बदमाश शामिल थे जिसमें एक चेतराम भी था जिसकी पुलिस अभी तलाश कर रही है।

पेशी पर आए आरोपी ने रची थी साजिश

एसीपी-2 रजनीश वर्मा ने बताया कि आरोपी सुबोध मान और राकेश नोएडा में पूर्व में हुई एक लूट के मामले में पहले भी जेल जा चुके हैं। 16 अगस्त को सुबोध पेशी पर गौतमबुद्ध नगर न्यायालय आया था जहां से राकेश के साथ मिलकर इसने लूट की साजिश रची। दोनों ने मिलकर 17 अगस्त को सेक्टर 58 थाना क्षेत्र के डी.पार्क के पास से एक बाइक चोरी की और इस बाइक के माध्यम से 2 दिनों तक इन लोगों ने कलेक्शन एजेंट की रेकी की थी। बदमाश 19 अगस्त को वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए थे और दिल्ली में जाकर छुप गए थे। बदमाश कोतवाली लूट की रकम का बंटवारा करने के लिए आए थे।

जीडीए के दाम बढ़ाने से आवंटियों को जेब होंगी ढीली

मधुबन बापूधाम आवासीय योजना

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण बैठक संपन्न

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की बोर्ड बैठक में मधुबन बापूधाम आवासीय योजना के आवंटित सभी भूखंडों की दरों में अतिरिक्त बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास कर दिया गया।

इसके अलावा जीडीए ने अपने सर्किल रेट फ्रीज करने का फैसला लिया है। बोर्ड बैठक में कुल 16 प्रस्ताव पेश किए गए जिनमें से 11 पास हो गए। बोर्ड की बैठक मेरठ मंडल आयुक्त सुरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में शुरू हुई। बैठक में सबसे पहले मधुबन बापूधाम के आवास योजना के आवंटित भूखंडों की दरों में अतिरिक्त बढ़ोतरी का प्रस्ताव पेश किया गया।

बोर्ड में बताया गया कि किसानों की सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने निर्णय लिया है कि जीडीए किसानों को बढ़ी हुई दरों पर मुआवजे का भुगतान करें। बढ़ी हुई राशि अब आवंटी से ही वसूली जानी है।

इसके बाद ही किसानों को बढ़ा हुआ मुआवजा दिया जा सकेगा। जीडीए बोर्ड बैठक में यह भी बताया गया कि मधुबन बापूधाम योजना के आवंटन को 5750रुपये की दर से अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है।

खास बात यह है कि जिन आवंटियों को करीब 11000 प्रति वर्ग मीटर की दर से भूखंड आवंटित किए गए थे अब उन्हें यह भूखंड 16000 से भी अधिक प्रति वर्ग मीटर का भुगतान करना होगा। इस दौरान बोर्ड ने तय किया है कि जो आवंटित अपना पैसा वापस लेना चाहे उन्हें जीडीए 9% सालाना ब्याज सहित धनराशि लौटा दी जाएगी।

हजारों किसान 1 सितंबर को नोएडा प्राधिकरण कार्यालय पर देंगे धरना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

भारतीय किसान परिषद की अगुवाई में गौतमबुद्ध नगर के 81 गांवों के हजारों किसान 1 सितंबर को नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ पार्टी कार्यालय पर धरना देंगे।

इसके लिए सर्फाबाद में स्थित सुंदर फॉर्म पर पंचायत का आयोजन कर रणनीति बनाई गई। ये सभी किसान 10 से अतिरिक्त जमीन 7 प्रतिशत बढ़ा हुआ मुआवजा और आबादी से जुड़ी मांगों का निस्तारण कराने के लिए लंबे वक्त से प्रयास कर रहे हैं। मगर अब तक इनका हल नहीं निकल सका है। ये सभी नोएडा प्राधिकरण की कार्यशैली से बेहद रोष में है। पंचायत का आयोजन सुखवीर खलीफा की अगुवाई में किया गया। पंचायत के बारे में जानकारी देते हुए सुखबीर खलीफा ने कहा, भारतीय किसान परिषद के बैनर तले आगामी 1 सितंबर को नोएडा प्राधिकरण की किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा। आबादी में बसे किसानों के घरों को भी नोएडा अथॉरिटी ने अपना नाम दे दिया है।

संक्षिप्त समाचार

कर्मियों को वर्दी वितरित करते नगर आयुक्त व महापौर आशा शर्मा

गाजियाबाद नगर निगम कर्मचारियों को बांटी वर्दी

गाजियाबाद। शहर के रखरखाव और साफ-सफाई के प्रति व्यवस्था को चुस्त और दुरुस्त करने के लिए नगर निगम मुख्यालय में लगभग ढाई सौ कर्मचारियों को नगर आयुक्त ने प्रेरित करते हुए उनकी रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान के लिए भरोसा दिया और कहा कि कोई भी परेशानी होने पर कर्मचारी उनसे सीधे संपर्क करें। नगर आयुक्त ने वर्दी वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सर्दी के बचाव के लिए नगर निगम ने अपने कर्मचारियों की सुविधा के लिए सभी उपाय किए हैं। निगम के सभी कर्मचारियों से अपेक्षा है कि वे मन लगाकर शहर के शहर के हित में काम करें। इसी क्रम में महापौर आशा शर्मा ने कहा कि सभी कर्मचारी नगर निगम का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनकी भागीदारी के बिना शहर का विकास संभव है।

अर्थ–डे नेटवर्क इंडिया ने निगम को किया पुरस्कृत

गाजियाबाद। ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड की सफलता पर अर्थ डे अंतराष्ट्रीय संस्था अर्थ डे इंडिया नेटवर्क स्टार म्युनिसिपल लीडरशिप अवार्ड से नवाजा गया है। नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि प्रथम ग्रीन मुंसिपल बॉन्ड जारी किया गया। अंतराष्ट्रीय संस्थान अर्थ डे नेटवर्क इंडिया द्वारा भी गाजियाबाद नगर निगम को पुरस्कृत करते हुए स्टार म्युनिसिपल लीडरशिप अवार्ड से सुसज्जित किया गया। अंतराष्ट्रीय संस्थान अर्थ डे नेटवर्क इंडिया सन 1970 से विश्व में पर्यावरण व जलवायु के गिरते स्तर को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है तथा भारत में भी गंगा सफाई अभियान तथा अन्य संस्थान से जुड़ी हुई है। क्षेत्रवासियों के हित में जारी किए जाने वाले ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड के फल स्वरुप पूरे भारतवर्ष से गाजियाबाद नगर निगम को शुभकामनाएं प्राप्त हुई। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा अपने क्षेत्र में कार्य को आगे बढ़ाते हुए अहम भूमिका निभाई जा रही है। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा गिरते भूजल स्तर को बचाने के लिए तथा गंदे पानी को शुद्ध करते हुए इंडस्ट्रियल एरिया साहिबाबाद हेतु उपयोगी बनाने के लिए बेहतर कार्य किया जा रहा है।

रोपित किए जाएंगे 75 लाख पौधे

गाजियाबाद। आयुर्वेद को घर-घर तक पहुंचाने के लिए अब देशभर में पौधे औषधीय पौधे लगाने की मुहिम शुरू होने जा रही है। यह मुहिम देशभर में शुरू होगा 30 अगस्त से शुरू होकर 5 सितंबर को संपन्न सम्पन्न होगी। इस दौरान देशभर में 75 लाख औषधीय पौधे रोपित किए जाएंगे। खास बात यह है कि गाजियाबाद में यह अभियान गाजियाबाद में ध्यान दो 2 सितंबर से शुरू होगा और यहां 500 से ज्यादा जातियों के औषधीय पौधे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रोपित किए जाएंगे। जिला उद्यान अधिकारी कुमारी निधि ने बताया कि यह सभी पौधे गाजियाबाद की कवि नगर स्थित राजकीय पौधशाला में नि: शुल्क वितरित किए जाएंगे। नेशनल मेडिसिनल प्लांट बोर्ड आयुष मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश पर यह मुहिम शुरू की जा रही है। मुहिम के तहत इस अभियान के तहत सहजन, आंवला और बेल के पौधे वितरित किए जाएंगे। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि यह 3 पौधे से पौधे हैं जिनके सेवन से लाइलाज बीमारियों का इलाज संभव है।

करंट लगने से एक की मौत, दूसरा झुलसा

नोएडा। नोएडा थाना सूरजपुर क्षेत्र के डेल्टा- 2 के पास बिजली का करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और उसका साथी झुलस गया।

सूरजपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह ने बताया कि नन्हे यादव और दुर्गेश यादव एक कंपनी के लिए तार डालने का काम करते थे। डेल्टा-2 सेक्टर के पास बीती रात उन्होंने तार डालने का काम किया, तथा रात के समय वहीं पर रुक गए। दोनों लोगों ने वहां से गुजर रही बिजली की लाइन में कटिया डालकर अपना मोबाइल फोन चार्ज करना शुरू कर दिया। इसी बीच नन्हे तथा दुर्गेश को करंट लग गया।

गौतम बुद्ध विवि में 10 विदेशी छात्रों ने आने की जताई इच्छा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोरोना संक्रमण के कम होते प्रकोप को देखते हुए अब शिक्षण संस्थान खुलना शुरू हो गए है। ऐसे में कासना स्थित गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी में नए सत्र में पढ़ाई के लिए विदेशी छात्र.छात्राओं की आने के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है।

इस बार ताइवन, रोमनिया और भूटान के चार विदेशी छात्र-छात्राओं ने संस्थान आने के लिए अनुमति मांगी है। इन छात्रों को भारत आने के लिए वीजा भी मिला गया है संक्रमण फ्लाइट न चलाने काफी दिक्कत हो रही थी। साथ ही अन्य देशों के भी इस बार 50 से अधिक छात्रों के आने की उम्मीद हैं। बता दें कि बौद्ध अध्ययन में बौद्ध शिक्षा की पढ़ाई शैक्षणिक सत्र 2012-13 शुरू हुई थी। पहले ही वर्ष में 44 छात्रों का बौद्ध अध्ययन विभाग के एमए एमफिल और पीएचडी में हुई जिसमें से 31 छात्र विदेशी छात्र थे। जीबीयू के इंटरनेशनल अफेयर के डायरेक्टर डॉ. अरविंद सिंह ने बताया कि केस कम हो रहे है और आने-जाने के लिए फ्लाइट भी खुल गई है।

रॉग साइड गाड़ी चलाने पर होगी कड़ी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

हॉट सिटी में यदि कोई भी वाहन चालक शॉर्टकट जाने के चक्कर में विपरीत दिशा में वाहन चलाता है तो उसके खिलाफ यातायात जिले में कठोर कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। यातायात विपरीत दिशा में वाहन चलाने वाले वाहन चालकों को 34 वाहन चालकों को दबोच लिया दबोच लिया है और उनसे उनका चालान कर चल कर भारी मात्रा में जुर्माना भी वसूला है।

पुलिस अधीक्षक यातायात रामानंद कुशवाहा ने बताया कि पहली बार गलती करने पर गलती करने पर आर्थिक दंड के चालान किया गया है। यदि नियम उल्लघंन की दोबारा पुनरावृत्ति होती है तो विभाग ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ थानों में उनके खिलाफ अपराधिक मामला भी दर्ज कराएगा। कुशवाहा ने बताया कि विपरीत दिशा में वाहन चलाने के कारण ज्यादातर दुर्घटनाएं घटित होती हैं। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अभियान शुरू किया गया है। यातायात पुलिस ने पिछले 24 घंटों के दौरान विभिन्न यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले विभिन्न वाहन चालकों के खिलाफ विभिन्न मदों में कार्रवाई की है, जिसमें बिना बीमा के 26 वाहनों, तीन सवारी बैठाने वाले 18 वाहनों, नो पार्किंग एरिया में पार्क करने पर 83 लोगों के चालान किए गए, जबकि प्रेशर होरन बजाने 32 वाहनों का चालान किया गया है उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों में 1000 से भी अधिक वाहनों के चालान किए गए हैं और एक लाख 27000 का जुर्माना वसूला गया है।

पराली जलाने पर किसानों से वसूली

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

देहात इलाके में पराली जलाने पर अब कड़ी कार्रवाई होगी। पराली जलाने के कारण जो नुकसान आसपास के क्षेत्रों में होगा, उसकी वसूली भी अब पराली जलाने वाले किसानों से वसूली जाएगी।

इस संबंध में जिले की तीनों तहसीलों पर सचल दस्ते का गठन करने का निर्णय लिया गया है। यह जानकारी जिला अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि धान पराली एवं अन्य कृषि फसल अपशिष्ट न जलाने के लिए कड़े निर्देश जारी कर दिए गए हैं और इनकी रोकथाम के लिए तहसील के समस्त लेखपाल एवं ग्राम प्रधानों को सम्मिलित करते हुए एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाए जाने का निर्णय किया गया है। इस ग्रुप पर पराली जलाने की जैसी जानकारी मिलेगी, सचल दस्ता मौके पर पहुंचकर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

लोनी इलाके में पराली जलाने की सबसे ज्यादा घटनाएं होती है वहां सचल दस्ते का गठन कर दिया गया है, जिसका प्रभारी एसडीएम लोनी को बनाया गया है। इसके अलावा इस दस्ते में पुलिस विभाग के क्षेत्राधिकारी एवं कृषि विभाग के अधिकारी को भी शामिल किया गया है।

भाटी गैंग के योगेश के भाई और साले के वाहन कुर्क

नोएडा। कुख्यात रणदीप भाटी गैंग के सक्रिय सदस्य योगेश डाबरा के भाई और साले के 16 वाहन पुलिस ने जब्त कर कुर्क कर दिए हैं।

कोतवाली जारचा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत यह कार्रवाई की है। गैंगस्टर द्वारा यह वाहन अवैध धन अर्जित कर खरीदे गए थे। पुलिस पूर्व में भी जिले के कई गैंगस्टर और माफियाओं की चल और अचल संपत्ति कुर्क कर चुकी है। एडीसीपी विशाल पांडे ने बताया कि कोतवाली जारचा पुलिस ने विशेष न्यायालय पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर के आदेश अनुसार गैंगस्टर एक्ट के तहत वाहन कुर्क करने की कार्रवाई की है।

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में बनेगा लेदर पार्क

दुनियाभर के निवेशकों की पहली पसंद बना गौतमबुद्धनगर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की बदौलत यमुना प्राधिकरण क्षेत्र दुनियाभर के उद्यमियों की पहली पसंद बन गया है।

देश-दुनिया के जाने-माने ब्रांड यहां लेदर पार्क विकसित करेंगे। इसमें जूतेए लेदर से बनी फैशन असेसिरीज और सामान बनेगा। करीब 100 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित होने वाले इस पार्क के जरिए 4,000 करोड़ रुपये का निवेश आएगा। यहां आने वाली कम्पनियों में 50 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

काउंसिल ऑफ लेदर एक्सपोर्ट के उत्तर क्षेत्रीय अध्यक्ष मोतीलाल सेठी की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल ने यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ.अरुणवीर सिंह से मुलाकात की।

उन्होंने यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में लेदर पार्क विकसित करने की मांग रखी। उद्यमियों ने कहा कि इस उद्योग के लिए यह सबसे मुफीद क्षेत्र बन गया है। प्राधिकरण के सीईओ ने अपने क्षेत्र में 100 एकड़ जमीन देने के लिए सहमति दे दी है। एक योजना के जरिये भूखंड आवंटित किए जाएंगे। मोतीलाल सेठी ने कहा कि अभी अकेले नोएडा शहर से सालाना निर्यात 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का हो रहा है। नोएडा में जो इकाइयां हैंए वे पूरे शहर में बिखरी हुई हैं। इससे उनकी निर्माण क्षमता और दक्षता में बाधा आती है। यदि लेदर पार्क विकसित हो जाता है तो यहां पर 3.4 हजार करोड़ रुपये का निवेश आएगा। इस पार्क में सालाना 2.3 हजार करोड़ रुपये का उत्पादन होगा। इसके जरिए 50,000 लोगों को रोजगार मिलेगा।

तीन चरण में विकसित होगा लॉजिस्टिक पार्क

हर तरफ से होगी कनेक्टिविटी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

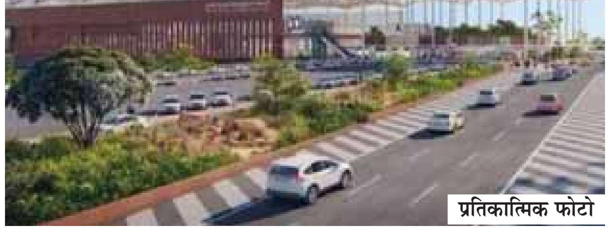

प्रतिकात्मिक फोटो

यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे विकसित होने वाले मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क विकसित करने की प्रक्रिया में तेजी आई है। यमुना प्राधिकरण के अफसरों ने इस परियोजना को डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट डीपीआर का प्रजेंटेशन देखा। डीपीआर बनाने वाली कंपनी ने इस पार्क को तीन चरणों में विकसित करने का प्रस्ताव दिया है।

पहले चरण का काम डेढ़ साल में पूरा हो जाएगा। इस पर करीब 855 करोड़ रुपये अनुमानित खर्च आएगा। यमुना प्राधिकरण ने एक्सप्रेस-वे के किनारे टप्पल में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क विकसित करने की योजना बनाई है। इसका मास्टर प्लान प्रदेश सरकार पहले ही मंजूर कर चुकी है। 11104 हेक्टेयर में इस पार्क को विकसित किया जाएगा।

इसमें औद्योगिक, मिश्रित भू उपयोग, आवासीय, व्यावसायिक समेत तमाम तरह के भू उपयोग रहेंगे। यमुना प्राधिकरण ने इस पार्क की डीपीआर बनाने की जिम्मेदारी डिलाइट कंपनी को सौंपी है। डिलाइट ने बुधवार को यमुना प्राधिकरण के अफसरों के सामने प्रजेंटेशन दिया। एजेंसी ने इस पार्क को 3 चरणों में विकसित करने का खाका खींचा है।

यहां पर कारगोए स्टोरेज व हैंडलिंग की सुविधा दी जाएगी। पहले चरण में कंटेनर डिपो और अन्य सेक्टर विकसित किए जाएंगे। इसके बाद दूसरा चरण विकसित होगा। यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों ने इसमें कुछ सुझाव दिए हैं।

यमुना और ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे जोड़ा जाएगा

टप्पल में विकसित होने वाले मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क को रेल और सड़क दोनों मार्गो से जोड़ा जाएगा। ताकि इसको बेहतर कनेक्टिविटी मिल सके। इसे डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और दिल्ली हावड़ा रेलखंड से भी जोड़ा जाएगा। साथ ही यमुना एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे दोनों से जोड़ा जाएगा। पहले चरण का विकास 200 हेक्टेयर में होगा। इस पर करीब 855 करोड़ रुपये खर्च होंगे। दूसरे चरण में 500 हेक्टेयर जमीन पर विकास होगा। पहले चरण में यमुना प्राधिकरण भूखंड विकसित करके आवंटित करेगा।

रजिस्ट्रेशन करवाने के बावजूद भी नहीं लग रही वैक्सीन

ईएसआइसी अस्पताल लंबी लाइन लगी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर में कोरोना टीकाकरण की रफ्तार काफी कम हो गई है। जिसके कारण अब लोगों को समस्याओं से जूझना पड़ रहा है।

नोएडा के सेक्टर-24 में स्थित ईएसआइसी अस्पताल में कोरोना का टीका लगवाने के लिए लंबी लाइन लगी हुई है। लोगों ने कोरोना की वैक्सीन लगवाने के लिए रजिस्ट्रेशन करवा दिया लेकिन फिर भी उनको समय से वैक्सीन नहीं लगाई जा रही है। ईएसआइसी अस्पताल में वैक्सीन लगवाने के लिए लंबी लाइन लगी हुई है। लोगों का कहना है कि जब वैक्सीन नहीं है तो बुकिंग क्यों हो रही है। लोग रजिस्ट्रेशन करवाने के बावजूद भी लम्बी लाइन में लगे हुए है। लाइन में लगी एक महिला का कहना है कि रजिस्ट्रेशन करवाने के बावजूद भी सेंटरों पर इंतजार करना पड़ रहा है। समय पर रजिस्ट्रेशन करवाने के बाद भी समय से वैक्सीन नहीं लग रही है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

स्कूलों को दोबारा खोलने के लिए दो खेमों में बंटे अभिभावक

कहा- जोखिम अभी बरकरार, अक्टूबर-नवंबर से पहले विद्यालयों को खोलना सही फैसला नहीं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फाइल फोटो

आगामी महीनों में कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर की चिंताओं के बीच अभिभावकों की राय राष्ट्रीय राजधानी में स्कूलों को फिर से खोलने की योजना को लेकर बंटी हुई है। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति ने दिल्ली में सितंबर से स्कूलों को चरणबद्ध तरीके से फिर से खोलने की सिफारिश की है।

कुछ लोगों का मानना है कि अब बहुत हो चुका और स्कूलों को खोल दिया जाना चाहिए जबकि कुछ का मानना है कि कुछ और सप्ताह या महीने तक प्रतीक्षा करने में कोई समस्या नहीं है क्योंकि विशेषज्ञों ने संभावित तीसरी लहर को लेकर आगाह किया है।

दिल्ली अभिभावक संघ की अध्यक्ष अपराजिता गौतम ने कहा, जोखिम अभी समाप्त नहीं हुआ है। अक्टूबर-नवंबर से ठीक पहले स्कूलों को फिर से खोलना सही फैसला नहीं है क्योंकि विशेषज्ञों ने इन्हीं महीनों में तीसरी लहर आने का अनुमान जताया है। ऑनलाइन पढ़ाई की व्यवस्था चल रही है और इसे कुछ और सप्ताह या एक और महीने तक बढ़ाने से कोई बड़ा नुकसान नहीं होगा जबकि पहले ही स्कूल इतने लंबे समय से बंद रहे हैं।

नौ साल के बच्चे की मां दीक्षा वर्मा ने कहा, यदि स्कूलों को फिर से खोलना ही है तो उन्हें पूर्णकालिक कक्षाएं शुरू नहीं करनी चाहिए। हम सभी जानते हैं कि कई देशों में फिर से मामले बढ़ रहे हैं और अगला हमारा नंबर हो सकता है। बहरहाल, ऑल इंडिया पैरेंट्स एसोसिएशन (एआईपीए) स्कूलों को फिर से खोलने की मांग कर रही है। एआईपीए के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने कहा, दिल्ली में स्कूलों को फिर से खोलने में अनिश्चितकाल तक देरी का क्या औचित्य है? 2020-21 की तरह 2021-22 भी शून्य अकादमिक वर्ष बनने जा रहा है।

आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले जुड़वां बच्चों के पिता निशांत भारद्वाज ने भी ऐसी ही राय जताते हुए कहा, सरकार ने पहले ही संकेत दे दिया है कि बच्चों के स्कूल आने के लिए माता-पिता की अनुमति आवश्यक होगी और जो स्कूल नहीं आना चाहते वे ऑनलाइन कक्षाओं में भाग ले सकते हैं। फिर क्या मसला है? अगर कुछ माता-पिता इसके पक्ष में नहीं है तो वे अपने बच्चों को न भेजे। कई स्कूलों के प्रधानाचार्य और शिक्षा विशेषज्ञ स्कूलों को फिर से खोलने के पक्ष में हैं।

एमआरजी स्कूल, रोहिणी की प्रधानाचार्या अंशु मित्तल ने कहा, स्कूल बच्चे के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और कोविड महामारी के कारण इन स्कूलों को बंद हुए 16 महीने से अधिक समय बीत गया है। स्कूलों को फिर से खोलना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति की कुशलक्षेम को ध्यान में रखते हुए कक्षाओं में छात्रों की मौजूदगी शुरू होनी चाहिए। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन के मद्देनजर पिछले साल मार्च में राष्ट्रीय राजधानी के स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया गया था। अभी 10वीं, 11वीं और 12वीं के छात्र अपने माता-पिता की अनुमति से दाखिले और बोर्ड परीक्षा से संबंधित गतिविधियों के लिए ही स्कूल जा सकते हैं।

जेएनयू परिसर में महिला की मौत आत्महत्या का संदेह

नई दिल्ली। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) परिसर में बृहस्पतिवार की सुबह 26 वर्षीय महिला की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बिहार के बक्सर की रहने वाली माधुरी कुमारी जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय परिसर के अंदर ब्रह्मपुत्र छात्रावास में अपने पति के साथ रहती थी। उनका पति विश्वविद्यालय से पीएचडी कर रहा है।

पुलिस को संदेह है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है। पुलिस ने कहा कि उसने छात्रावास की दूसरी मंजिल से कथित तौर पर छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

किसान आंदोलन के नौ महीने पूरे

अपनी मांगों से न किसान हटे और न सरकार मानी

राष्ट्रीय सम्मेलन में तीनों कृषि कानून, फसलों के एमएसपी, बिजली विधेयक निरस्तीकरण पर चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संयुक्त किसान मोर्चा किसान आंदोलन को रह-रहकर धार देता रहता है। जिससे किसान इस आंदोलन से अलग थलग नहीं होने पाएं। इसी कड़ी में दिल्ली की सीमाओं पर डटे किसानों के आंदोलन को नौ महीना पूरा होने पर मोर्चा ने सिंघू बॉर्डर पर दो दिवसीय अखिल भारतीय किसान सम्मेलन बुलाया है। जिसमें केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के विरोध में चल रहे प्रदर्शन को देशभर में विस्तार देने पर मंथन हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के नेता राकेश टिकैत ने किया।

राकेश टिकैत ने केंद्र सरकार निशाना साधते हुए कहा यह दुखद है कि नौ महीने बाद भी मोदी सरकार (किसानों के साथ) बातचीत करने के लिए तैयार नहीं है। लेकिन हमें हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। इस सम्मेलन के दौरान, हम यह बताएंगे कि नौ महीने में हमने क्या खोया है और क्या पाया है। इस सम्मेलन में 22 राज्यों के 300 किसान और कृषि मजदूर संगठन, 18 अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन, नौ महिला संगठन और 17 युवा छात्र और छात्र संगठन भाग ले रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा के मुताबिक सम्मेलन के पहले दिन तीन सत्र आयोजित किये गए जिनमें से पहला सत्र तीन कृषि कानूनों पर था, दूसरा औद्योगिक श्रमिकों पर केंद्रित था और तीसरे सत्र में कृषि मजदूरों, ग्रामीण क्षेत्रों के गरीबों और जनजातीय मुद्दों पर चर्चा की गई।

वक्तव्य में कहा गया तीनों सत्र में वक्ताओं ने किसान आंदोलन को विस्तार देने के लिए सुझाव दिए जिसमें किसान, श्रमिक, कृषि मजदूर, आदिवासी और आम जनता शामिल हों। किसान आंदोलन का दायरा बढ़ाकर इसे अखिल भारतीय स्वरूप देने के लिए सुझाव दिए गए।

रोडरेज : नशे में कार चालक ने दूसरे युवक पर चलाई गोली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- घायल का नोएडा में चल रहा है इलाज

दिल्ली छावनी क्षेत्र में 27 साल के एक शख्स को कथित तौर पर नशे की हालत में एक अन्य वाहन पर सवार लोगों पर गोली चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस घटना में दूसरा कार सवार एक व्यक्ति घायल हुआ है। मामला रोड रेज का बताया जा रहा है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी नितिन कालकाजी का निवासी है। घायल संदीप भाटी का नोएडा के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है और वह खतरे से बाहर है। घटना बुधवार सुबह की है। पीड़ित के एक दोस्त ने सुबह करीब पांच बजे पीसीआर को फोन कर घटना की जानकारी दी थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एक नीली कार ने उनका पीछा करना शुरू किया और आरटीआर मार्ग पर वेस्टर्न एअर कमांड गेट के पास पहुंचते ही कार के चालक ने कथित तौर गोली चला दी।

उन्होंने कहा कि एक गोली कार के पीछे के शीशे से टकराकर संदीप के सिर में लग गई। उसके दोस्तों ने कार रोकने की कोशिश की, लेकिन आरोपी उनकी कार को टक्कर मारकर फरार हो गया। इसके बाद वह संदीप को नोएडा के यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ले गए, जहां वहआईसीयू में भर्ती है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने दिल्ली-गुड़गांव सीमा पर लगे कई सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली और आरोपी के वाहन की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया।

इलाज के लिए होटलों में कमरे आरक्षित करने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने विभिन्न सरकारी अधिकारियों और उनके परिवारों के इलाज के लिए दो अस्पतालों से संबद्ध चार होटलों में कमरे आरक्षित करने संबंधी आप सरकार की अधिसूचना को चुनौती देने वाली याचिका गुरुवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि उसे याचिकाकर्ता का यह अभ्यावेदन विचारणीय नहीं लगता है कि सरकारी आदेश सक्षम प्राधिकारियों ने पारित नहीं किया।

अदालत ने याचिककर्ता के वकील के इस अभ्यावेदन को स्वीकार करने से इनकार कर दिया कि संक्रमित सरकारी अधिकारियों एवं उनके परिवारों के उपचार के लिए सुविधाओं को विशेष रूप से आरक्षित करने के कारण राज्य के संसाधनों को पूरा इस्तेमाल नहीं हो पा रहा।

संक्षिप्त समाचार

सदर बाजार क्षेत्र में सड़क पर पड़े गाद को हटाता सफाईकर्मी।

पूर्व महापौर ने सड़कों पर जमा हुई गाद को हटवाया

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के पूर्व महापौर, जय प्रकाश ने गुरुवार को जलभराव के कारण सड़कों पर जमा हुई गाद को हटवाया। पूर्व महापौर ने बताया कि गत दिनों जल भराव के कारण सदर बाजार क्षेत्र में महावीर बाजार, तेलीवाड़ा व अन्य स्थानों पर जगह-जगह सड़कों पर गाद जमा हो गई थी जिसे आज निगम कर्मचारियों द्वारा हटा दिया गया है। जय प्रकाश ने बताया कि दिल्ली सरकार बार बार ये दावे करती रहेगी कि उनके विभागों द्वारा नालों से गाद निकालने का कार्य पूरा हो चुका है मगर बारिश के कारण जलभराव की स्थिति देखने को मिली और नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि सदर बाजार क्षेत्र में पिछले दिनों हुई बारिश में दिल्ली जल बोर्ड के सीवर ओवरफ्लो हो गए थे जिसके कारण पूरी गाद सड़कों पर इकट्ठा हो गई थी।

ट्रेड लाइसेंस शुल्क में बढ़ोतरी वापस लेने पर जताया आभार

नई दिल्ली। उत्तरी निगम द्वारा ट्रेड लाईसेंस शुल्क में की गई वृद्धि को लेने पर गुरुवार को चांदनी चौक ट्रेडर्स परिषद ने वृद्धि वापसी के लिये एक समारोह आयोजित कर भाजपा नेताओं का आभार जताकर अभिनंदन किया। समारोह में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता, उत्तरी निगम के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह, जोगी राम जैन, छैल बिहारी गोस्वामी, अवतार सिंह, पार्षद रविन्द्र कुमार का अभिनंदन किया गया। चांदनी चौक के व्यापारियों को सम्बोधित करते हुऐ आदेश गुप्ता ने कहा की चांदनी चौक से ही दिल्ली की प्रगति यात्रा जुड़ी है, सदियों से दिल्ली के आर्थिक विकास में चांदनी चौक एवं इसके आसपास के चावड़ी बाजार, लाल कुआं, खारी बावली, नया बाजार एवं सदर बाजार के थोक व्यापारियों का बड़ा योगदान रहा है। आदेश गुप्ता ने नई संस्था चांदनी चौक ट्रेडर्स परिषद की स्थापना पर शुभकामनाएं देते हुए कहा की उम्मीद है कि यह संस्था चांदनी चौक में फैले विभिन्न व्यापारों का प्रतिनिधित्व करेगी।

पुष्प विहार वार्ड का महापौर ने किया निरीक्षण

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के महापौर मुकेश सुर्यान ने गुरुवार को उपायुक्त डॉ. सोनल स्वरूप व स्थानीय पार्षद रेखा सांकला के साथ दक्षिणी जोन के पुष्प विहार क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंनें वार्ड की विभिन्न कॉलोनियों व गलियों में जाकर निगम द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर दक्षिणी जोन के अध्यक्ष सुभाष भडाना व निगम के अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित थे। महापौर ने कहा कि वे मेयर ऑन व्हील्स अभियान के अंतर्गत लगातार निगम क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं और नागरिक सुविधाओं में सुधार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। महापौर ने पुष्प विहार वार्ड के मदनगीर क्षेत्र का दौरा किया और स्थानीय नागरिकों से बातचीत कर, उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंनें मौके पर उपस्थित अधिकारियों को सफाई व्यवस्था दुरूस्त करने और क्षेत्र की छोटी गलियों व ढलाव घरों की साफ-सफाई के निर्देश भी दिए।

गुरुवार को पुष्प विहार क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान लोगों से बातचीत करते दक्षिण दिल्ली के महापौर मुकेश सुर्यान।

स्पा से धन उगाही में कोविड टीम का प्रवर्तन प्रभारी दबोचा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने कोविड-19 टीम के प्रवर्तन प्रभारी और एक सिविल डिफेंस वॉलंटियर को लाजपत नगर इलाके में स्पा मालिकों को धमकाने और उनसे 50 हजार रुपये की उगाही करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि दक्षिण-पूर्व दिल्ली के कोविड-19 टीम के प्रवर्तन प्रभारी रविंदर सिंह मेहरा और सिविल डिफेंस वॉलंटियर इमरान खान के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

लाजपत नगर में सूत्र स्पा के मालिक हिमांशु मलिक ने एसीबी को शिकायत देकर आरोप लगाया था कि मेहरा स्पा मालिकों को धमकी दे रहे हैं और कह रहे हैं कि मासिक रिश्वत नहीं देने पर उनके स्पा को सील कर दिया जाएगा। शिकायतकर्ता ने कहा कि स्पा मालिकों के पास वैध लाइसेंस है और वे कोविड-19 के सभी प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं।

आरोप है कि आरोपी ने स्पा मालिकों से शुरू में प्रति महीने तीन लाख की राशि मांगी, लेकिन बाद में एक लाख रुपये पर मामला तय हुआ।

16वीं बार एक दिन में कोरोना से कोई मौत नहीं

नई दिल्ली। कोविड-19 से बृहस्पतिवार को कोई मौत नहीं हुई है। यह महामारी की दूसरी लहर शुरू होने के बाद से 16वीं बार एक दिन में संक्रमण से मौत का कोई मामला सामने नहीं आया। इस बीच पिछले चौबीस घंटे में संक्रमण के 45 नए मामले सामने आए और संक्रमण दर 0.06 फीसदी दर्ज की गई है।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 18 जुलाई, 24 जुलाई, 29 जुलाई, 2 अगस्त, 4 अगस्त, 8 अगस्त, 11 अगस्त, 12 अगस्त, 13 अगस्त, 16 अगस्त, 20 अगस्त, 21 अगस्त, 22 अगस्त, 23 अगस्त और 24 अगस्त को भी कोविड-19 से किसी मरीज की जान नहीं गई थी इससे पहले दो मार्च को भी संक्रमण से किसी की मौत नहीं हुई थी।

यूसुफ सराय बाजार में पार्किंग शुल्क दोगुना

क्षेत्र में न्यूनतम पार्किंग शुल्क अब प्रति घंटे 40 रुपये होगा : एसडीएमसी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फाइल फोटो

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) ने ग्रीन पार्क बहु-मंजिली पार्किंग सुविधा के निकट यूसुफ सराय बाजार में सड़क पर वाहन खड़ा करने पर पार्किंग शुल्क में 20 रुपये की वृद्धि को अनुमति दे दी है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी ।

निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि इस बढ़ोतरी के बाद क्षेत्र में न्यूनतम पार्किंग शुल्क 20 रुपये के बजाय प्रति घंटे 40 रुपये होगा। इस संबंध में एसडीएमसी के सदन में बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया गया । अधिकारियों ने बताया कि इसका लक्ष्य ग्रीन पार्क बहुमंजिली पार्किंग सुविधा में वाहनों की संख्या बढ़ाना तथा बाजार में यातायात का प्रबंधन करना है ।

एसडीएमसी ने नवंबर 2020 में ग्रीन पार्क में बहुमंजिली पार्किंग सुविधा का निर्माण किया था, जिसमें 136 कारें पार्क करने की व्यवस्था है। लेकिन इस केंद्र का इस्तेमाल इसकी क्षमता के अनुसार नहीं हो रहा है। एसडीएमसी के पास हौज खास, लाजपत नगर, सरोजिनी नगर, मुनीरका, राजौरी गार्डन और न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में बहुमंजला पार्किंग है।

एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट करिकुलम के तहत सरकारी स्कूल के छात्रों के साथ लाइव इंटरेक्शन सेशन में बच्चों से बातचीत करते डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और एचसीएल के सह-संस्थापक अर्जुन मल्होत्रा।

छात्रों ने सीखे सफल उद्यमी बनने के गुर

डिग्री इकट्ठा करने से ज्यादा जरूरी है एंटरप्रेन्योर माइंडसेट का होना : सिसोदिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट करिकुलम के तहत दिल्ली सरकार बच्चों के लिए सफल एंटरप्रेन्योरर्स के साथ लाइव इंटरेक्शन सेशन का आयोजन करती है। इसी कड़ी में गुरुवार को एचसीएल के सह संस्थापक अर्जुन मल्होत्रा ने बच्चों को जीवन में सफल होने के गुर बताए।

मल्होत्रा ने बच्चों के साथ बातचीत कर उद्यमिता को लेकर अपने अनुभवों को साझा किया। बच्चों ने उनसे एचसीएल की शुरुआत में आई चुनौतियों, अनुभवों और एक उद्यमी के रूप में उनकी सफलता से संबंधी सवाल पूछे।

अर्जुन मल्होत्रा ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए सेल्फ-मोटिवेशन और आत्म विश्वास बेहद जरूरी है। उन्हें एचसीएल की शुरुआत के दौरान ये विश्वास था कि माइक्रो-प्रोसेसर कंप्यूटर की दुनिया में बड़ा बदलाव लायेंगे इसलिए नौकरी छोड़ कर उन्होंने अपने दोस्तों के साथ मिलकर एचसीएल की शुरुआत की। जब आप किसी काम को करते हैं तो सोचिए कि समय कैसे बचाया जाए। उसे कैसे बेहतर किया जाए जब आप ऐसा करना शुरू कर देंगे तब कोई भी ऐसी समस्या नहीं होगी जिसका समाधान आपके पास न हो। उन्होंने कहा कि हमेशा खुद से ज्यादा स्मार्ट लोगों को ढूंढने का प्रयास करे उनकी बातों को ध्यान से सुने। साथ ही अपने गलत निर्णयों को स्वीकार करना सीखें। एक उद्यमी के रूप में आपकी यात्रा में ये चीजें सफल होने में मदद करेंगी।

बच्चों को लर्निंग लीड्स अचीवमेंट का मंत्र देते हुए अर्जुन मल्होत्रा ने कहा कि हमेशा सीखने के लिए तैयार रहे और सीखते रहें क्योंकि आगे बढ़ने में ये मदद करेगा।

पत्रकार की जमानत याचिका पर ईडी से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने चीनी खुफिया अधिकारियों को संवेदनशील जानकारी कथित रूप से लीक करने से जुड़ी धनशोधन जांच के संबंध में गिरफ्तार स्वतंत्र पत्रकार राजीव शर्मा की जमानत याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से बृहस्पतिवार को जवाब मांगा है।

न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता ने एजेंसी को दो सप्ताह में अपनी स्थिति रिपोर्ट दायर करने और कथित अवैध वित्तीय लेन-देन से पत्रकार के संबंध पर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया।

दुकानदार को पिस्तौल दिखाकर वसूली करने वाला धरा गया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- आरोपी पर पहले से ही दर्ज हैं पांच मामले

पश्चिमी दिल्ली के नांगलोई इलाके में एक दुकानदार से पिस्तौल दिखाकर 50 हजार रुपये मांगने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान किराड़ी के सुलेमान नगर का रहने वाले कपिल के रूप में हुई है। वह इससे पहले भी पांच आपराधिक मामलों में शामिल है। वर्तमान में वह जमानत पर जेल से बाहर था।

पुलिस के मुताबिक, नांगलोई इलाके में मंगलवार को कपिल अपने एक साथी के साथ मनीष की दुकान पर गया और पिस्तौल दिखाकर 50 हजार रुपये की मांग की। डीसीपी परविंदर सिंह के मुताबिक मनीष ने जब पुलिस को इसकी सूचना दी तो दोनों वहां से भाग गए। हरियाणा के बहादुरगढ़ का रहने वाला मनीष पंजाबी बस्ती नांगलोई में चांदी के बर्तनों की दुकान चलाता है। कपिल मनीष की दुकान पर आता-जाता रहता था और उसके साथ दोस्ताना संबंध बना लिए थे। कपिल ने अपने बेटे के इलाज के लिए मनीष से 1700 रुपये भी लिए थे। करीब तीन दिन पहले कपिल ने मनीष से 45 हजार का प्रबंध करने का अनुरोध किया था।

राम मंदिर निर्माण के लिए दिल्ली पहुंचा 115 देशों का जल

विधि विधान के साथ पूजा-अर्चना कर वैश्विक नदियों व समुद्रों का जल भेजा जाएगा अयोध्या

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए 115 देशों और 7 महाद्वीपों से जल राष्ट्रीय राजधानी पहुंच गया है। इन देशों में पाकिस्तान, मलेशिया, स्कॉटलैंड, सऊदी अरब, तजाकिस्तान, कनाडा, समेत अन्य देशों से लाए गएं हैं। अब किसी खास दिन विधि विधान से पूजा-अर्चना के बाद वैश्विक नदियों व समुद्रों का जल अयोध्या भेजा जाएगा।

दिल्ली स्टडी ग्रुप के अध्यक्ष और पूर्व भाजपा विधायक विजय जॉली ने बताया कि विदेशों से जल लाने के लिए वैश्विक अभियान एक साल पहले शुरू किया था। इस महाअभियान के प्रेरणा भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी, विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रहे जिन्होंने 5 अगस्त 2020 को अयोध्या में राम मंदिर की नींव रखी थी। डॉ. जॉली ने बताया कि जब लोग कोविड-19 महामारी के दौरान एक देश से दूसरे देश की यात्रा भी नहीं कर सकते थे। तब भगवान राम की कृपा से वह अपने ऐतिहासिक महाअभियान में सफल हुए। राम मंदिर के गर्भगृह में अर्पण करने के लिए जल प्रमुख रूप से चीन, कंबोडिया, क्यूबा, कोरिया, फिजी, फ्रांस, जर्मनी, गुयाना, हांगकांग, इटली, इंडोनेशिया, आयरलैण्ड, इजराइल, आइसलैंड, जापान, केन्या, लाइबेरिया, मलेशिया, मकाऊ, मॉरीशस, मोंटेनेग्रो, म्यांमार, मंगोलिया, मोरक्को, मालदीव, न्यूजीलैंड, नेपाल से विशेष रूप से मंगाए गए हैं।

डॉ. जॉली ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर एक पूजा संपन्न होगी। इसके बाद अयोध्या जाकर राम मंदिर के गर्भ गृह में जल कलशों को अर्पित किया जायेगा।

एमसीडी ने गैरकानूनी तरीके से माफ की लाइसेंस फीस : आप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा शासित एमसीडी ने गैरकानूनी तरीके से विज्ञापन ठेकेदारों की लाइसेंस फीस पूरी तरह माफ की है।

एनडीएमसी की स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में पास हुए प्रस्ताव को बाद में अध्यक्ष छैल बिहारी गोस्वामी ने पत्र लिखकर अवैध तरीके से बदलवाया। भाजपा सांठगांठ कर विज्ञापन मुफ्त में लगवाती है और इसके एवज में ठेकेदारों को जो करोड़ों रुपए एमसीडी को देना चाहिए, वह उसे माफ कर देती है।

आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता और विधायक सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा शासित तीनों नगर निगमों को विज्ञापन से 2640 करोड़ रुपए का राजस्व मिल सकता है। उसको भ्रष्टाचार के चलते भाजपा लूट रही है और एमसीडी को करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि एमसीडी की जिन विज्ञापन साइट के ऊपर 1 लाख से 3 लाख किराया देकर विज्ञापन लगता है, वहां पर विज्ञापन लगाने का भाजपा एक रुपया भी एमसीडी को नहीं दे रही है।

भ्रष्टाचारी अफसरों पर विधायक सुधीर सिंगला का वार

गुरुग्राम के अफसरों की खोली पोल

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

विधानसभा के मॉनसून सत्र में गुरुग्राम के हालातों से कराया अवगत

अधिकारियों की लापरवाही को लेकर मुख्यमंत्री से की कार्रवाई की मांग

विधायक सुधीर सिंगला।

जनप्रतिनिधियों से अच्छे की उम्मीद करती है जनता

अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर उठाए सवाल

बेशक सुधीर सिंगला सत्ताधारी पार्टी के विधायक हैं, लेकिन उन्होंने हरियाणा विधानसभा के मॉनसून सत्र में जनता के हित की बात करते हुए अधिकारियों को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने खुलकर कहा कि गल्ती अफसरों की होती है और जनता जनता जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदारी मानती है।

हर साल करोड़ों खर्च के बाद भी डूबते गुरुग्राम को लेकर विधायक सुधीर सिंगला ने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए उठाते हुए कहा कि अफसरों पर कार्रवाई होनी चाहिए। उनकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। बेबाकी से अपनी बात रखते हुए विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि इंटरनेशनल स्तर पर गुरुग्राम की पहचान है। इस पहचान को गुरुग्राम में व्याप्त समस्याएं किसी न किसी रूप में धूमिल करती हैं। विधायक सुधीर सिंगला ने गुरुग्राम का सबसे बड़ा मुद्दा बरसात में जलभराव का उठाया। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में बारिश से पहले अधिकारी सब कुछ दुरुस्त होने का दावा करते हैं। नालियों, नालों की पूरी सफाई की बात करते हैं। लेकिन जब बरसात आती है तो हालात खराब हो जाते हैं। हल्की बारिश में भी जलभराव हो जाता है। इतना खर्च होने के बाद भी और इतने दावों के बाद भी आखिर क्यों जलभराव होता है।

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि लापरवाही अधिकारियों की होती है, लेकिन जनता जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदार मानकर कोसती है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष के माध्यम से मुख्यमंत्री मनोहर लाल से आग्रह किया कि गुरुग्राम में अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इतना पैसा यहां खर्च होता है, लेकिन काम कहीं नजर नहीं आता। अगर काम होता है तो फिर शहर जलभराव से परेशान ना हो। विधायक सुधीर सिंगला ने शहर में सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सफाई पर भी करोड़ों का बजट हर साल खर्च होता है। बिजली को लेकर भी विधायक ने सुधार करने की बात कही।

विधायक सुधीर सिंगला ने यह भी कहा कि अधिकारियों के काम का मूल्यांकन होना चाहिए। किस अधिकारी के समय में कौन से काम हुए और उनमें क्या कमियां रही, इस बारे में भी संज्ञान लिया जाना चाहिए। दुनिया के पटल पर गुरुग्राम शहर का नाम है और यहां पर सुविधाओं के नाम पर जो गड़बड़ी हो रही है। वह शहर के नाम को खराब करती है।

असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत सभी मजदूरों के लिए ई-श्रम योजना शुरू

इस योजना के तहत 16 से 59 वर्ष की आयु के असंगठित मजदूरों के बनाए जाएंगे यूनिक आईडी कार्ड

गुरुग्राम। विधायक सुधीर सिंगला ने गुरुवार को ई-श्रम योजना का विधिवत् शुभारंभ किया। इस योजना के तहत गुरुग्राम जिला में लगभग 5 लाख असंगठित मजदूरों के यूनिक आईडी कार्ड बनाए जाएंगे।

इस परियोजना के तहत वर्णित पात्रता अनुसार 16 से 59 वर्ष आयु के श्रेणीबद्ध असंगठित कामगारों को शामिल किया गया है। बशर्ते वे अपना इनकम टैक्स नहीं भरते हों। इसके अलावा ये मजदूर ईएसआईसी या ईपीएफओ के सदस्य नहीं होने चाहिए। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए व्यक्ति अपने नजदीकी अटल सेवा केन्द्र पर संपर्क कर सकता है। मजदूरो के लिए रजिस्ट्रेशन की सुविधा इन केन्द्रों पर निःशुल्क उपलब्ध होगी। इसके लिए सरकार अटल सेवा केंद्र के वीएलई को 16 रुपये प्रति कार्ड का भुगतान किया जाएगा। यदि इस यूनिक आईडी कार्ड में आवेदक बाद में अपडेट करवाता है तो उसके लिए बाद में आने वाला खर्च उसे खुद वहन करना होगा।

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि यूनिक आईडी कार्ड बनते ही इन असंगठित श्रमिकों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ मिल जाएगा। इसका एक साल का खर्च भी सरकार द्वारा स्वयं वहन किया जाएगा। श्रमिकों की गतिविधियों और वह किस राज्य से किस राज्य में जा रहे हैं, को आसानी से ट्रैक किया जा सकेगा। आपदा के समय इन असंगठित श्रमिकों तक आसानी से मदद पहुंचाई जा सकेगी।

संक्षिप्त-समाचार

हरियाणा के कालेजों में ऑनलाइन आवेदन की बढ़ी तारीख

गुरुग्राम। प्रदेश के महाविद्यालयों में स्नातक कक्षाओं में दाखिले को लेकर जारी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में समस्याएं आने के बाद उच्चतर शिक्षा निदेशालय ने आवेदन की तारीख बढ़ा दी है, ताकि अभी तक आवेदन नहीं कर पाए विद्यार्थी भी अपना फार्म भर सकें। ऑनलाइन आवेदन की तारीख 2 सितम्बर 2021 तक बढ़ा दी गई है। उच्चतर शिक्षा विभाग के उप-निदेशक कोर्डिनेशन की ओर से जारी किए गए पत्र के अनुसार अब विद्यार्थी 2 सितम्बर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन इस बार पोर्टल में गड़बड़ी के चलते देरी से शुरू हो पाए थे। 16 अगस्त से शुरू हुए ऑनलाइन आवेदनों की अंतिम तारीख पहले तो 28 सितम्बर 2021 थी, जिसे अब बढ़ाकर दो सितम्बर 2021 कर दिया गया है। इसी के साथ ही ऑनलाइन डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की तारीख 4 सितम्बर 2021 कर दी गई है। रही बात मैरिट लिस्ट की तो पहली मैरिट लिस्ट 8 सितम्बर को जारी की जाएगी। जिसके बाद 9 सितम्बर से 13 सितम्बर तक विद्यार्थी फीस जमा कराकर दाखिला ले सकेंगे। दूसरी मैरिट लिस्ट 15 सितम्बर को जारी होगी, जिसके बाद18 सितम्बर तक फीस जमा करानी होगी। इस तरह से इस बार दो ही मैरिट लिस्ट जारी होंगी। इससे पहले के वर्षों में तीन मैरिट लिस्ट जारी होती थी। दूसरी सूची के दाखिलों के बाद 21 सितम्बर 2021 से बची हुई सीटों पर दाखिलों के लिए पोर्टल री-ओपन किया जाएगा। ओपन काउंसलिंग के जरिये खाली बची सीटों पर दाखिले होंगे।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए क्रेडिट लिंकेज में करें मदद

गुरुग्राम। रूडसेट संस्थान अपने यहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों का बाद में भी फॉलो अप कर उनका आय के साधन जुटाने में उनका सहयोग करें। संस्थान ऐसे बेरोजगारों युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनका क्रेडिट लिंकेज करवाते हुए काम शुरू करवाने में उनकी मदद करें। यह बात उपायुक्त डा. यश गर्ग ने गुरुवार को रूडसेट की जिला स्तरीय परामर्श समिति की 125वीं बैठक में कही। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जाए। इसके लिए जरूरी है कि युवाओं के लिए मार्किट के डिमांड के अनुरूप कोर्सिज तैयार करवाए जाएं और उन कोर्सिज को इस प्रकार से डिजाइन करवाया जाए, ताकि उन्हें बाद में आय के साधन जुटाने में परेशानी ना हो। उन्होंने रूडसेट संस्थान के अधिकारियों से कहा कि केवल संस्थान प्रशिक्षण करवाने तक सीमित ना रहे, बल्कि बाद में भी प्रशिक्षार्णियों का आय के साधन जुटाने के लिए उचित मार्गदर्शन करें और बैंक से ऋण आदि दिलवाने में उनकी मदद करें। इसके अलावा रूडसेट संस्थान अपने यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षणार्थियों का रिकॉर्ड रखें और उनसे समय समय पर काम शुरू करने में आ रही समस्याओं को लेकर फीडबैक लेते रहें, ताकि उनकी समस्या का समय रहते समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि हमारा ध्येय केवल प्रशिक्षण देने तक ही सीमित नही रहना चाहिए, बल्कि उन्हें केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना चाहिए ताकि स्वरोजगार स्थापित करने में व्यक्ति को मदद मिल सके। उपायुक्त डा. यश गर्ग ने रूडसेट के पदाधिकारियों से कहा कि गुरुग्राम एक महत्वपूर्ण जिला है, जहां मत्स्य पालन, स्वास्थ्य सेवाओं व हॉस्पीटेलिटी सहित अन्य क्षेत्रों का काफी स्कोप है जिनकी मार्केट में काफी डिमांड है। ऐसे में जरूरी है कि बेरोजगारों को इससे संबंधित प्रशिक्षण दिया जाए। उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित बैंककर्मियों से कहा कि प्रशिक्षण उपरांत रोजगार के साधन जुटाने में बैंको की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए बैंकों को अधिक से अधिक प्रशिक्षार्णियों को स्पोंसर करते हुए उनकी मदद करनी चाहिए। बैठक में उपस्थित जिला परिषदकी सीईओ अन्नु श्योकंद ने कहा कि जिला के जिन गांवों में रूडसेट संस्थान की पहुंच अपेक्षाकृत कम है, उनके लिए संस्थान अलग से जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करवाएं, ताकि लोगों को इन कोर्सिज के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके और वे इनका

सीआईए पुलिस ने पकड़ी लाखों रुपये की अवैध शराब

सोहना। सोहना सीआईए पांच पुलिस ने गांव किरनकी खेड़ली के पास 1090 पेटी देशी शराब पकड़ी। पुलिस ने अवैध शराब के साथ-साथ कैंटर व टेंपो 407 को भी मौके पर ही बरामद किया है। पुलिस ने शराब सप्लाई कर रहे युवक को भी गिरफ्तार किया है।

सीआईए पांच पुलिस के प्रभारी इंस्पेक्टर देवेन्द्र कुमार ने बताया कि बुधवार शाम को एएसआई सोमबीर अपनी टीम के साथ बल्लभगढ़ मार्ग के वाटिका चौक पर गश्त कर रहे थे। पुलिस टीम को सूचना मिली कि किरनकी खेड़ली गांव के पास शराब के ठेके पर कैंटर खड़ा है और उसमें से पास में खड़ा टाटा 407 टेंपो में शराब भरी जा रही है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच ठेके पर टैम्पू में भरी जा रही अवैध शराब पकड़ ली। पुलिस ने मौके पर शराब सप्लाई करने वाले युवक अमित निवासी गांव खूटपुरी सदर थाना सोहना को गिरफ्तार कर लिया। कैंटर व टेंपो को अपने कब्जे में ले लिया।

दोनों वाहनों में भरी 1090 मस्ताना देशी शराब की पेटियों को अपने कब्जे में ले लिया। पकड़ी गई शराब की कीमत 9 से 10 लाख रुपये बताई जा रही है। सीआईए प्रभारी देवेन्द्र सिंह ने बताया कि पकड़ी शराब कहा से लगाई गई। इससे पहले भी कब-कब आई और अवैध शराब की सप्लाई कहां-कहां हो रही है। यह सब जांच की जा रही है। ताकि अवैध शराब की सप्लाई पर रोक लग सके।

बेसहारा परिवारों के समर्थन में सड़क पर उतरे लोग

सोहना एसडीएम को प्रदर्शनकारी ज्ञापन सौंपते हुए। वन विभाग के नोटिसों के विरोध में सड़कों पर उतरे हजारों की संख्या में शहरवासी।

पायनियर समाचार सेवा। सोहना।

वन विभाग द्वारा दिए गए मकानों को हटाए जाने के नोटिसों के विरोध में हजारों की संख्या में नागरिक सड़कों पर उतर आए। एसडीएम को नोटिस देने के लिए प्रदर्शनकारियों को करीब एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा।

वन विभाग द्वारा शहर के पीर कॉलोनी, नट कॉलोनी, आईटीआई कॉलोनी, पहाड़ कॉलोनी, बनियावाड़ा, ठाकुरवाड़ा व गूर्जर घाटी में करीब 500 मकानों को दिए गए नोटिसों के विरोध में गुरुवार को हजारों की संख्या में लोग सड़क पर उतर आए। मकानों को न तोड़ने की चेतावनी देते हुए वन विभाग के नोटिसों को रद्द करने की मांग की गई। सुबह 10 बजे शहर के नागरिक अग्रसेन चौक पर एकत्रित हुए। वहां से हजारों की संख्या में विरोध प्रदर्शन रैली की शुरुआत की। विरोध प्रदर्शन में छोटे बच्चों से लेकर युवा, महिलाएं, व्यापारी, पूर्व पार्षद और क्षेत्रीय नेता शामिल थे। विरोध प्रदर्शन रैली शहर के लेबर चौक, खेल चौक, सिटी पुलिस चौकी के सामने, शहीद भगत सिंह फव्वारा चौक, अस्पताल मार्ग, सब्जी व अनाज मंडी से एसडीएम कार्यालय के बाहर पहुंचे।

एसडीएम कार्यालय में दिया धरना

जिस समय शहरवासी एसडीएम को ज्ञापन देने पहुंचे उस समय एसडीएम डॉक्टर चिनार चहल गुरुग्राम उच्चाधिकारियों के साथ बैठक में थीं। जिससे विरोध प्रदर्शन में शामिल शहरवासियों को गुस्सा आ गया। प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे कांग्रेसी नेता सतबीर पहलवान अपने अन्य साथियों को लेकर एसडीएम कार्यालय परिसर में धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने एसडीएम के आने तक धरना देने का ऐलान किया। करीब एक घंटे बाद गुरुग्राम से एसडीएम अपने कार्यालय पहुंचीं।

प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की पैनी नजर

नोटिस के विरोध में शहरवासियों का विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्वक से करने का सफल रहा, लेकिन किसी भी अप्रिय घटना को लेकर सिटी थाना प्रभारी राजेश कुमार, सिटी चौकी पुलिस, सदर थाना प्रभारी उमेश कुमार अपने पूरे बल के साथ विरोध प्रदर्शन के साथ-साथ शुरू से लेकर आखिर तक चले। विरोध प्रदर्शन शांतपूर्ण रहा।

पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल बने उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

व्यापारियों से मिलेंगे और उन्हें आ रही समस्याओं को दूर करेंगे

उमेश अग्रवाल।

गुरुग्राम। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविकांत गर्ग ने गुरुग्राम के पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल को मंडल का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं दिल्ली एनसीआर का प्रभारी नियुक्त किया है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया है कि पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल न केवल पूरे एनसीआर में मजबूत होगा, बल्कि सरकारी स्तर पर उद्यमियों एवं व्यापारियों की समस्याओं का समाधान शीघ्रता से होगा। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक रहते हुए उमेश अग्रवाल ने व्यापारियों को जोड़ने में सक्रिय योगदान दिया। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं एनसीआर प्रभारी बनाये जाने पर पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल ने मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविकांत गर्ग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि जिस विश्वास से उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं एनसीआर प्रभारी बनाया गया है वे उस भरोसे को कायम रख सकेंगे। उन्होंने कहा कि एनसीआर प्रभारी के नाते उन्होंने इस क्षेत्र के जिला एवं प्रदेश प्रभारियों से संपर्क कर व्यापारियों की समस्याएं जानकर उनका निराकरण कराने की दिशा में काम करना शुरु कर दिया है।

उमेश अग्रवाल ने कहा कि शीघ्र ही एनसीआर क्षेत्र में आने वाले हरियाणा के सभी तेरह जिलों फरीदाबाद, मेवात, रोहतक, सोनीपत, रेवाड़ी, झज्जर, पानीपत, पलवल, भिवानी, महेंद्रगढ़, चरखी दादरी, जींद और करनाल का दौरा कर वहां के व्यापारियों एवं उद्यमियों से बैठक करेंगे। हरियाणा के साथ-साथ वे एनसीआर में आने वाले उत्तर प्रदेश के आठ जिलों मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, बागपत, हापुड़, शामली और मुजफ्फरनगर तथा राजस्थान के अलवर व भरतपुर का दौरा कर व्यापारियों के साथ बैठकें कर उनकी समस्याओं और उनके संभावित निराकरण पर चर्चा करेंगे। पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल ने कहा कि इन्हीं के साथ वे एनसीटी दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापारियों से मिलेंगे और उन्हें आ रही समस्याओं पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को कई समस्याओं से पहले भी जूझना पड़ता रहा है।

कोरोना की आशंकित तीसरी लहर को देखते हुए तैयारियां शुरू

गुरुग्राम। कोरोना की आंशकित तीसरी लहर की तैयारियों को लेकर गुरुवार को अतिरिक्त उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा की अध्यक्षता में सीएसआर गतिविधियों से जुड़े कॉरपोरेट प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कोरोना को लेकर भविष्य की चुनौतियों से निपटने संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई इस बैठक में कोरोना की आंशकित तीसरी लहर के दौरान इस्तेमाल होने वाले लॉजिस्टिक्स की तैयारियों पर विचार किया गया। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा, जरूरी है कि समय रहते इस दौरान इस्तेमाल होने वाले स्वास्थ्य उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बैठक में बताया गया कि जिला गुरुग्राम में सीएसआर के तहत 14 ऑक्सीजन के पीएसए प्लांट स्थापित किए जाने की योजना है, जिनमें से 6 प्लांट मारुति सुजुकी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड तथा एक प्लांट पावरग्रिड द्वारा तैयार किया गया है।

राय सिंह को नहीं है चार हत्याओं पर कोई दुख

घटना से पर्दा उठाने को पुलिस की डिस्क्लोजर स्टेटमेंट का है इंतजार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के राजेंद्रा पार्क में हुई चार हत्याओं के मामले में क्राइम सीन क्रिएट करती पुलिस।

यहां राजेंद्रा पार्क कालोनी क्षेत्र में अपनी पुत्रवधू समेत किराये पर रह रहे यूपी के एक परिवार के सभी सदस्यों पर कातिलाना हमला करने वाले वायु सेना से सेवानिवृत राव राय सिंह को अपनी किए पर कोई पछतावा नहीं है। उसे चार हत्याएं करने का कोई दुख नहीं है। पुलिस पूछताछ में उसने यह बात कही है।

उधर, पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी) दीपक सहारण का कहना है कि उसकी किसी भी बात पर सहज विश्वास नहीं किया जा सकता। बता दें कि बीती 24 अगस्त 2021 को आरोपी राव राय सिंह ने अपनी पुत्रवधु सुनीता यादव, किरायेदार कृष्णा तिवारी, उसकी पत्नी अनामिका तिवारी व बेटी सुरभि की हत्या की है। साथ ही उनकी एक बच्ची बुरी तरह से घायल है। हत्याओं के आरोपी राव राम सिंह के दिए जा रहे बयानों पर पुलिस अभी आंख मूंदकर विश्वास नहीं कर रही। पुलिस परत-दर-परत इस मामले की तह तक जाने में जुटी है। क्योंकि जिस तरह से व्यूह रचना दिखाई दे रही है, इससे सवाल पैदा हो रहे हैं कि पांच-पांच सदस्यों पर एक अकेला राव राय सिंह आखिर कैसे हमला कर सकता है। ना कोई झगड़ा, ना शोर-शराबा और शांत रात में चार हत्याओं को अंजाम। यह बात पुलिस के गले नहीं उतर रही। शुरुआत से लेकर अब तक आरोपी राय सिंह अपनी पुत्रवधू सुनीता यादव व किरायेदार कृष्णा तिवारी के बीच अवैध संबंधों को कारण बता रहा है। पुलिस ने राव राय सिंह व उसकी पत्नी बिमलेश यादव को गिरफ्तार कर लिया है। बिमलेश को जेल भेज दिया गया है, वहीं राव राय सिंह को रिमांड पर लेकर पूछताछ जारी है।

इस जघन्य अपराध से पर्दा उठाने को पुलिस के काबिल अफसरों की टीम जुटी है। चार हत्याएं करके और एक बच्ची को बुरी तरह से घायल करके फिल्मी अंदाज में आरोपी राय सिंह हाथ में हथियार लेकर पुलिस थाने में आत्मसमर्पण करने जा रहा है। वह बेखौफ है। खून से सने हथियार को देखकर किसी को नहीं लगा कि वह इतना बड़ा जघन्य काम करके आया है।

बच्चों की देखरेख कौन करेगा, इसलिए मारा

आरोपी राव राय सिंह से पुलिस कई एंगल से पूछताछ कर रही है। जांच कर रही है। पुत्रवधु व किरायेदार कृष्णा तिवारी को मारने के पीछे अवैध संबंध थे, तो बच्चों को क्यों मारा। इसके जवाब में वह कहता है कि बच्चों को इसलिए मारा, अगर वे जिंदा रहे तो उनकी परवरिश कौन करेगा। भले उसके इस बयान पर भी कैसे यकीन किया जाए। वह हत्या जैसा अपराध करते हुए दिल में आत्मीयता भी रखे रहा और हत्याएं भी करता रहा।

पेड़ों को बचाने वाला कैसे कर गया हत्याकांड

रिटायर फौजी सिंह के आचरण को लेकर हर कोई वाकिफ है। वह पर्यावरण प्रेमी था। पेड़े लगाने के साथ उन्हें बचाने के लिए वह जी-जान लगा देता था। पर्यावरण में सुधार के लिए राय सिंह अब तक हजारों पेड़ लगा चुका है। इसलिए लोगों के जहन में यह सवाल है कि पेड़ों का जीवन बचाने वाला राय सिंह कैसे हत्याकांड को अंजाम दे गया। उसका आचरण अच्छा माना जाता था।

ई-वाहन : सेक्टर-42 में चार्जिंग स्टेशन का हुआ ट्रायल

ई-व्हीकल को बढ़ावा देने के लिए नगर निगम कर रहा कार्य

संयुक्त आयुक्त संजीव सिंगला ने ई-व्हीकल चालकों को किया जागरूक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सेक्टर-42 में चार्जिंग स्टेशन के ट्रायल के दौरान वाहन चालकों को जागरुक करते अधिकारी।

ई-व्हीकल को बढ़ावा देने की दिशा में नगर निगम गुरुग्राम द्वारा तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसके तहत गुरुवार को सेक्टर-42 स्थित निगम कार्यालय में ई-व्हीकल चार्जिंग स्टेशन की स्थापना की गई। जिसका गुरुवार को ट्रायल रन किया गया।

इस मौके पर लगभग 30 ई-रिक्शा एवं ई-ऑटो चालकों को जागरुक भी किया गया तथा ई-व्हीकल अपनाने के फायदों के बारे में जानकारी दी गई। नगर निगम गुरुग्राम के संयुक्त आयुक्त-3 संजीव सिंगला ने कहा कि गुरुग्राम में ई-व्हीकल को बढ़ावा देने के लिए नगर निगम गुरुग्राम द्वारा हर संभव सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है। ई-व्हीकल की चार्जिंग के लिए चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं, जहां पर ई-व्हीकल चालक अपने वाहनों को चार्ज कर सकते हैं।

बैटरी स्वैपिंग स्टेशन भी स्थापित करने की दिशा में कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि ई-व्हीकल को बढ़ावा देने के लिए नगर निगम द्वारा आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करवाने केलिए कार्य किया जा रहा है। सेक्टर-42 में स्थापित किए गए चार्जिंग स्टेशन पर एक समय में 3 ई-व्हीकल चार्ज किए जा सकते हैं। इस प्रकार 24 घंटे में 30-35 ई-व्हीकल चार्ज करने की क्षमता है। नगर निगम द्वारा जल्द ही सेक्टर-29 फायर स्टेशन, सेक्टर-27 सामुदायिक केन्द्र तथा सुखराली सामुदायिक केन्द्र में भी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना की जाएगी। संयुक्त आयुक्त ने बताया कि पुराने डीजल ऑटो को ई-व्हीकल में बदलने के लिए सब्सिडी दिए जाने का भी प्रावधान है। इसके तहत नगर निगम द्वारा 30 हजार रुपये तथा फेम इंडिया प्रोजेक्ट के तहत सरकार द्वारा 35 हजार रुपये की सब्सिडी देने का प्रावधान है। उन्होंने ऑटो चालकों से अनुरोध किया कि वे पुराने डीजल ऑटो के स्थान पर ई-ऑटो या ई-रिक्शा लें।

सोहना में आज कोविड वैक्सीन का मेघा कैंप

सोहना। स्वास्थ्य विभाग कोविड वैक्सीन का शुक्रवार को मेघा कैंप लगाएगा। शहर के चार सार्वजानिक स्थानों पर 500-500 वैक्सीन की पहली और दूसरी डोज लगाई जाएगी।

नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉ. नवल किशोर ने बताया शुक्रवार को दो हजार लोगों को कोविड वैक्सीन लगाई जाएगी। जिसके लिए चार शिविर अलग-अलग स्थानों पर बनाए गए हैं। नागरिक अस्पताल सहित शहर की लोहिया धर्मशाला, उन्नति चेरीटेबल ने कार्यालय और जीएलएस सोसायटी में वैक्सीनेशन किया जा रहा है। एसएमओ ने बताया कि पहली और दूसरी डोज की संख्या सभी शिविर में बराबर होगी। पहली डोज के लिए तुरन्त ही पंजीकरण किया जाएगा। वैक्सीनेशन लगाने की प्रक्रिया सुबह आठ बजे शुरू कर दी जाएगी।

बजाज फाइनेंस ने ग्राहकों को किया आगाह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोन के लिए अनिवार्य बीमा पॉलिसी ऑफर करने वाले जालसाजों से रहें होशियार

बजाज फिनसर्व की लेंडिंग और निवेश इकाई, बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने अपने ग्राहकों और जनसाधारण को आगाह किया है कि वे बीमा पॉलिसी खरीदने पर बदले में फर्जी लोन का प्रस्ताव करने वाले जालसाजों के प्रति सतर्क रहें। बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने अपने सोशल मीडिया हैंडल्स के माध्यम से अपने ग्राहकों को जालसाजों के इस प्रकार के फंदे में नहीं फंसने के लिए सतर्क किया है। पोस्ट में लिखा है 'लोन लेने के लिए लाइफ इंश्योरेंस पालिसी खरीदना जरूरी है' और ये झूठ है!

हमेशा याद रखें कि बजाज फाइनेंस लिमिटेड लोन लेने के लिए आपसे कोई दूसरा उत्पाद अनिवार्य रूप से खरीदने की अपेक्षा नहीं करता है। इस तरह के जाल में नहीं फंसें! बजाज फाइनेंस लिमिटेड अपने ग्राहकों और जनसाधारण को आगाह करता है कि जिस किसी भी व्यक्ति को लोन की जरूरत हो तो उन्हें हमारे निकटतम शाखा से संपर्क करना चाहिए या कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट www.bajajfinserv.in पर पता करना चाहिए। उन्हें कभी भी किसी अनाधिकारिक, अनजान बिचौलिए, अनजान जालसाजों के साथ बातचीत नहीं करनी चाहिए।

कंपनी इस प्रकार की धोखाधड़ी की घटनाओं के विरुद्ध विभिन्न चैनलों के माध्यम से जागरुकता अभियान चला रही है और लोन प्राप्त करने और स्वीकृति प्रक्रिया पर स्पष्ट निर्देशों का उल्लेख किया है। बजाज फाइनेंस ने इसके पहले लोगों को विभिन्न वित्तीय धोखाधड़ी के जोखिमों पर शिक्षित करने के लिए इस पहले अपने सभी डिजिटल और सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर 'सावधान रहें सेफ रहें' आरम्भ किया था।

कंपनी ने वित्तीय जालसाजी की बढ़ती घटनाओं से सम्बंधित संदेश फैलाने के लिए यूट्यूब पर ना जी ना जी : ऑनलाइन फ्रॉड से बचें नामक एनिमेटेड इंफोमर्शियल विज्ञापन भी जारी किया था। अपने ग्राहकों को संदेश देने के अलावा, बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने जनसाधारण, ग्राहकों के लिए सुरक्षा के कुछ सलाह भी साझा की हैं, ताकि वे सुरक्षित रह सकें।

अन्नदाता की मेहनत का सम्मान करती है भाजपा सरकार : शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। बल्लभगढ़

हरियाणा सरकार ने खेत में दिन-रात पसीना बहाकर पूरे देश का पेट भरने वाले अन्नदाता किसान की मेहनत का पूरा सम्मान किया है। प्रदेश में किसान हित की कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। सरकार ने खेत से लेकर मंडी तक किसान के साथ खड़ा होने का काम किया है।

यह बात हरियाणा के परिवहन तथा खान एवं भू-विज्ञान मंत्री मूलचंद शर्मा ने गांव कुलेना में पूर्व सरपंच जगदीश शर्मा के घर किसानों से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना के तहत 1.80 लाख रुपये वार्षिक आय या पांच एकड़ तक भूमि वाले परिवारों को छह हजार रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता दी जा रही है। हरियाणा ऐसा राज्य है जहां एमएसपी पर देश में सबसे ज्यादा फसलों की खरीद की जाती है। किसानों को प्राकृतिक आपदा से फसल सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की गई है तो फसल की खरीद में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 'मेरी फसल-मेरा ब्योरा' के नाम से ई-खरीद पोर्टल शुरू किया गया है। इसी तरह, बागवानी फसलों को बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए 'भावांतर भरपाई स्कीम' लागू की गई है।

कुलेना में पूर्व सरपंच जगदीश शर्मा के घर किसानों से बातचीत कर रहे थे परिवहन मंत्री

परिवहन मंत्री ने बताया कि बागवानी फसलों को प्राकृतिक आपदा के कारण होने वाले किसी भी तरह के नुकसान की भरपाई के लिए 'मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना' शुरू की गई है। जल संरक्षण तथा मक्का और अरहर की खेती के प्रोत्साहन के लिए 'मेरा पानी-मेरी विरासत' योजना शुरू की गई है। किसान क्रेडिट कार्ड की तर्ज पर पशुपालकों के लिए 'पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना' शुरू की गई है।

गौरतलब है कि परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा गांव कुलेना में पूर्व सरपंच जगदीश शर्मा के घर चाय के कार्यक्रम पर पहुँचे थे। उन्होंने गांव के बुजुर्ग पंडित लख्मीचंद से आशीर्वाद लिया। किसानों के साथ चाय पर चर्चा में छिद्दा राम, पंडित धर्मवीर, गोपाल शर्मा, नंदकिशोर, राम प्रसाद और विष्णु दत्त मौजूद रहे। इसके उपरांत परिवहन मंत्री गांव जल्हाका में भाजपा कार्यकर्ता वेदराम शर्मा के पिता पूर्व सरपंच प्रेम शुख शर्मा के निधन पर शोक व्यक्त करने पहुँचे। उन्होंने बल्लभगढ़ की सुभाष कॉलोनी में रहने वाले टेकचंद शर्मा की माता के निधन पर भी शोक व्यक्त किया। इसके अलावा, श्री मूलचंद शर्मा ने एक निजी अखबार के सीनियर फोटो जर्नलिस्ट संजय शर्मा के छोटे भाई के निधन पर भी उनके घर पहुंच कर शोक-संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

धीरू सिंह की बदौलत रविंद्र फागना ने 154 रन से जीता रन

फरीदाबाद। 7वां ऑल इंडिया रविंद्र फागना यूथ कप क्रिकेट टूर्नामेंट मैच में रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी ने सन टाइम वॉच क्रिकेट क्लब को 154 रन से हराया।

बीसीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि रविंदर फागना क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में चार विकेट पर 318 रन बनाए। धीरू सिंह ने 84 रन की पारी खेली, शांतनु ने नाबाद 64 रन बनाए। यश अधाना ने 61 रन, करण डेढा ने 49 रन बनाए। फारुख, सचिन मिश्रा और सिद्धार्थ व्रो पुलकित ने एक-एक विकेट ली। लक्ष्य का पीछा करते हुए सन टाइम वॉच क्रिकेट क्लब 35.5 ओवर में 164 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। निखिल त्यागी ने 59 रन, हर्षित ने 47 रन बनाए।

संक्षिप्त समाचार

नेत्रदान जागरुकता से अंधेरी दुनिया में उजाला संभव

फरीदाबाद। एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा की अध्यक्षता में सैंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड, जूनियर रेडक्रॉस तथा गाइडस द्वारा 36 वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े में नेत्रदान जागरुकता द्वारा अंधेरी दुनिया में उजाला लाने के लिए अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्रिगेड अधिकारी, जूनियर रेडक्रॉस काउन्सलर तथा प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचन्दा ने सभी से मृत्यु उपरांत नेत्रदान करने को पारिवारिक परम्परा बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि हर वर्ष 25 अगस्त से 8 सितम्बर तक राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा मनाया जाता है। श्री मनचन्दा ने कहा कि हर वर्ष लगभग एक लाख कार्निया की जरूरत होती है जबकि मात्र 30 हजार कॉर्निया का ही प्रत्यारोपण किया जाता है। आज प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचन्दा और कॉर्डिनेटर गणित प्राध्यापिका डॉक्टर जसनीत कौर ने नेत्रदान के लिए प्रेरित करने के लिए पोस्टर बनाने के लिए छात्रा सृष्टि, सुमन, काजल, निशा, कशिश, कविता, दिव्या और करुणा का अभिनंदन करते हुए सभी से इस पुण्य कार्य में जुड़ने का आह्वान किया।

बचपन का सपना साकार करने को बने फ्लाईंग ऑफिसर

फरीदाबाद। सेक्टर-दो मुरलीधर सोसायटी निवासी बिजली विभाग के अधिकारी बीके राघव के पुत्र विक्रम राघव का वायुसेना में फ्लाईंग आफिसर के पद पर चयन हो गया है। विक्रम ने हाल ही में एयरफोर्स कामन एडमीशन टेस्ट पास किया था। सर्विस स्लेक्शन बोर्ड वाराणसी में साक्षात्कार हुआ था। 18 अगस्त को घोषित हुए परिणाम में वह चयनित हुआ। वह छह सितम्बर को हैदराबाद एयरफोर्स अकादमी में ज्वॉइन करेंगे। उनकी इस उपलब्धि से पिता बीके राघव, माता नीतू राघव और बहिन अनुष्का राघव काफी खुश और गोरवान्वित हैं। बीके राघव ने बताया कि उनकी पोस्टिंग बतौर अधिक्षक अभियंता एनसीआर प्लानिंग गुड़गांव में है। माता नीतू राघव गृहणी और बहिन अनुष्का एलएलबी की पढ़ाई लायड लॉ कॉलेज, ग्रेटर नोएडा से कर रही है। साथ-साथ जुड़ीशियल के तैयारी भी कर रही है। बेटे विक्रम राघव ने यूपीईएस देहरादून से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में परीक्षा पास की। उनका बचपन से ही भारतीय वायुसेना में सेवा करने का सपना जोकि उन्होंने साकार कर दिखाया।

विमल बीजेपी के व्यवसायिक प्रकोष्ठ के संयोजक बने

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय सेक्टर-11 में जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा के द्वारा विमल खंडेलवाल को व्यवसायिक प्रकोष्ठ का जिला संयोजक मनोनीत किया गया। गोपाल शर्मा ने बताया कि हमें पूरा विश्वास है समाजसेवी विमल खंडेलवाल, समाज, प्रशासन, भाजपा के साथ काफी समय से जुडक़र कार्य कर रहे हैं। इनके कार्य को देखते हुए यह जिम्मेदारी इनको दी गई है हमें पूरा विश्वास है कि अपने दायित्व का निर्वहन बखूबी निभाएंगे। इस अवसर पर विमल खंडेलवाल ने भाजपा कार्यालय में पहुंचकर जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि मैं पार्टी के साथ पूरी निष्ठा विश्वास के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करूंगा। भाजपा की कल्याणकारी योजनाओं को जनमानस तक पहुंचाने के लिए सभी अथक प्रयास करूंगा। हमारे फरीदाबाद के शीर्ष नेतृत्व केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, कैबिनेट मिनिस्टर हरियाणा मूलचंद शर्मा, विधायक नरेंद्र गुप्ता, विधायक सीमा त्रिखा, विधायक राजेश नागर एवं समस्त भाजपा पदाधिकारियों का मैं दिल से आभार व्यक्त करता हूं। जिन्होंने मेरे में विश्वास जताकर इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मुझे प्रदान की। इस मौके पर युवा भाजपा मोर्चा अध्यक्ष पंकज सिंगला, एलिमेंट सीएम विंडो कमल सौरोत, भाजपा नेता मधुसूदन माटोलिया, कुशल ठाकुर, योगेश तेवतिया एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

ग्रेटर फरीदाबाद सब डिवीजन खेड़ीकलां के चुनाव सम्पन्न

फरीदाबाद। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम नहरपार ग्रेटर फरीदाबाद डिवीजन की सबडिवीजन खेड़ी कलां के दफ्तर पर बिजली कर्मचारियों का चुनाव शान्तिपूर्ण तरीके से ग्रेटर फरीदाबाद यूनिट के प्रधान सुनील कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस चुनावी प्रक्रिया के दौरान राज्य कमेटी के नेता सतीश छाबड़ी बतौर चुनाव अधिकारी के तौर मौजूद रहे और उनकी देख रेख में यह चुनाव सौहार्दपूर्ण माहौल में हुआ। खेड़ी कलां दफ्तर से सभी कर्मचारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए दफ्तर से संगठन के रिक्त पदों पर चुनाव कराया। जिसमे एचएसईबी वर्कर्स यूनियन की सब यूनिट यानी सबडिवीजन खेड़ी कलां दफ्तर से परवीन नागर एलडीसी को प्रधान, कृष्ण कुमार सीए को सचिव, शैलेंदर एएलएम को उपप्रधान, महिपाल एलडीसी को सहसचिव, योगेंदर रावत डीईओ को कैशियर, अरुण कुमार यूडीसी को संगठनकर्ता-1, भागीरथ एएलएम को संगठनकर्ता-2, रविंदर एएलएम को संगठनकर्ता-3, मौजूद सभी पदाधिकारीयों को कर्मचारियों ने अपनी ओर से पूर्ण समर्थन के करते हुए सर्वसम्मति से बिना किसी विरोध के चलते निर्विरोध चुना। सभी नव निर्वाचित तथा नव नियुक्त पदाधिकारियों को एचएसईबी वर्कर्स यूनियन के प्रदेश चीफ एडवाइजर सतीश छाबड़ी ने संगठन के प्रति निष्ठावान रहने के साथ साथ मजबूती के साथ काम करने को लेकर गोपनीयता की शपथ दिलाई। अपनी ओर से सभी नव चयनित कर्मियों ने शपथ लेने के दौरान विश्वास दिलाया कि संगठन में सभी को साथ लेकरए विश्वास के साथ आगे बढ़कर काम करेंगे और अपने संगठन को मजबूती देते हुए प्रत्येक कर्मचारियों की भावना को अहमियत देते उनके कामों को सर्वोपरि रखेंगे। खेड़ी कलां दफ्तर पर हुए चुनावी कार्यक्रम के इस अवसर पर विशेष रूप से पहुंचें यूनिट ओल्ड फरीदाबाद के प्रधान लेखराज चौधरी ने सभी कर्मियों का संगठन में पदासीन होने पर मुंह मीठा कराया। जिसमें महेन्दर ठाकुर, इकबाल, मनोज, प्रमोद, ऋषि, उदयबीर, यशोदानन्द, भीखाराम, कुलदीप, जोगिंदर आदि भारी संख्या में कर्मचारी अपने दलबल के साथ विशेष रूप से मौजूद रहे।

कोरोना योद्धाओं को पुरस्कार के बदले मिला मानसिक तनाव

सरकार द्वारा दोगुनी तनख्वाह देने का वायदा किया गया था लेकिन वह आज तक नहीं मिली

कई कोरोना योद्धाओं को अनुदान राशि भी नहीं मिली

कविता। फरीदाबाद

कोरोना काल में बेहतर काम करने वाले चिकित्सक, नगर निगम कर्मी और समाजसेवियों को पुरस्कार के बदले तनाव मिला है। वास्तविक कोरोना योद्धा के रूप में काम करने वाले इन लोगों के नाम स्वतंत्रता दिवस में सम्मानित करने के लिए नहीं भेजे गए।

वहीं कुछ कोरोना योद्धा ऐसे भी हैं, जिन्हें अनुदान राशि भी नहीं मिली। सरकार द्वारा दोगुनी तनख्वाह देने का वायदा किया गया था, लेकिन वह आज तक नहीं मिली। कोरोना योद्धा आज भी वहीं काम कर रहे हैं। कुछ अपनी जान जोखिम में डालकर वास्तविक कोरोना योद्धाओं ने पायनियर के साथ अपना दर्द सांझा किया।

अनुदान राशि भी मिले

नगर निगम की टीम ने कोरोना योद्धा के रूप में काम करते हुए उन शवों का अंतिम संस्कार किया। जिन्हें परिजन भी हाथ लगाने से डर रहे थे। टीम द्वारा जिले में 1900 से अधिक शवों का अंतिम संस्कार किया गया। शवों के अंतिम संस्कार के बदले उन्हें सरकार ने पुरस्कार तो दिया। लेकिन टीम के सदस्यों का कहना है कि जब खिलाड़ियों पर सरकार करोड़ों रुपये अनुदान दे रही है, तो अपनी जान जोखिम में डालकर काम करने वाले लोगों को क्यों नहीं दिया जा सकता।

लगातार जारी है सैम्पलिंग

कोरोना काल में प्रयोगशाला जांच सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। बीके अस्पताल में लाखों की संख्या में कोरोना जांच पिछले डेढ़ साल में की गई है। प्रयोगशाला में इंचार्ज से लेकर लैब ऑफिसरों ने अपनी जान जोखिम में डालकर बेहतर कार्य किया। इंचार्ज ने बिना कोई अवकाश लिये प्रयोगशाला में दिन रात काम किया। उन्होंने कोरोना जांच की रिपोर्ट आने में देरी को देखते हुए सैम्पल जांच के लिए अलग से प्रयोगशाला बनवाने में अहम भूमिका निभाई। प्रयोगशाला के शुरू होने के बाद स्वयं भी उसमें काम किया। लेकिन सरकार द्वारा उन्हें 15 अगस्त पर सम्मानित नहीं किया गया। ड्यूटी निभाते हुए वह हृदयरोगी बन गए और बाइपास सर्जरी तक करवानी पड़ी।

नहीं दी बढ़ी तनख्वाह

सरकार ने कोरोनाकाल में सभी कोरोना योद्धाओ, जिसमें चिकित्सक, स्टाफ, प्रयोगशाला में तैनात टैक्नीकल ऑफिसर और लैब टैक्नीशियन, स्वास्थ्य कर्मचारियों के अलावा कोरोना योद्धा का काम करने वाले सभी कर्मचारियों की तनख्वाह दोगुनी करने का ऐलान किया था। लेकिन इनका कहना है कि सरकार ने घोषणा के बावजूद उन्हें वेतन दोगुनी करके नहीं दी। वहीं बीमार होने पर उन्हें सरकार और स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोई सहयोग नहीं दिया गया। उन्हें स्वयं ही निजी अस्पतालों से अपना इलाज करवाना पड़ा।

फीवा के पदाधिकारियों ने पुलिस आयुक्त का जताया आभार

फरीदाबाद। फीवा जोन तीन के सदस्य अग्रवाल प्रॉपर्टीज के मालिक स्वर्गीय जुगल किशोर गोयल पिछले दिनों लापता हो गए थे। परिवार द्वारा की गई भागदौड़ के बावजूद उनका कोई पता नहीं लग पाया था।

फीवा प्रधान अकाश गुप्ता ने उनकी तलाश करने के लिए उनके परिवार के अनुरोध पर कमिश्नर ऑफ पुलिस, डीजीपी हरियाणा, होम सेक्रेट्री हरियाणा को उनकी तलाश में विशेष टीम लगाए जाने की मांग पत्र भेज कर की थी। संस्था प्रयासों के बाद कमिश्नर ऑफ पुलिस ओपी सिंह द्वारा गठित की गई विशेष जांच टीम ने उनकी डेड-बॉडी, गाड़ी व अन्य सामान के साथ साथ अपराधियों को भी गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। हत्या की साजिश व हत्यारों को सबूत सहित सामान के साथ गिरफ्तार करने और जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाने में पुलिस की जिस विशेष जांच दल के सदस्यों का हाथ है। उनका फीवा द्वारा धन्यवाद किया गया हैं। इस मामले में पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह ने मॉनिटरिंग करते हुए तत्परता दिखाई है। उसके लिए प्रधान अकाश गुप्ता एवं महासचिव गुरमीत सिंह देओल के नेतृत्व में फीवा का एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस प्रशासन का उनके कार्यालय में जाकर प्रशस्ति पत्र सौंपने व धन्यवाद करने के लिए बृहस्पतिवार को पहुंचा। फीवा के प्रधान आकाश गुप्ता, उपप्रधान मुकेश चौधरी, महासचिव गुरमीत सिंह देओल, सह कोषाध्यक्ष सरदार रंजीत सिंह एवं कार्यकारी सदस्य गुरुदेव कोशिक ने सामूहिक रूप से कमिश्नर ऑफ पुलिस ओपी सिंह को प्रशस्ति पत्र एवं फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका आभार जताया।

तिगांव में ग्रामीण एथलेटिक फेस्टिवल का आयोजन

फरीदाबाद। हाडा क्लब तिगांव के द्वारा गांव में रन फेस्टिवल आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि उत्कर्ष चौधरी और सरपंच रिंकू जोडला ने दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। मंच का संचालन बाबू हाडा ने किया। लड़कों की 100 मीटर दौड़ में हिमांशु ने पहला, जतिन ने दूसरा और अरुण अधाना ने तीसरा स्थान प्राप्त कर नकद पुरुस्कार जीता।

200 मीटर दौड़ में सचिन पहले, रणवीर दूसरे और नवीन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 800 मीटर दौड़ में कुलदीप ने स्वर्ण पदक, धर्मेंदर ने रजत पदक और सोनू ने कांस्य पदक जीतकर नकद पुरस्कार प्राप्त किया। 1600 मीटर दौड़ लड़का में सुनील ने प्रथम, मोनू ने द्वितीय और धनेश ने तृतीय स्थान पाया। 100 मीटर अंशु ने पहला, नंदिनी ने दूसरा और राधिका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर दौड़ में नीरू ने स्वर्ण पदक, रितिका ने रजत पदक और भूमी ने कांस्य पदक विजेता बनकर नकद पुरस्कार जीता। 800 मीटर दौड़ में शशि ने पहला, प्रियंका ने दूसरा और तनु यादव ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। हाडा क्लब के खिलाड़ियों की 100 मीटर दौड में सागर हरसाना ने पहला, हर्ष ने दूसरा और यश ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वरिष्ठ उप महापौर ने किया मेगा टीकाकरण शिविर का शुभारम्भ

फरीदाबाद। डीएवी स्कूल सेक्टर 37 में भाजपा शहरी निकाय प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक व फरीदाबाद के उप महापौर देवेन्द्र चौधरी ने डीएवी, स्कूल की प्रिन्सिपल दीप्ति जगोटा, पार्षद जितेन्द्र यादव, जिला मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता, भाजपा सोशल मीडिया जिला संयोजक अमित मिश्रा, डॉक्टर वीणा सहपाठी और डॉक्टर मनिंदर के साथ कोरोना रोधी वैक्सीन शिविर का शुभारम्भ किया। भाजपा मंडल अध्यक्ष विरेंद्र यादव, मंडल महामंत्री कृष्ण कुमार शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष हरीश बैसला, धरम राव, अमित मेहरा, अमित शर्मा, मुकेश मल्होत्रा, श्याम यादव, अर्जुन वालिया और इलाके की समस्त आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी उपस्थित रहे। भाजपा कार्यकर्ताओं, डीएवी स्कूल, स्वास्थ्य विभाग और इलाके की आरडब्लूए के सहयोग से आयोजित आज के इस मेगा टीकाकरण शिविर में 450 लोगों को कोरोना रोधी टीका लगाया गया।

विद्यार्थियों के लिए चलाया मतदाता जागरुकता अभियान

फरीदाबाद। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 7 और 8 में गुरुवार को मतदान जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में लगभग 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ एमपी सिंह ने सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम मतदाता शिक्षा मतदाता जागरुकता का प्रचार और प्रसार करने एवं मतदान की जानकारी के लिए हर विभाग के साथ किया जा रहा है। कार्यक्रम में उन लोगों से अपील की जा रही है जिनकी अभी तक वोट नहीं बनी है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि 18 वर्ष की जो उम्र पूरी कर चुके हैं उन्हें वोट अवश्य बनवाना है। इसके लिए वोटर हेल्पलाइन एप के बारे में तथा 1950 टोल फ्री नंबर के बारे में बताया जा रहा है। डॉ. एमपी सिंह ने कहा कि मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए फोरम सिक्स भरना होता है तथा विदेश में बसे भारतीय नागरिक यदि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना चाहते हैं तो फोरम 6ए भरना होता है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम शामिल करने पर आपत्ति करने या निर्वाचक नामावली से नाम हटाने के लिए फोरम सात भरा जाता है।

क्षयरोगियों के संग मनाया निश्चय दिवस

फरीदाबाद। हर महीने की 24 तारीख को निश्चय दिवस मनाया जाता है। इस महीने भी निश्चय दिवस किसी कारण से 24 की बजाय 26 को मनाया गया। इसमें मरीजों को क्षयरोग के बारे में बताया। जिसमें उन्हें बताया गया कि क्षयरोग हवा के द्वारा फैलने वाली बीमारी है, जो हमारे खांसने छींकने के समय इसका बैक्ट्रीरिया दूसरे व्यक्ति में प्रवेश कर जाता है। वैक्ट्रीरिया का नाम माईक्रो वैक्ट्रीरिया है। लक्षण ये हैं कि दो हफ्ते से त्यादा खांखी, लम्बा बुखार, वजन घटना लगातार, रात को पसीने आना, बलगम में खून आना है। वहीं इसके लिए बलगम की जांच करवानी चाहिए। एक्स-रे दवाई छह महीने चलती है। एमडीआर को 9 महीने और दूसरा कोर्स 18 से 20 महीने चलता है। मरीजों को हर महीने सरकार की तरफ से निश्चय पोषण आहार के लिए 500 रुपये मिलते है। डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. शीला भगत, सुभाष भगत, राजकुमार, विजेन्द्र, अशोक, रविन्द्र, हेमंत, उमेश, कुलभुषण, विरेन्द्र, विकाश, कुलदीप, अनीता, प्रीति, कविता, साधना आदि मौजूद रहे।

कृषि भूमि का मैपिंग कार्य 64.28 प्रतिशत सम्पन्न

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जिला के सभी गांव में अभी तक खेती की भूमि का मैपिंग कार्य आनलाइन किया जा रहा है। जिला में अबतक 64.28 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है।उन्होंने कहा कि कृषि भूमि मैपिंग का कार्य बहुत ही अहम कार्य है। इस कार्य के माध्यम से पूरे जिला की खेती व्यवस्था की पूरी जानकारी ऑनलाइन की जा रही है। इसलिए इस कार्य में लगे जो भी अधिकारी और कर्मचारी हैं वे गंभीरता के साथ कार्य करें और इस कार्य की मॉनिटरिंग कर रहे अधिकारी भी इस कार्य को नियमित रुप से चेकिंग अवश्य करते रहें ताकि प्रदेश सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार इस कार्य को सही तरीके से बेहतर रूप से पूरा किया जा सके।

उपायुक्त जितेंद्र यादव ने कहा कि जिला फरीदाबाद की खेती भूमि वास्तविक स्थिति बारे सरकार को अवगत करवाना है। जिला उपायुक्त जितेंद्र यादव ने बताया कि जिला में 192 गांव है। इनमें 83226.70 एकड़ कृषि भूमि है।

गंभीरता से निर्धारित समय पर पूरा करें अधिकारी व कर्मचारी यह कार्यः डीसी

उन्होंने बताया कि जिला में 100 प्रतिशत खेती योग्य भूमि की मैपिंग का कार्य उप कृषि निदेशक, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, जिला विपणन कार्यकारी अधिकारी, जिला राजस्व अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, तहसीलदार व नायब तहसीलदार के फील्ड स्टाफ द्वारा किया जाना है। कृषि विभाग के फील्ड अधिकारी, पटवारी व नम्बरदारों के साथ मिलकर प्रत्येक गांव के किस एकड़ में क्या-क्या फसल बिजाई गई है। उसकी जानकारीintra.ahtihhryana.gov.in पर जाकर इंट्री कर रहे है। वे समयबद्ध कार्य को पूर्ण रूप से करें। आपस में तालमेल रखते हुए कार्य करें। इस कार्य की अन्तिम तिथि 31अगस्त है। जिला उपायुक्त ने कहा कि जिला खेती योग्य भूमि मैपिंग से ही यह वास्तविक जानकारी प्राप्त होगी कि किस फसल का कितना-कितना रकबा है। उसी हिसाब से मण्डियों की व्यवस्था की जायेगी। उप कृषि निदेशक, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, जिला विपणन कार्यकारी अधिकारी, जिला राजस्व अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, तहसीलदार व नायब तहसीलदार भी हर खंड की 30-30 एकड़ जमीन की वैरिफिकेशन करना भी सुनिश्चित करें।

जिला उपायुक्त ने कहा कि इस कृषि भूमि की मैंपिंग के साथ-साथ मेरा पानी मेरी विरासत के लाभार्थियों की भी पुष्टि की जा सकेगी। पुष्टि के उपरान्त ही 7000 रुपये प्रति एकड़ या 4000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि किसानों को दी जाएगी। जिला कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि जिला 192 गावों की 83226.70 एकड़ खेती भूमि की मैपिंग की जा रही है। इसमें से 53498.19 एकड़ भूमि की मैपिंग करके आनलाइन कर दी गई है। इसकी जिला स्तरीय मैपिंग 64.28 प्रतिशत पूरी कर ली गई है। जबकि खेती योग्य भूमि मैपिंग का कार्य 151 गावों में इस कार्य में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। जहाँ पर 78.65 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है।

योग चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

फरीदाबाद। हरियाणा योग आयोग एवं पतजंलि योगपीठ के तत्वावधान में फरीदाबाद एस्टेट एजेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव गुरमीत सिंह देओल व आर्य समाज सेक्टर 55 फरीदाबाद के प्रधान संजय खट्टर के सौजन्य से भगवान परशुराम पार्क सेक्टर 55 में प्रात: 5 बजे से 6.15 बजे तक स्वामी रामदेव महाराज के परम् शिष्य योगाचार्य जयपाल शास्त्री पतजंलि योगपीठ के सानिध्य में योग चिकित्सा शिविर आयोजित एवं शुभारंभ किया। जिसका समापन 30 अगस्त को यज्ञ- हवन के साथ किया जाएगा। योग गुरु आचार्य जयपाल शास्त्री ने योग प्रशिक्षण देते हुए सूक्ष्म व्यायाम व कमर दर्द को ठीक करने वाले आसनों का मुख्य रूप से अभ्यास कराया। उन्होंने भस्त्रिका, कपाल भांति, अनुलोम विलोम आदि प्राणायाम उचित विधि, समय व संकल्प के साथ कराये आर उनके लाभ भी बताए।

एक सप्ताह और बढ़ा ऑनलाइन आवेदन का समय

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कॉलेजों में दाखिले का जहां एक तरफ बृहस्पतिवार को ऑनलाइन आवेदन का अंतिम दिन था। वहीं छात्रों को आ रही परेशानियों को देखते हुए उच्चतर शिक्षा विभाग ने आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया है। उच्चतर शिक्षा विभाग ने आगामी दो सितंबर तक ऑनलाईन आवेदन को बढ़ा दिया है। विभाग की तरफ से दाखिले के लिए जारी किए गए रिवाइज शेड्यूल के अनुसार अब पहली मेरिट लिस्ट आठ सितंबर को जारी की जाएगी।

जानकारी के मुताबिक उच्चतर शिक्षा विभाग ने 16 अगस्त को कॉलेजों में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू की थी। अभी तक आवेदन करने के लिए 26 अगस्त अंतिम तारीख रखी गई थी और 2 सितंबर को पहली मेरिट लिस्ट जारी की जानी थी। इसी तय कार्यक्रम के अनुसार शहर के सभी 10 सरकारी व निजी कॉलेजों के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया जारी थी। बृहस्पतिवार को भी आवेदन की प्रक्रिया जारी रही। पहले जारी शेड्यूल के अनुसार छात्रों को आवेदन करने के लिए केवल 11 अगस्त तक का समय दिया गया था। ऐसे में सभी छात्र आवेदन नहीं कर पाए थे। छात्र संगठन भी आवेदन करने की तारीख बढ़ाने की मांग कर रहे थे। बृहस्पतिवार को दोपहर उच्चतर शिक्षा विभाग ने दाखिला प्रक्रिया का संशोधित शेड्यूल जारी किया है,

जिसमें आवेदन करने की तारीख को बढ़ा दिया गया है। नए शेड्यूल के अनुसार कॉलेजों में अब 2 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। वहीं, दस्तावेजों की जांच प्रक्रिया 4 सितंबर तक जारी रहेगी और उसके बाद 8 सितंबर को पहली मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। पहली मेरिट लिस्ट के आधार पर 9 से 13 सितंबर तक फीस जमा कर दाखिला प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी। उसके बाद 15 सितंबर को दूसरी मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। दूसरी लिस्ट में जिन छात्रों के नाम शामिल होंगे, वह 16 से 18 सितंबर तक फीस जमा कर दाखिला प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। दो मेरिट लिस्ट के बाद भी कॉलेजों में खाली बची सीटों को भरने के लिए 21 सितंबर को फिर से पोर्टल खोला जाएगा और ओपन काउंसलिंग के तहत दाखिले लिए जाएंगे।

कोरोना से संघर्ष

बच्चों के लिए टीका

सरकार तथा टीका निर्माता अभी छोटे बच्चों व शिशुओं के टीकाकरण पर गतिरोध की स्थिति में हैं। इस कारण इन वर्गों में कोरोनावायरस वैश्विक महामारी से मुकाबले के लिए टीकाकरण सबसे कठिन चुनौती है। वृद्धों तथा दिव्यांगों के बाद वे सर्वाधिक जोखिम वाला समूह हैं। सरकार की जिम्मेदारी दूनी हो जाती है क्योंकि उसे न केवल टीकाकरण को प्राथमिकता देनी है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि बच्चे जल्दी से जल्दी स्कूल जाने लगें। पिछले साल शिक्षा संस्थान बंद होने के बाद से बच्चे घर पर हैं। अधिकांश समय तक वे संक्रमण के भय के कारण घर के भीतर कैद रहते हैं। आनलाइन शिक्षा का लाभ बहुत कम बच्चों को मिला है। अनुमान है कि देश के केवल 24 प्रतिशत बच्चों की पहुंच ही आनलाइन शिक्षा तक है। पिछले एक साल में अनेक बच्चों का भाषा व गणित कौशल से संपर्क टूट गया है क्योंकि वे स्कूलों से दूर हैं। माता-पिता का रोजगार समाप्त होने का नकारात्मक प्रभाव बच्चों पर भी पड़ा है। कुछ मामलों में रोजगार छिनने के कारण बच्चों को निजी स्कूलों से सरकारी स्कूलों में भर्ती कराया गया है। समाज के गरीब तबके में बच्चों को अच्छे भोजन के अभाव में कुपोषण का सामना करना पड़ रहा है। बाल श्रम की घटनाओं में वृद्धि हुई है। यूनिसेफने चेतावनी दी है कि रोजगार समाप्त होने, माता-पिता की मृत्यु व आर्थिक वंचना के कारण संकटग्रस्त छोटी बच्चियों के बाल विवाह का खतरा बढ़ा है। कुछ राज्यों में स्कूल सावधानी से खोले गए हैं, पर उनमें उपस्थिति अभी सामान्य से बहुत कम है। बाहर निकलने पर बच्चों में संक्रमण का खतरा उनके माता पिता को

परेशान करता है।

बच्चों पर कोवैक्सिन के परीक्षण जारी हैं। औषधि महानियंत्रक ने जाइडस कैडिला की जाइकोव-डी को आपातकालीन प्रयोग की अनुमति दी है। यह पहली वैक्सीन है जो वयस्कों के साथ 12 वर्ष से अधिक आयु वाले बच्चों को दी जा सकती है। लेकिन मुंबई से खबरे हैं कि माता पिता अपने बच्चों को स्वयंसेवक के रूप में सूचीबद्ध नहीं करा रहे हैं जिसके चलते परीक्षण नहीं हो पा रहे हैं। फाइजर की तरह स्पुतनिक टीकों का भी बच्चों के लिए परीक्षण हो रहा है। अमेरिकन वैक्सीन ने 6 महीने से 11 साल आयुवर्ग वाले बच्चों पर परीक्षण शुरू किए हैं। पहले सितंबर में बच्चों का टीकाकरण शुरू होने की बात की गई थी, पर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। अमेरिका में 12-17 आयुवर्ग वाले बच्चों के लिए माडर्ना वैक्सीन की अनुमति दी गई है। कहा जा रहा है कि यहां बच्चों पर परीक्षण के बाद वैक्सीन का प्रयोग भारत में किया जाएगा। अगले साल के प्रारम्भ में बच्चों के लिए कोवैक्स का प्रयोग शुरू होने की उम्मीद है। टीकाकरण के लिए 12-18 वर्ष आयुवर्ग के बच्चों को प्राथमिकता दी जाएगी क्योंकि 12 वर्ष से छोटे बच्चों के लिए वैक्सीन तत्काल उपलब्ध नहीं होगी। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का अनुमान है कि भारत में बच्चों की संख्या को देखते हुए लगभग 20 करोड़ खूराकों की जरूरत होगी। तीसरी लहर का खतरा बना होने के कारण सरकार को जल्दी से बच्चों में टीकाकरण की चरणबद्ध योजना बनानी चाहिए तथा स्कूलों में टीकाकरण के विकल्प पर विचार करना चाहिए। लेकिन यह सवाल बना हुआ है कि क्या कुछ महीनों तक टीकाकरण से वंचित 12 वर्ष से कम आयु वाले बच्चों को स्कूल जाने की अनुमति दी जानी चाहिए? क्या प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के खोलने से संक्रमण का खतरा बढ़ेगा नहीं?

अफ़गानिस्तान में जारी विभीषिका

अमेरिकी सेनाओं की वापसी के पश्चात अफगान राष्ट्रीय सुरक्षा बलों के इतने कम समय में अचानक और पूर्ण रूप से ध्वस्त होने के अनेक कारण हैं।

अशोक के मेहता
(लेखक सेवानिवृत्त मेजर जनरल हैं)

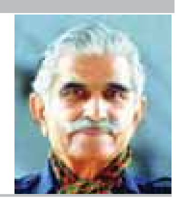

अगस्त के प्रारम्भ तक काबुल से लगातार चेरी की सप्लाई जारी रहने तथा वजीर अकबर खान के साथ मुलाकातों की स्मृतियों के साथ यह खबर आश्चर्यजनक थी। विडंबना है कि भारतीय स्वतंत्रता दिवस के दिन अफगान राष्ट्रीय सुरक्षा बलों-एएनएसएफ के आश्चर्यजनक ध्वस्त होने की खबर सर्वाधिक आश्चर्यजनक थी। आखिरकार अचानक आसमान कैसे गिर गया जिसके कारण इतिहास में लोगों को बाहर निकालने की सबसे बड़ी कार्रवाई जारी है। इस संबंध में छह मुद्दों पर गौर किया जाना चाहिए। यह खुफिया व्यवस्था की विफलता है। तालिबानों का अचानक कब्जा मानवीय खुफिया व्यवस्था की भयानक विफलता थी जिसका जन्म राजनीतिक लापरवाही से हुआ था। बिना किसी राजनीतिक समझौते तथा अमेरिकी और नाटो बलों की निरंतर उपस्थिति के बिना वापसी की एक तिथि निर्धारित कर देना पूरी तरह गैर-जिम्मेदाराना काम था।

पिछले पांच साल से सैनिक कमांडरों द्वारा लगातार परस्पर विरोधी और फर्जी रिपोर्टें दी जाती रही हैं। 24 अप्रैल को पेंटागन की गोपनीय बैठक में कहा गया था कि एएनएसएफ तालिबान को एक या दो साल तक रोके रख सकती हैं। ये बात शुरुआती आंकलनों के बाद आई थी जिनमें कहा गया था कि अफगान बल 30-90 दिन या दो से तीन साल सत्ता बनाए रख सकते हैं। क्रैग व्हिटलाक की 'द अफगानिस्तान पेपर्स: ए सीक्रेट हिस्ट्री आफ वार' में इन सबका विवरण है। इसमें बताया गया है कि पेंटागन के उच्चाधिकारियों के आदेश पर फर्जी रिपोर्टें तैयार की जाती थीं जिनसे अमेरिकनों की स्थिति शानदार दिखे तथा अफगानिस्तान की निरन्तर जारी विभीषिका की बात सामने न आए।

यह इच्छाशक्ति समाप्त होने का भी संकेत है। 2001 में तालिबानों को अफगानिस्तान से अमेरिकी और नार्दन एलायंस ने केवल 60 दिनों में बाहर निकाल दिया था और इसमें केवल चार अमेरिकन सैनिकों का तथा एक सीआईए एजेंट की जान गई थी। अब अमेरिका और उसके सहयोगियों को भारी कीमत चुका कर बाहर किया गया है। 2,422 अमेरिकी सैनिकों को प्राण गंवाने पड़े हैं तथा 2 ट्रिलियन डालर बर्बाद हुए हैं। एएनएसएफ के ध्वस्त होने के कारण संभवत: सरकार में मतभेद, राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी, सभी स्तरों पर व खासकर सेना में व्याप्त भयानक भ्रष्टाचार, जमीनी युद्ध के लिए वायुसेना व लाजिस्टिक्स का अभाव तथा अमेरिकनों द्वारा विदेश से सहायता न देना शामिल है। कबीलाई प्रतिबद्धताओं, स्थानीय समझौतों तथा पैसे के लेनदेन ने आत्मसमर्पण और जल्दी करा दिया।

लेकिन तालिबानों को सैनिक आक्रमण की योजना बनाने तथा उसके क्रियान्वयन का श्रेय दिया जाना चाहिए। पाकिस्तान ने इसका गोपनीय रूप से समर्थन किया तथा उसकी स्पेशल फोर्सेज़ समुचित रूप से कार्रवाई में शामिल थीं, जबकि वह शांति प्रक्रिया से फर्जी जुड़ाव दिखाता रहा। स्लीपर सेलों को तैनात करने की रणनीति अपनाई गई, गैर-पख्तूनों को भर्ती किया गया तथा पहले उत्तरी व पश्चिमी क्षेत्रों पर कब्जा किया गया। गांवों के बुजुर्गों ने भी अपनी भूमिका निभाई जिससे इस्माइल खान और रशीद दोस्तम जैसे लड़ाकू निरर्थक हो गए। लेकिन 60,000 सैनिकों वाली एएनएसएफ का ध्वस्त होना गंभीर अध्ययन का विषय है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का यह कहना ठीक है कि एएनएसएफ ने लड़ाई ही नहीं की, लेकिन इसके कारण अलग हैं। तालिबानों को मान्यता देने व उनकी वैधता का सवाल महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान समेत अनेक देशों ने कहा था कि यदि सत्ता पर ताकत से कब्जा होता है तो वे तालिबान को मान्यता नहीं देंगे। 1996 में केवल तीन देशों-संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और पाकिस्तान ने ही तालिबान अमीरात को मान्यता दी थी। यह सरकार पांच साल चली, लेकिन अफगानिस्तान 10 साल पीछे चला गया। तालिबान व्यापक आधार वाली समावेशी इस्लामवादी सरकार बनाने का प्रयास कर रहा है जो शरीया पर चलेगी। यह एक अमेरिका-विरोधी तथा भारत-विरोधी गठबंधन होगा जिसमें रूस, चीन, ईरान और पाकिस्तान शामिल हो सकते हैं। इस प्रकार एक नया चतुर्गुट तालिबान का समर्थन कर सकता है।

> पिछले पांच साल से सैनिक कमांडरों द्वारा लगातार परस्पर विरोधी और फर्जी रिपोर्टें दी जाती रही हैं। पिछले पांच साल से सैनिक कमांडरों द्वारा लगातार परस्पर विरोधी और फर्जी रिपोर्टें दी जाती रही हैं। बताया गया है कि पेंटागन के उच्चाधिकारियों के आदेश पर फर्जी रिपोर्टें तैयार की जाती थीं जिनसे अमेरिकनों की स्थिति शानदार दिखे तथा अफगानिस्तान की निरन्तर जारी विभीषिका की बात सामने न आए।

पाकिस्तान को तालिबान की दूसरी सरकार से सबसे ज्यादा लाभ होगा। लेकिन पिछले सालों में अफगानिस्तान दीवालिया हो गया है। तालिबान की लड़ाई का खर्च इस्लामी देशों द्वारा दिए दान, नशीले पदार्थों के व्यापार से मिले पैसे तथा 1.5 बिलियन डालर के टैक्सों व फिरौती की रकम से हुआ। लेकिन इतनी धनराशि सरकार चलाने के लिए काफी नहीं होगी। अफगानिस्तान की 20 बिलियन डालर की जीडीपी में पश्चिम व वित्तीय संस्थानों से प्राप्त सहायता व दान शामिल है। 2015 में उसने 2 बिलियन डालर प्राप्त किए थे, लेकिन यह जल्दी ही नगण्य हो गए। अमेरिका में उसकी 10 बिलियन डालर की परिसंपत्तियां फ्रीज कर दी गई हैं तथा मानवीय सहायता छोड़ कर बाकी सभी सहायता पर रोक लगा दी गई है। ऐसे में तालिबान को मुसीबत से बाहर निकलने के लिए अपने नए मित्र चीन की जरूरत होगी।

अफगानिस्तान में हर बार सरकार बदलने पर विरोध हुआ है जिसका परिणाम गृहयुद्ध के रूप में सामने आया है, लेकिन इस बार ज्यादा संभावना नहीं है। हालांकि, उप-राष्ट्रपति अमरुल्ला सालेह, प्रख्यात शाह मसूद के बेटे अहमद मसूद तथा रक्षा मंत्री जनरल बिस्मिल्ला खान ने एक प्रतिरोध आंदोलन शुरू करने की धमकी दी है। यह पंजशीर घाटी से शुरू होगा जो दक्षिण में विरोध का केवल एकमात्र स्थान है। इस प्रतिरोध के ज्यादा सफल होने की उम्मीद नहीं है क्योंकि 2001 के उलट इसकी बदख्शां से होकर ताजिकिस्तान तक पहुंच नहीं है तथा कोई नार्दन एलायंस भी नहीं बना है। तालिबान ने पंजशीर को चारों ओर से घेर लेने का दावा किया है। ऐसे में भारत को मजबूर होकर काबुल छोड़ना पड़ा, हालांकि तालिबान कह रहे थे कि उन्होंने भारत से जाने को नहीं कहा था। तालिबान चाहते हैं कि पाकिस्तान का विरोधी भारत वहां बना रहे ताकि उनकी रणनीतिक स्वायत्तता बढ़े। भारत ऐतिहासिक रूप से अफगानिस्तान में शुरू से रहा है। भारतीय राजनयिकों का यह दावा सही है कि उन्होंने अफगानिस्तान में लोगों के दिल-दिमाग जीते हैं, लेकिन 3 बिलियन डालर निवेश के बावजूद भू-रणनीति को स्वरूप देने में उसका कोई खास राजनीतिक प्रभाव नहीं है। भारत को बाहरी मान कर रूस और ईरान ने उसका साथ छोड़ दिया, जबकि उसने नार्दन एलायंस का समर्थन किया था। ताजिकिस्तान में भारत का रणनीतिक आधार अयनी हवाईअड्डा ज्यादा लाभदायक नहीं है। इसके साथ ही अगस्त में भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद-यूएनएससी का सदस्य बना, लेकिन अफगानिस्तान पर उसकी 6 व 16 अगस्त की दो महत्वपूर्ण बैठकों से केवल बयान ही जारी हो सके। ऐसे में 'प्रतीक्षा करो और देखो' की रणनीति से अफगानिस्तान का परिवेश बदलना असंभव है।

भारत की रणनीति पिछले दो दशकों में रणनीतिक धैर्य या लगभग निष्क्रियता की रही है। हालांकि, भारत पराजित अमेरिका से जुड़ा है, पर उसके पास अब्दुल्ला अब्दुल्ला के रूप में एक ताजिक-पख्तून मित्र भी हैं। वे पिछले दो साल से तालिबान से वार्ता चलाने वाली शांति व समझौता परिषद के प्रमुख हैं। वे अफगानिस्तान में बनने वाली अंतरिम सरकार का हिस्सा हो सकते हैं और इस प्रकार भारत को भी वहां पैर रखने की जगह मिल सकती है।

विपक्ष को एकजुट करने हेतु सोनिया की पहल

कल्याणी शंकर
(लेखिका प्रख्यात राजनीतिक टिप्पणीकार हैं)

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने विपक्ष को एकजुट करने के लिए नए प्रयास शुरू कर दिए हैं। उन्होंने 2004 में ऐसा किया और शक्तिशाली प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के खिलाफ लड़ते हुए एक गठबंधन सरकार (यूपीए) बनाई, जब उन्हें राजनीति में लगभग नौसिखिया माना जाता था। उन्होंने ऐसा तब किया जब भाजपा अपने इंडिया शाइनिंग अभियान के साथ बुलंदियों पर थी।

विपक्षी गठबंधन बनाने का विचार नया नहीं है। देश ने जनता पार्टी (1977), नेशनल फ्रंट (1989), यूनाइटेड फ्रंट (1996- 1998) और एनडीए जैसे गठबंधन देखे हैं, जब भी मतदाता सरकार से असंतुष्ट थे। वाजपेयी को हराने के बाद, उन्होंने डॉ मनमोहन सिंह को प्रधान मंत्री के रूप में नामित करके फिर से सभी को चौंका दिया, जिन्होंने 2014 तक दस साल तक देश का नेतृत्व किया। सोनिया ने महसूस किया कि वाजपेयी के नेतृत्व वाले-एनडीए को अपने दम पर लेने के लिए कांग्रेस बहुत कमजोर हो गई है। इसलिए, उन्होंने 2004 के चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए से मुकाबला करने के लिए धर्मनिरपेक्ष दलों का गठबंधन बनाया। इससे पहले शिमला कॉन्क्लेव में सोनिया गांधी ने गठबंधन के लिए पार्टी को सफलतापूर्वक तैयार किया था. यादवों और पासवानों जैसे क्षेत्रीय क्षत्रपों को कांग्रेस की छत्रछाया में आने के लिए राजी करना आसान नहीं था। वे अपने करियर में कांग्रेस विरोधी माहौल में पले-बढ़े।

अब स्थिति अलग है। कांग्रेस का भाजपा से कोई मुकाबला नहीं है। सोनिया जहां 19 साल तक पार्टी अध्यक्ष रहीं, वहीं उन्होंने अपने बेटे राहुल गांधी को भी कमान सौंपी। हालांकि, 2014 के बाद से, उसने पीछे की सीट ले ली है। न तो मां ने और न ही बेटे ने संगठनात्मक सुधारों पर ध्यान दिया है। निराश विपक्ष बीजेपी को टक्कर देने की कोशिश करता रहा है लेकिन बंटा हुआ है. शरद पवार और ममता बनर्जी जैसे क्षेत्रीय नेताओं ने हाथ आजमाया है. फिर भी, उनमें से कोई भी आगे नहीं बढ़ा क्योंकि कांग्रेस उदासीन

रही। हालांकि, पिछले हफ्ते, सोनिया ने कई गैर-भाजपा मुख्यमंत्रियों सहित 19 विपक्षी दलों के नेताओं की एक आभासी बैठक आयोजित करने की पहल की। भाग लेने वालों में एनसीपी के शरद पवार, टीएमसी की ममता बनर्जी, शिवसेना के उद्धव ठाकरे और डीएमके के एम के स्टालिन शामिल हैं। अनुपस्थित थे आम आदमी पार्टी, बीजू जनता दल, तेलुगु देशम पार्टी, वाईएसआर कांग्रेस और तेलंगाना राष्ट्र समिति। इन सभी पार्टियों ने कांग्रेस और बीजेपी दोनों से बराबर दूरी बनाकर रखी है। सोनिया का गूढ़ भाषण आशावाद और जोश से भरा था। उन्होंने जोर देकर कहा कि हम सभी की अपनी मजबूरियां हैं, लेकिन स्पष्ट रूप से, एक समय आ गया है जब हमारे राष्ट्र के हितों की मांग है कि हम उनसे ऊपर उठें। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस लक्ष्य की दिशा में काम करते हुए, हमारे व्यक्तिगत और सामूहिक संकल्प की पुष्टि करने के लिए कांग्रेस को कम नहीं पाया जाएगा। सोनिया ने कहा कि अंतिम लक्ष्य 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकना है।

बैठक में पहले के प्रयासों के विपरीत, 11-सूत्रीय साझा एजेंडा की घोषणा की गई। इस योजना में विभिन्न मुद्दों को शामिल किया गया है, जिसमें सामूहिक टीकाकरण में तेजी लाना शामिल है; गरीबों के लिए मुफ्त भोजन किट; ईंधन और खाना पकाने के तेल की कीमतों में कमी; तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को निरस्त करना; मनरेगा के तहत 200 दिनों के लिए नौकरी की गारंटी, मजदूरी दोगुनी करने, शैक्षणिक संस्थानों को जल्द से जल्द फिर से खोलने और निगरानी के लिए पेगासस स्पाइवेयर के उपयोग की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच।

कयामत के भविष्यवक्ता पहले से ही भविष्यवाणी कर रहे हैं कि वर्तमान एकता कदम एक गैर-शुरुआत होगा क्योंकि यह अहंकारी क्षेत्रीय क्षत्रपों से भरा एक विषम गठबंधन है। ऐसे मोर्चे के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक नेतृत्व का प्रश्न होगा। सोनिया वरिष्ठ नेताओं के साथ ठीक हैं लेकिन राहुल गांधी के साथ नहीं। उम्र के साथ और उनके स्वास्थ्य के मुद्दों के साथ, सोनिया की थाली में बहुत कुछ होगा। 2004 में वह ऐसा कर सकी क्योंकि वह छोटी थी और उसके पास अच्छे सलाहकार थे। अब पुराना गार्ड लगभग गायब हो गया है। दूसरी चुनौती बीजद, टीआरएस और वाईएसआर कांग्रेस जैसी शेष विपक्षी पार्टियों को गठबंधन में लाने की होगी।

इससे पहले विपक्षी दलों को अपने झुंड को एक साथ रखना है। कांग्रेस को एक नई योजना, नए नेतृत्व, नए आख्यान और समर्पण की जरूरत है। कांग्रेस में 23 बागी नेताओं के समूह का मानना है कि पहली प्राथमिकता पार्टी को मजबूत करना है. इसके लिए पार्टी को उत्साहित होना चाहिए और लगातार हो रहे क्षरण को रोकना होगा। राहुल गांधी ने ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद और सुष्मिता देव जैसे पार्टी छोड़ने वाले कई युवा नेताओं को बढ़ावा दिया।

बीजेपी उनका खुले दिल से स्वागत कर रही है। चौथा 2024 तक विपक्ष की एकता बनाए रखना है। यह वास्तव में एक स्वागत योग्य कदम है कि एक कमजोर विपक्ष मोदी सरकार का मुकाबला करने के लिए एक साथ आ रहा है। फिर भी, मिलियन-डॉलर का सवाल यह है कि क्या 2024 तक एकता का कदम कायम रहेगा। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव एक निश्चित संकेतक होंगे।

आप की बात

जलवायु परिवर्तन

अभी हाल ही में आई जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल की ताजा रिपोर्ट ने मानवता के लिए रेड चेतावनी जारी की है। बतातें चलें कि यह रिपोर्ट विश्व मे अत्यधिक तेज़ी से हो रहे जलवायु परिवर्तन के असर पर है। रिपोर्ट में यह कहा गया है कि पृथ्वी की स्थिति तेज़ी से बिगड़ रही है और इसके असर से बचना असंभव है। ऐसा मानव हस्तक्षेप के कारण हो रहा है। यह बहुत चिंता की बात है। हम लोग अपने ही कारण से अपनी सुंदर हरी भरी पृथ्वी को नष्ट कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन का असर दुनिया भर के समाज, अर्थव्यवस्था और समुदायों को प्रभावित कर रहा है। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि हमें इस पर लगाम लगानी ही होगी। इसके लिए हम क्षेत्र वार उत्सर्जन में कमी और श्रम बल के प्रबंधन से अपना योगदान दे सकते हैं। इससे हमें राष्ट्रीय लक्ष्यों को पूरा करने में मदद मिलेगी और साथ ही विश्व को इसकी शुद्ध शून्य महत्वकांशा के निकट लाने में मदद मिलेगी। जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा नकारात्मक कारण बनना हमारे लिए बहुत ही बुरी बात है परंतु हम ही इसे सुधार सकते हैं। अगर हम लगातार प्रयासरत रहे तो आने वाले दस वर्षों में हम ग्लोबल वार्मिंग को सीमित कर सकते हैं जिससे हमारा पर्यावरण स्वस्थ और स्वच्छ हो।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

सही निर्णय

कश्मीर के अलगाववादी संगठन हुर्रियत कान्फ्रेंस के दोनों धडों पर कठोर कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत प्रतिबंध लगाने की तैयारी की जा रही है। कारण ऐसा कहा जा रहा है कि आतंकवादियों के लिए वित्तपोषण की कारगुजारीयो से इस संगठन के जुड़े होने का पता चला है।अत: हुर्रियत के दोनों धडो को आज गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 3/1 के तहत प्रतिबंधित किए जाने की संभावना है। हाल ही में की गई एक जांच में संकेत मिला है कि कुछ संगठन धन एकत्रित कर उसका उपयोग कश्मीर में आतंकवादी संगठनों के वित्त पोषण के लिए कर रहे हैं अत: केंद्र को ऐसा लगता है कि कोई संगठन गैरकानूनी गतिविधियां कर रहा है तो वह ऐसे संगठन को यूएपीए के तहत गैर कानूनी घोषित कर सकता है। आज हुर्रियत कांफ्रेंस के सदस्य प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों हिज्बुल मुजाहिदीन दुखतराने मिल्लत एवं लश्कर-ए-तैयबा के सक्रिय आतंकी सदस्यों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं अत: हम सरकार के इन कदमों की सराहना करते हैं कश्मीर को साफ करना है तो आतंकवादियों के साथ-साथ इन अलगाववादियों पर भी प्रतिबंध लगना बेहद जरूरी है।

– **मनमोहन राजावत,** शाजापुर

भयभीत न करें लोगों को

हाल ही में एक आकाशीय चर्चा में आई थी। आशंका जताई जा रही थी कि एक छोटे ग्रह के करीब से गुजरने पर कोई बड़ी अनहोनी हो सकती है। काफी समय तक लोग भय के चलते आशंकित रहे और जब सब कुछ शांति पूर्वक गुजर गया तब लोगों ने राहत की सांस ली। अक्सर देखने में आता है कि जब कभी भी आकाशीय, खगोलीय या अन्य घटनाओं की स्थिति बनती है तो जानकार कुछ ऐसे बयान बयां जारी कर देते हैं जिससे जनमानस में उनके भविष्य को लेकर भय और चिंताएं पैदा होती हैं। वर्षों पूर्व स्काई लैब गिरने से लेकर अब तक जितनी भी घटनाएं हुई है उनका भारतीय क्षेत्रों पर कोई संज्ञेय प्रभाव नहीं पड़ पाया है जबकि देश जानता है कि इन मामलों में देश को कितना गुमराह किया गया था। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि खगोलीय घटनाओं से संबंधित तमाम अनुमान/पूर्वानुमान जारी करने से पूर्व उनका गहन अध्ययन अवश्य किया जाए तभी कोई सुझाव जारी किए जाएं। समाज में फालतू में मचने वाली अफरा-तफरी इसी से बंद हो सकेगी।

– **अमृतलाल मारू,** दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

हमने एक प्रस्ताव पारित किया है कि जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक स्थिति, अनुच्छेद 370, अनुच्छेद 35 ए, जम्मू-कश्मीर के लिए राज्य का दर्जा बहाल किया जाए।

– **मोहम्मद यूसुफ तारीगमी**
माकपा नेता

हमारे नागरिकों और उन अफ़गानों की निकासी को पूरा करना, जिन्होंने पिछले 20 वर्षों में हमारे प्रयासों में सहायता की है, पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।

– **बोरिस जॉनसन**
ब्रिटेन के प्रधानमंत्री

यह (भाजपा) ,कॉरपोरेट की, कॉरपोरेट के लिए और कॉरपोरेट द्वारा सरकार है। यह जनता की सरकार नहीं है।

– **सुखेंदु शेखर रॉय**
तृणमूल कांग्रेस नेता

सख्त होगा नाइट कर्फ्यू, रात नौ बजे से पुलिस बजाएगी हूटर

● रात 10 बजे तक दुकानों को बंद करने और लोगों को घरों में रहने की देगी हिदायत

● अन्य राज्यों में बढ़ते कोरोना के मामलों को देखते हुए सीएम ने दिए सख्ती के आदेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महाराष्ट्र और केरल में बढ़ते मामलों को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी में नाइट कर्फ्यू का सख्ती से पालन करने के आदेश दिए हैं। अब रात नौ बजे से पुलिस हूटर बजाकर लोगों और दुकानदारों को दूकान बंद करने के लिए सचेत करेगी। जिससे रात 10 बजे तक प्रदेश की सभी दुकानें बंद हो जाएं।

सक्रिय केस हो या फिर टेस्टिंग और वैक्सीनेशन की बात प्रदेश सरकार द्वारा समय पर लिए गए निर्णयों का ही परिणाम है कि आज सर्वाधिक जनसंख्या वाला यूपी दूसरे प्रदेशों से कोरोना पर लगाम लगाने में अव्वल है। सक्रिय केसों के मामलों में यूपी के हालात दूसरे राज्यों से बेहतर हैं। प्रदेश में जहां सक्रिय केसों की संख्या अब 342 हैं वहीं आबादी के लिहाज से उत्तर प्रदेश से काफी कम आबादी वाले अन्य राज्यों में अब भी संक्रमण पर काबू नहीं पाया जा सका है। दूसरे राज्यों में हजारों की संख्या में सक्रिय केस दर्ज किए जा रहे हैं। महाराष्ट्र में 50183, केरल में 170312, कर्नाटक में 19318, तमिलनाडु में 18352, आंध प्रदेश में 14061, पश्चिम बंगाल में 9185, तेलंगाना में 6295 कुल कोरोना के एक्टिव केस दर्ज किए गए। सर्वाधिक आबादी वाले उत्तर प्रदेश में सीएम के निर्णयों से तेजी से संक्रमण पर लगाम लगाई जा सकी है। केरल के मुकाबले यूपी के हालात काफी बेहतर हैं। केरल में तेजी से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। कोरोना की दूसरी लहर पर प्रदेश ने काफी हद तक कोरोना पर काबू पा लिया है। 3.5 करोड़ की आबादी वाले केरल में 26 अगस्त को 31445 नए मामले दर्ज किए गए जो देश में दर्ज किए गए कुल मामलों का सबसे बड़ा हिस्सा है। वहीं 24 करोड़ की आबादी वाले उप्र में इसी अवधि के दौरान सिर्फ19 मामले दर्ज किए गए। प्रदेश में संभावित तीसरी लहर को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी है। प्रदेश में कोरोना की पहली और दूसरी लहर पर लगाम लगाने संग चिकित्सीय सुविधाओं में तेजी से इजाफा किया जा रहा है। सर्वाधिक जनसंख्या वाले यूपी में रोजाना ढाई लाख से अधिक टेस्ट किए जा रहे हैं। पिछले 24 घंटों में हुई 216629 टेस्टिंग में 19 नए केस दर्ज किए गए। अब तक प्रदेश में 7 करोड़ 12 लाख 89 हजार 637 टेस्टिंग की गई है। संभावित तीसरी लहर के मद्देनजर अब तक पूरे प्रदेश में 342 ऑक्सीजन प्लांट क्रियाशील किए जा चुके हैं। प्रदेश में लगभग 552 ऑक्सीजन प्लांट को क्रियाशील करने का लक्ष्य राज्य सरकार ने निर्धारित किया है। सभी ऑक्सीजन प्लांट के सक्रिय होने से भविष्य में भी प्रदेश के अस्पतालों में ऑक्सीजन की किल्लत नहीं होगी। 24 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश से देश के दूसरे प्रदेश टीकाकरण में कहीं पीछे हैं। पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्रए दिल्ली समेत अन्य प्रदेशों में जहां कम आबादी होने के बावजूद टीकाकरण धीमी गति से चल रहा वहीं यूपी लगातार रिकॉर्ड बना रहा है। यूपी में अब तक 6 करोड़ 63 लाख से अधिक टीकाकरण किया जा चुका है। जिसमें अब तक 5 करोड़ 58 लाख से अधिक पहली डोज और एक करोड़ 5 लाख से अधिक दूसरी डोज दी जा चुकी है।

12 जिलों में ट्रांसफार्मर ज्यादा फुंकने की होगी जांच

● कम से कम समय में बदले जाएं क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मरः ऊर्जा मंत्री

पायनियर समाचार सेवा, लखनऊ

गर्मी के दौरान ट्रांसफॉर्मर फुंकने की घटनाओं को कम करने के लिए पावर कारपोरेशन 12 जिलों में ट्रांसफॉर्मर की गुणवत्ता की जॉच करवाएगा। ऊर्जा मंत्री श्रीकान्त शर्मा ने ट्रांसफॉर्मर फुंकने और समय से न बदलने की शिकायतों को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि कुछ जनपदों में ट्रांसफार्मर फुंकने के पीछे लापरवाही की शिकायत आई है। अधिकारी इन शिकायतों की जॉच करवाएं। जॉच में ट्रांसफॉर्मर की गुणवत्ता में कमी मिलने पर संबन्धित कंपनियों के विरूद्ध भी कार्यवाई की जाए। ऊर्जा मंत्री ने निर्देशित किया है, जहॉ भी ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हों उन्हें कम से कम समय में बदलनें का प्रयास किया जाए।इस वर्ष प्रदेश में 107912 ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हुए। सबसे ज्यादा ट्रांसफार्मर फुंकने वाले जिले हैं गाजीपुर (8.41 प्रतिशत), बलिया (8.36 प्रतिशत), चदौली (8.14 प्रतिशत), देवरियॉ (7.03 प्रतिशत), आजमगढ़ (6.69 प्रतिशत), महाराजगंज (6.69 प्रतिशत), अलीगढ़ (6.62 प्रतिशत), मऊ (6.33 प्रतिशत), हापुड़ (5.88 प्रतिशत) जालौन (5.55 प्रतिशत), हाथरस (5.53 प्रतिशत), मेरठ (5.10 प्रतिशत) है। ऊर्जा मंत्री ने इन जिलों में ट्रांसफार्मर ज्यादा फुंकने की जॉच कराकर जबाबदेयी तय करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि जिन जिलों में ट्रांसफर्मर फुंकने की ज्यादा शिकायतें आ रही हैं वहॉ ऐसी व्यवस्था तत्काल बनाई जाए जिससे ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्ता में कमी आए। उन्होंने कहा कि यद्यपि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष क्षतिग्रस्तता में 0.57 प्रतिशत की कमी आई और 6396 ट्रांसफार्मर कम क्षतिग्रस्त हुए, फिर भी इसे और कम करने के लिए आवयक सभी कार्यवाई सुनिश्चित की जाये। ऊर्जा मंत्री ने निर्देशित किया है कि ट्रांसफार्मर वर्कशॉपों में लगातार मॉनीटरिंग की जाए जिससे की उन्हें जल्दी से जल्दी मरम्मत कर पुनः उपयोग में लाया जा सके। ऊर्जा मंत्री ने निर्माणाधीन ट्रांसफार्मर वर्कशॉप को निर्धारित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस समय पूरे प्रदेश में 85 वर्कशॉप कार्य कर रहे हैं, पूर्वांचल तथा दक्षिणांचल में 4 वर्कशॉप निर्माणाधीन है। ऊर्जा मंत्री ने ट्रांसफार्मरों के रख रखाव को निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मरों में अर्थिंग सहित स्वीकृत भार एवं अधिकतम मांग आदि का तुलनात्मक अध्ययन करके तत्काल समाधान कराया जाए।

मुख्यमंत्री आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी स्वागत योग्यः कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस ने सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी का स्वागत करते हुए कहा कि यह न्याय स्थापना की दिशा में एक सार्थक कदम है। ज्ञात हो कि राज्य सरकार के विभिन्न अपराधिक मामलों में अपराधियों के ऊपर से 77 मुकदमें वापस लिए थे जिसे गंभीर बताते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने टिप्पणी की है कि बगैर उच्च न्याय के समीक्षा किए बिना मुकदमें वापस लेना न्यायोचित नहीं था।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता कृष्णकांत पाण्डेय ने कहा कि बीजेपी जब से सत्ता में आई है 77 ऐसे मुकदमें वापस ले चुकी है जो प्रदेश की कानून व्यवस्था को खराब करने, दंगा, फसाद, डकैती और माबलिंचिंग से जुड़े थे। इससे अपराधियों का मनोबल बढ़ा और इसी का परिणाम रहा कि जहां बुलंदशहर में इस्पेक्टर सुबोध कुमार सिंह की हत्या हुई तो वहीं कानपुर के बिकरू में कई पुलिस अधिकारियों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। कानून के राज की स्थापना के लिए यह आवश्यक है कि राज्य के मुख्यमंत्री को संविधान की ली गई शपथ, जिसमें भय, पक्षपात, अनुराग या द्वेष के बिना समाज में न्याय व समता की स्थापना के लिए काम करना होता है उसका पालन किया जाना आवश्यक है पर यह दुर्भाग्यपूर्ण रहा है कि बीजेपी सरकार ने चुन-चुन करके उन व्यक्तियों से मुकदमें वापस लिए है जिनके कृत्यों से उत्तर प्रदेश में दंगे हुए, जानमाल का नुकसान हुआ, समाजिक सद्भाव तार.तार हुआ। सरकार ने जानबूझ कर एक पक्ष को बचाने का फैसला किया जिससे दूसरे पक्ष में भय और दहशत का महौल व्याप्त हो। यह कानून व्यवस्था की स्थापना के लिए बहुत घातक है इसी का परिणाम रहा कि इस सरकार में लगातार सामाजिक वैमनस्य बढ़ा और सोनभद्र जैसी घटनाएं यह सब सरकार के पक्षपात पूर्वक शासन करने का पीड़ादायक नतीजा ही हमारे सभ्य समाज को भुगतना पड़ा।

लोकतंत्र पर अवैध कब्जा करने के षड्यंत्र में लगी है भाजपाः अखिलेश यादव

लखनऊ । सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा चालाकी से लोकतंत्र पर अवैध कब्जा करने के षडयंत्र में लगी है। झूठ और छलकपट के साथ वह प्रदेश में विकास की घड़ी की सुई पीछे करना चाहती है। भाजपा को यह पता चल गया है कि जनता उसे हटाने जा रही है। सपा लोकतंत्र और समाजवाद के लिए प्रतिबद्ध है। जनता को लोकतंत्र बचाने के लिए पूरी सतर्कता और समझदारी से काम लेना होगा। यही आज का सबसे बड़ा राष्ट्रधर्म है। अखिलेश यादव ने कहा भाजपा की नीति और नीयत को देखते हुए तो ऐसा लगता है कि भाजपा कम्पनी की सरकार बनाने पर तुली है। भारत में ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने सरकार बनवाई थी। भाजपा सरकार को कम्पनी बनाने के कार्य में लगी है। भाजपा का एजेंडा समाज से विषमता मिटाना नहीं, अमीरी और गरीबी के फासले को विस्तार देना है। किसान की खेती को बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में बंधक बनाना और नौजवान के भविष्य को अनिश्चितता के अंधेरे गर्त में ढकेलना है। ग्रामीण उद्योगों को मिटाकर बड़े औद्योगिक घरानों को बढ़ावा देना है। भाजपा समाजवादी व्यवस्था लागू नहीं करना चाहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने किसानों को परेशानी में फंसाया है और उनके विरूद्ध अब निंदा अभियान भी चला रखा है। तथाकथित तीन कृषि सुधार कानूनों से कृषि व्यवस्था बदहाल होगी। चुनाव की बेला में भाजपा मतदाताओं को भ्रमित करने की रणनीति के तहत घोषणाओं का ढोंग और नौजवानों को राहत के ढोंगी रास्ते बताने में लग गई है। मनमानी लूट, अपराध, हत्या का रिकार्ड बनाने में भाजपा अव्वल है। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। महिलाएं एवं बच्चियां सर्वाधिक अपमान जनक जीवन जीने को मजबूर है। श्री यादव ने कहा कि देश की राजनीति संक्रमण के दौर से गुजर रही है। स्वतंत्रता आंदोलन की सभी मान्यताएं ध्वस्त की जा रही है। संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है अकेले समाजवादी ही भाजपा की कुनीतियों का मुकाबला कर सकते हैं। 2022 में होने वाले चुनावों में सपा के साथ लोकतांत्रिक शक्तियां भाजपा को सत्ता से बेदखल करके ही दम लेंगी।

आगरा शराब कांड से सीएम योगी नाराज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● आबकारी निरीक्षक समेत 4 निलंबित, मिलावटी शराब के सेवन से 10 लोगों की हुई मौत का मामला

आगरा में मिलावटी शराब के सेवन से 10 लोगों की हुई मौत की घटना से सीएम योगी आदित्यनाथ बेहद नाराज हैं। उनका निर्देश है कि इस गंभीर प्रकरण में अफसरों के साथ ही निचले स्तर पर लापरवाह के खिलाफस त से स त कार्रवाई हो। मु यमंत्री के स त निर्देशों के बाद क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षक संजय विद्यार्थी और आबकारी विभाग के 3 बीट आरक्षियों विशाल कुमार, राजेश कुमार शर्मा और अमित कुमार तेवटिया को निलंबित कर दिया गया है। जिला आबकारी अधिकारी आगरा नीलेश पालिया और आबकारी निरीक्षक रजनीश पाण्डेय के विरूद्ध विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आगरा में मिलावटी शराब से मौत की यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण में अफसरों के साथ ही संबंधित स्थानीय अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब से अवैध शराब की निर्माण, क्रय, विक्रय की एक भी घटना घटित न हो, इसके लिए ठोस कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही प्रदेश में अवैध शराब के खिलाफ प्रदेशव्यापी अभियान तेज किया जाए। इतना ही नहीं हर दोषी के खिलाफकठोरतम कार्रवाई की जाए। आगरा में पिछले 4 दिनों में जहरीली शराब के सेवन से दस लोगों की मौत हो गई। देवरिया गांव में चार और श साबाद क्षेत्र के गढ़ी जहां गांव में दो लोगों की मौत हो गई। कौलारा कलां और बरकुला गांवों में भी 4 लोगों की मौत हुई है। पुलिस ने पुष्टि की है कि चार लोगों की मिलावटी शराब पीने से मौत हुई है और छह अन्य लोगों की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। घटना के लिए तीन एसएचओ और छह कांस्टेबल सहित नौ पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। एडीजी जोन ने अपनी जांच में सेक्टर तीन फतेहबाद के आबकारी निरीक्षक संजय कुमार विद्यार्थी, सेक्टर सात ताजगंज के आबकारी निरीक्षक रजनीश कुमार पांडेय और तीन आबकारी सिपाही विशाल कुमार, राजेश कुमार शर्मा व अमरजीत तेवतिया को भी प्रथम दृष्टया जांच में दोषी पाया है। जिन इलाकों में ग्रामीणों की मौतें हुईं वहां अवैध रूप से शराब नहीं बिके यह देखना इनकी जि मेदारी थी। पुलिस के साथ इनकी निष्क्रियता भी उजागर हुई। एडीजी जोन ने इनके निलंबन की संस्तुति की है। निलंबन की कार्रवाई आबकारी विभाग के अधिकारियों को करनी है।

सभी शहरों के भीड़भाड़ वाले स्थानों से तत्काल हटाए जाएं अवैध बस स्टैंड

● डीजीपी ने एक सप्ताह का विशेष अभियान चलाने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के सभी शहरों में यातायात को सुगम बनाने के लिए डीजीपी मुकुल गोयल ने भीड़भाड़ वाले स्थानों और व्यस्ततम चौराहों से अवैध बस स्टैंड तत्काल हटाए जाने के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

राज्य के सभी जोनल एडीजी, रेंज के आईजी, डीआईजी, चारों पुलिस कमिश्नर और जिलों के सभी पुलिस कप्तानों को जारी किए गए निर्देशों में डीजीपी ने कहा है शहर के अनुमन्य बस स्टैण्ड के अतिरिक्त स्थानों पर प्राइवेट बस संचालकों द्वारा अवैध व मनमाने ढंग से बनाये गये बस स्टैण्ड व बस स्टॉप को चिन्हित करते हुए तत्काल नियमानुसार कार्यवाही कर उन्हे समाप्त किया जाए। निजी वाहन चालकों सहित रोडवेज ए ट्रान्सपोर्ट यूनियन व अन्य विभागों के वाहन चालकों आदि की कार्यशालाएं आयोजित की जाएं। कार्यशाला के दौरान चालकों को बसों आदि वाहनों को निर्धारित स्थानों पर ही रोकने एवं यातायात नियमों का सम्यक अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निरन्तर प्रेरित किया जाए। डीजीपी ने निर्देशित किया है कि स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा नगर निगम, परिवाहन व सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर अवैध बस स्टैण्ड. बस स्टाप पर प्रभावी अंकुश लगाते हुए निर्धारित बस स्टैण्ड. बस स्टॉप पर ही वाहन खड़ा कर सवारियों को उतारने व चढ़ाने की इजाजत दी जाए। यातायात नियमों का पालन न करने एवं बार-बार इस प्रकार की लापरवाही करने वाले प्राइवेट बस चालकों, संचालकों एवं सम्बन्धित ठेकेदारो के विरूद्ध नियमानुसार एमवी एक्ट आदि के अन्तर्गत कार्यवाही की जाए। शहर के बाहर जाने वाली बसों के चालकों द्वारा निर्धारित बस स्टॉप के अतिरिक्त अन्य स्थानों पर बसो को रोकने आदि अनियमितताओं पर अंकुश लगाया जाए। शहर के व्यस्ततम चौराहों आदि स्थानों पर डियूटीरत पुलिस कर्मियों को भी इसके लिए भली-भांति ब्रीफ कर दिया जाए कि निर्धारित बस स्टैण्ड .बस स्टॉप के अतिरिक्त अन्य स्थानों पर भारी सवारी वाहन कदापि न रुकने पाएं। अवैध बस स्टैण्ड. बस स्टॉप की रोकथाम के लिए एक सप्ताह का विशेष अभियान चलाया जाए तथा विशेष रूप से प्राइवेट बस चालकों के विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्यवाही की जाए।

मेजर ध्यानचंद की जयंती पर सपा आयोजित करेगी खिलाड़ी घेरा कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर 29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उनको समर्पित राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सपा पूरे प्रदेश में खिलाड़ी घेरा कार्यक्रम आयोजित करेगी। अखिलेश यादव ने खिलाड़ियों से अपील की है कि प्रदेश के सभी खेलों से जुड़े स्थानीय, मंडलीय, राज्य, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी अपनी-अपनी समस्याओं एवं मांगों के लिए खिलाड़ी घेरा बनाकर चर्चा करें।

पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि खिलाड़ी घेरा का मूल संदेश व उद्देश्य खिलाड़ियों की आवाज उठाना है। खिलाड़ी घेरा के मुख्य मुद्दे प्रमुख रूप से भाजपा सरकार द्वारा स्थानीय स्तर पर खिलाड़ियों की प्रतिभा खोज की खामियां, खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया में अपारदर्शिता व पक्षपात, स्पोर्ट्स एकेडमियों की सीमित संख्या व अनुपलब्धता, खिलाड़ियों के लिए खेल व अभ्यास उपकरणों की कमी, स्थानीय, क्षेत्रीय व राष्ट्रीयस्तर पर प्रतियोगिताओं की अनियमितता, स्थानीय स्तर पर स्टेडियम की कमी व रखरखाव की समस्याएं, खिलाड़ियों पर मानसिक दबाव व मनोवैज्ञानिक प्रोत्साहन की कमी, खिलाड़ियों के समुचित शारीरिक विश्राम की कमी, खिलाड़ियों के मानदेय में भेदभाव व स्वास्थ्य बीमा का विषय, प्रशिक्षकों को कम वेतनए मानदेय व दुसाध्य कार्यदशाएं आदि है।

मोदी-योगी की जन कल्याणकारी नीतियां विधान सभा चुनाव में बनेंगी जीत का आधार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी मुख्यालय पर गुरूवार को अनुसूचित जाति मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों की प्रथम बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह व प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने सभी नवनियुक्त प्रदेश टीम को नए दायित्व के लिए बधाई देते हुए मार्गदर्शन किया। स्वतंत्र देव सिंह ने मोर्चा पदाधिकारियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि मोदी सरकार व योगी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियां और योजनाएं 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की विजय का आधार बनेगी। सतत सम्पर्क व सतत संवाद ही पार्टी की कार्य पद्धति है। हमें समाज के हर वर्ग तक पहुंचकर लोगों से जुड़ना है और उन्हें पार्टी से जोड़ना है। हम 350 के लक्ष्य के साथ चुनाव में जा रहे है। और यह लक्ष्य पार्टी के परिश्रमी कार्यकर्ताओं के सामर्थ्य से पार्टी प्राप्त करेगी। उन्होंने कहा कि इस समय विपक्ष झूठ और भ्रम की राजनीति कर रहा हैं हमें विपक्ष के हर चक्र व्यूह को भेदना है। सुनील बंसल ने कहा कि मोदी के नेतृत्व की केन्द्र सरकार व योगी के नेतृत्व में प्रदेश भाजपा सरकार अन्त्योदय लक्ष्य के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं से सभी वर्गो का समावेश कर रही है। हमारा संगठनात्मक मूलमंत्र भी सर्वस्पर्शी, सर्वग्राही व सर्वसमावेशी है। संगठनात्मक कार्यों में दक्षता से ही नेतृत्व निर्माण होता है। इसलिए सभी को लक्ष्य 2022 के साथ सभी संगठनात्मक दायित्वों का निर्वहन करते हुए बूथ स्तर तक पहुंचाना है। पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रामचन्द्र कनौजिया ने बैठक की अध्यक्षता तथा पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व मोर्चा के प्रदेश प्रभारी देवेन्द्र चौधरी, प्रदेश मंत्री व सह प्रभारी देवेश कुमार कोरी एवं डीपी भारती भी बैठक में उपस्थित रहे।

ओडीओपी की ऊंची उड़ान फ्लिपकार्ट-अमेजन को देगी टक्कर

● शिल्पकारों ने ई कामर्स के माध्यम से 24 करोड़ से अधिक का किया व्यवसाय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

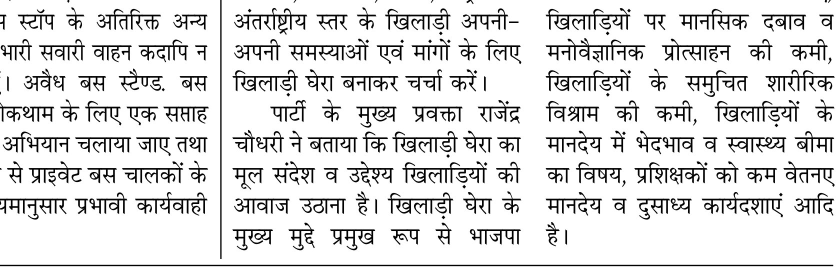

फाइल फोटो

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मेगा प्रोजेक्ट एक जिला, एक उत्पाद के तहत हैंडीक्राफ्ट को वैश्विक स्तर पर प्रमोट करने के लिए बड़ी पहल की गई है। फ्लिपकार्ट और अमेजन की तरह ओडीओपी अपना ई कामर्स प्लेटफॉर्म लांच करने वाला है। फिलहाल इसका फिल्ड ट्रायल चल रहा है। यूपी के ओडीओपी उत्पादों के लिए यह पहला समर्पित प्लेटफॉर्म होगा। सीएम योगी के निर्देश पर वैश्विक स्तर पर बढ़ते ऑनलाइन कारोबार को देखते हुए प्रदेश के ओडीओपी उत्पादों के लिए एक नया बाजार मिलने वाला है। इसके लिए तैयार किए जा रहे ई कामर्स प्लेटफॉर्म पर कोई भी जीएसटी रजिस्ट्रेशन वाला कारोबारी अपने उत्पाद बेच सकता है। सरकारी की ओर पहली बार बिना जीएसटी रजिस्ट्रेशन वाले ओडीओपी के शिल्पकारों को सब वेंडर बनाकर भी शामिल किया जा रहा है। इस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से खरीद होने पर शिल्पकार को सीधे मैसेज भेजा जाता है और हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से फोन कर बताया भी जाता है कि अपने उत्पाद तैयार रखें। इसके बाद संबंधित शिल्पकार से उत्पाद लेकर लॉजिस्टिक पार्टनर ग्राहक तक पहुंचाते हैं। एसीएस एमएसएमई डॉ नवनीत सहगल ने बताया कि हस्तशिल्प विकास एवं विपणन निगम के साथ ओडीओपी मार्ट बनाया जा रहा है। इससे जीएसटी और बिना जीएसटी रजिस्ट्रेशन वाले शिल्पकारों को फायदा है। ग्राहक को भी इस बात की गारंटी रहती है कि उसने जिस जिले का ओडीओपी उत्पाद खरीदा है वह विश्वसनीय है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ओडीओपी के उत्पादों की निःशुल्क कैटेलॉगिंग भी की जा रही है और जल्द ही ओडीओपी मार्ट का ऐप भी लांच किया जाएगा। सीएम योगी ने पिछले साढ़े चार साल में प्रदेश के पारंपरिक उत्पादों को नई पहचान दी है। इसके लिए सरकार की ओर से हस्त शिल्पियों और शिल्पकारों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रोत्साहित किया गया है। इसके अलावा तकनीकी उन्नयन के लिए उन्हें ट्रेनिंग भी दी गई है। साथ ही सब्सिडी देकर आर्थिक रूप से सहयोग भी किया गया है। जिसका नतीजा है कि प्रदेश में पहली बार पारंपरिक उत्पादों को नई पहचान मिली है और ऑफलाइन बिक्री के अलावा ऑनलाइन बिक्री भी शुरू की गई है। पिछले ढाई सालों में फ्लिपकार्ट, अमेजन और ईवे ऑनलाइन साइट पर 15 कैटेगरी के करीब 11 हजार उत्पाद ओडीओपी के हैं और करीब 355 शिल्पकारों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। ऑनलाइन कारोबार के माध्यम से शिल्पकारों ने 24 करोड़ से अधिक का व्यवसाय भी किया है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मदद कर सकता है जीनोमिक्सः राजनाथ सिंह

भाषा। हैदराबाद

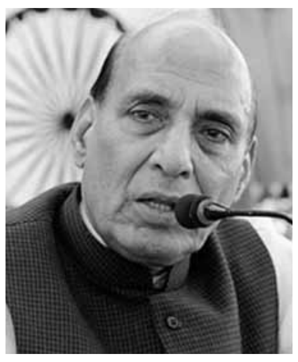

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि 21वीं सदी में जीनोमिक्स एक महत्वपूर्ण क्षेत्र होगा और इससे कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई व स्वास्थ्य सेवा में बड़े पैमाने पर मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कोविड जीनोम अनुक्रमण के जरिए जीनोम के उस हिस्से का पता लगाया जा सकता है जो अक्सर नहीं बदल रहा है और इससे टीका के विकास में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) ने 1990 के दशक में देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उसी प्रकार 21वीं सदी में जीनोमिक्स एक प्रमुख क्षेत्र होगा और देश तथा सामाजिक विकास में अहम भूमिका निभाएगा।

सिंह ने कहा कि भविष्य में जलवायु परिवर्तन एक बड़ी समस्या होने जा रही है और जीनोमिक्स ऐसी चुनौतियों से लड़ने में भी मददगार साबित हो सकता है। उन्होंने यहां एनकेसी सेंटर फॉर जीनोमिक्स रिसर्च के उद्घाटन पर एक वीडियो संदेश में कहा, "स्वास्थ्य और इलाज के साथ ही इसका उपयोग उत्पादकता बढ़ाने में भी किया जा सकता है। मध्य प्रदेश के पूर्व (दिवंगत) सांसद नंद कुमार सिंह चौहान के नाम पर स्थापित एनकेसी केंद्र कोविड जीनोम अनुक्रमण में काम करेगा और लोगों का जीवन बचाने में मदद करेगा।

सिंह ने उम्मीद जताई कि इस केंद्र की स्थापना से अन्य देशों पर भारत की निर्भरता कम होगी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने डिजिटल तरीके से केंद्र का उद्घाटन किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना किसानों की आय को दोगुना करने का है और इसके लिए उत्पादकता में वृद्धि, लागत में कमी और फसल के नुकसान को कम करने और फसलों की सही कीमत किसानों को सुनिश्चित करने के लिए प्रयासों की जरूरत है। एनकेसी सेंटर की स्थापना न्यूक्लियोम इंफॉर्मेटिक्स ने की है जो एक प्रमुख जीनोमिक्स अनुसंधान सेवा प्रदाता है। न्यूक्लियोम ने एक विज्ञप्ति में कहा कि प्रयोगशाला नवीनतम तीसरी पीढ़ी का अनुक्रमण करेगी और 5000 कोविड जीनोम और 500 मानव जीनोम का अनुक्रमण कर महामारी से लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसमें कहा गया है कि यह प्रयोगशाला कृषि, पशुपालन, और दवा में भारत की क्षमता को बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाएगी। अगला एनकेसी सेंटर इंदौर में स्थापित किया जाएगा।

उन्नीस करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त तीन लोग गिरफ्तार

मालदा (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल पुलिस के एक विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन से तीन लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 19 करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन जब्त की। एसटीएफ और जीआरपी ने बुधवार को डिब्रूगढ़-नई दिल्ली स्पेशल राजधानी ट्रेन के एक डिब्बे में छापा मारकर मणिपुर निवासी तीन लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 3.8 किलोग्राम हेरोइन जब्त की। उन्होंने बताया कि जब्त की गई हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 19 करोड़ रुपए है और आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस बीच, एक अन्य अभियान में एसटीएफ ने हथियारों का व्यापार करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 50 कारतूस और 49,000 रुपए नकद जब्त किए गए।

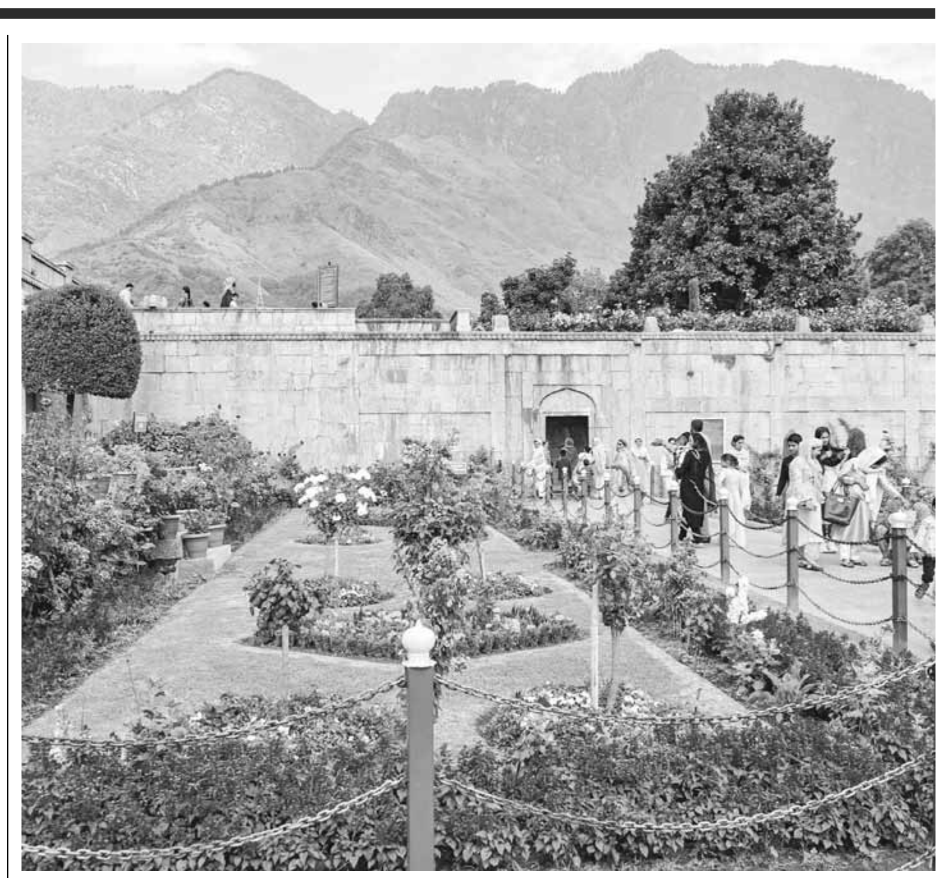

श्रीनगर में मुगल गार्डेन शालीमार में घूमते स्थानीय लोग व पर्यटक

गोवा में कांग्रेस के लिए माहौल काफी अनुकूलः चिदंबरम

पणजी। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस गोवा में अगले साल फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव में सभी 40 सीटों पर लड़ने के लिए कमर कस रही है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि राज्य का राजनीतिक माहौल पार्टी के लिए "काफी अनुकूल है। गोवा के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के नवनियुक्त चुनाव पर्यवेक्षक ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह भी विश्वास जताया कि कांग्रेस चुनाव के बाद राज्य में अगली सरकार बनाएगी लेकिन समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन के बारे में कोई भी फैसला उचित समय पर किया जाएगा।

कांग्रेस पार्टी अगले साल निर्धारित गोवा विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कमर कस रही है। शुरुआती आकलन यह है कि सभी निर्वाचन क्षेत्रों में राजनीतिक माहौल कांग्रेस के लिए काफी अनुकूल है। ऐसे संकेत हैं कि सरकार में बदलाव होगा और नई सरकार कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में होगी। उन्होंने कहा कि गोवा के लोगों को उम्मीद है कि सरकार में बदलाव होना चाहिए और कांग्रेस पार्टी उन्हें निराश नहीं करेगी।

चिदंबरम ने कहा कि पार्टी ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी जो "पार्टी की विचारधारा के प्रति वफादार और निष्ठावान, मेहनती और गोवा के लोगों के हितों को पूरा करने के लिए तैयार हैं। पार्टी को हर निर्वाचन क्षेत्र में कई उम्मीदवार मिलेंगे, लेकिन टिकट देने का फैसला क्षेत्र के प्रत्एक ब्लॉक के उन सक्रिय सदस्यों से विमर्श करने के बाद ही किया जाएगा जो युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवा दल और अन्य इकाइयों से संबंधित हैं। राज्य में पार्टी नेतृत्व में बदलाव और गोवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश चोडानकर को हटाए जाने के बारे में पूछने पर चिदंबरम ने कहा, मैं यहां किसी को हटाने के लिए नहीं आया हूं। ऐसे संगठनात्मक मामलों पर चर्चा और फैसला उचित समय पर किया जाता है।

चार नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में एक महिला नक्सली समेत चार नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। दंतेवाड़ा जिले के पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यहां बताया कि जिले में सुरक्षा बलों के सामने कटेकल्याण एरिया कमेटी सदस्य एवं स्वयंभू मिलिशिया कमांडर इन चीफ बुधरा सोड़ी उर्फ सोड़ी भास्कर (32 वर्ष), महिला नक्सली मनकी अलामी (24 वर्ष), सुंदर पदामी (30 वर्ष) और बोटी मंडावी (30 वर्ष) ने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सली बुधरा सोड़ी के सिर पर पांच लाख रुपए का तथा महिला नक्सली मनकी अलामी के सिर पर एक लाख रुपए का इनाम था। उन्होंने बताया कि नक्सली सुंदर पदामी और बोटी मंडावी के सिर पर 1010 हजार रुपए का इनाम है। नक्सलियों ने माओवादियों की खोखली विचारधारा से तंग आकर तथा जिले में चलाए जा रहे लोन वर्राटू (घर वापस आइए) अभियान से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण किया है।

कोविड के बढ़ते मामलों, संक्रमण दर को लेकर विपक्षी दलों ने केरल सरकार पर साधा निशाना

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार को कोविड-19 प्रबंधन के संबंध में कथित "लापरवाही भरे और मूर्खतापूर्ण फैसलों के लिए बृहस्पतिवार को अपने राजनीतिक विरोधियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की आलोचना का सामना करना पड़ा। आलोचकों के मुताबिक इन फैसलों के कारण दक्षिणी राज्य में नए मामलों और जांच में संक्रमण की पुष्टि की दर (टीपीआर) में वृद्धि हुई है। फिलहाल देश में संक्रमण के प्रतिदिन जो रोज नए मामले आ रहे हैं, उनमें से करीब 70 प्रतिशत मामले केरल में दर्ज किए जा रहे हैं।

केरल में बुधवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 31,445 नए मामले दर्ज किए गए जो इस अवधि में देश में सामने आए 46,164 मामलों का 68.11 प्रतिशत है। इससे पहले टीपीआर बुधवार को 19.03 प्रतिशत थी। पिछली बार इसने 19 प्रतिशत का आंकड़ा तीन महीने पहले 26 मई को पार किया था जब यह दर 19.95 प्रतिशत दर्ज की गई थी। केंद्रीय विदेश एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री वी मुरलीधरण ने इसका कारण केरल सरकार की लापरवाही बताया। उनके मुताबिक सरकार कोविड-19 के प्रबंधन के बजाय मोपला दंगों की बरसी मनाने पर ज्यादा ध्यान दे रही थी। राज्य सरकार की लापरवाही इसका कारण है। साथ ही कहा कि वामपंथी सरकार, मोपला दंगों की बरसी मनाने पर अधिक केंद्रित है। मीडिया से कहा, वह प्राथमिकता नहीं है। कोविड-19 से निपटना प्राथमिकता होनी चाहिए।

कांग्रेस विधायक रमेश चेन्नीथला ने भी इसी तरह के विचार व्यक्ति किए जिन्होंने बृहस्पतिवार को मीडिया से कहा कि राज्य सरकार कोविड-19 के प्रसार को रोकने में विफल रही है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन लोगों से माफी मांगें। उन्होंने भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार की लापरवाही केरल में कोविड-19 के मामले बढ़ने के लिए जिम्मेदार है। प्रख्यात जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ एस एस लाल ने स्पष्ट कोविड प्रबंधन रणनीति की कमी, वैज्ञानिक समुदाय को निर्णायक फैसलों से दूर रखने और नौकरशाही के स्तर पर लिए गए बेवकूफी भरे फैसलों को बीमारी के मौजूदा तेज प्रसार के लिए जिम्मेदार ठहराया। लाल कांग्रेस के टिकट पर हालिया विधानसभा चुनाव में मैदान में उतरे थे लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिल सकी। लाल ने वाम सरकार से राज्य में व्याप्त वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए वायरस के संक्रमण से संबंधित आंकड़े जारी करने का भी आग्रह किया। इसी तरह का आरोप राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने बुधवार को लगाया था और कहा था कि राज्य में कोविड नियंत्रण प्रणाली विफल हो गई है तथा वह चाहते हैं कि सरकार रोग प्रबंधन के लिए अपनी मौजूदा रणनीतियों एवं कार्यप्रणाली में सुधार करे।

क्विक न्यूज

सशस्त्र सेनाएं किसी दूसरे देश में राजनीतिक अशांति का भारत पर प्रभाव नहीं पड़ने देंगीः लोकसभा अध्यक्ष

लेह। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अफगानिस्तान के संदर्भ में बृहस्पतिवार को कहा कि हमारी सशस्त्र सेनाएं किसी दूसरे देश में राजनीतिक अशांति का भारत पर प्रभाव नही पड़ने देगी। बिरला पंचायती राज संस्थाओं के सशक्तिकरण के लिए संसदीय पहुंच कार्यक्रम के तहत एक सप्ताह के दौरे पर जम्मू कश्मीर और लद्दाख गए हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि वह पंचायती राज प्रणाली एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने के उद्देश्य से इस क्षेत्र के दौरे पर आए हैं। अफगानिस्तान के राजनीतिक संकट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि भारत सभी देशों में लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूत का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, हमें अपनी सशस्त्र सेनाओं पर पूरा भरोसा है कि वह किसी दूसरे देश (अफगानिस्तान) में राजनीतिक अशांति का भारत पर प्रभाव नही पड़ने देगी। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर उत्पन्न तनाव के बारे पूछे जाने पर बिरला ने कहा, भारत के सैनिक सीमाओं की रक्षा दृढ़ता के साथ करने को कटिबद्ध है। भारत आतंकवादी और विस्तारवादी नीति के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि कुछ देशों की विस्तारवादी नीति के कारण सीमा पर तनाव उत्पन्न होता है। बिरला का पैंगोंग झील, नुब्रा घाटी सहित लद्दाख के सुदूर क्षेत्रों में जाने का कार्यक्रम है। वे पहलगांव और श्रीनगर भी जाएंगे और पंचायतों के नेताओं से बातचीत करेंगे।

विधानसभा की कार्यवाही के सीधे प्रसारण को जानबूझकर बाधित किया गयाः नेता प्रतिपक्ष

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रीतम सिंह ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि सदन की कार्यवाही का सीधा प्रसारण जानबूझकर बाधित किया गया क्योंकि सरकार अपनी नाकामियों को छिपाना चाहती है। विधानसभा की कार्यवाही बृहस्पतिवार को प्रश्नकाल के दौरान स्थगित कर दी गई थी, जब विपक्षी दल के सदस्य हरिद्वार जिले के भगवानपुर में एक मेडिकल कॉलेज बनाने में राज्य सरकार की विफलता का विरोध करते हुए आसन के समक्ष आ गए थे। सिंह ने विधानसभा के बाहर संवाददाताओं से कहा, मानसून सत्र के पहले दिन दिवंगतों को श्रद्धांजलि देने का बिना किसी रुकावट के प्रसारण किया गया। लेकिन उसके बाद से कार्यवाही का सीधा प्रसारण या तो पूरी तरह से बाधित हो गया या बार-बार बाधित हुआ। उन्होंने आरोप लगाया, ऐसा जानबूझकर किया गया है क्योंकि सरकार अपनी विफलताओं को छिपाना चाहती है। वह नही चाहती कि तथ्य लोगों या मीडिया के सामने आएं।

भाजपा की खोखली धमकियों से नहीं डरते एमवीए मंत्रीः मलिक

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की विवादास्पद टिप्पणी के मद्देनजर, राज्य में सत्ता साझा करने वाली राकांपा ने बृहस्पतिवार को भाजपा पर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार के मंत्रियों और नेताओं को धमकाने का आरोप लगाया। राकांपा प्रवक्ता एवं राज्य के मंत्री नवाब मलिक ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा केंद्र सरकार की शक्ति का दुरुपयोग कर सकती है, लेकिन महाराष्ट्र का कोई भी नेता पार्टी की खोखली धमकियों से नही डरता। राणे की टिप्पणी के बाद भाजपा और सत्तारूढ़ शिवसेना के बीच झड़पों की ओर इशारा करते हुए राकांपा नेता ने कहा, भाजपा एमवीए मंत्रियों और नेताओं को धमकी दे रही है। वह सत्ता का दुरुपयोग करके झूठे मामलों में शिकायत दर्ज कराकर हमारे नेताओं को जेल भेजने के लिए स्वतंत्र है। इसमें भाजपा की ओर से कुछ भी नया नही है। राणे की टिप्पणी और उनके खिलाफ बाद की कार्वाई को लेकर पूरे महाराष्ट्र में विरोध- प्रदर्शन हुए। शिवसेना और भाजपा के कार्यकर्ता अलग-अलग आधार पर अपने-अपने प्रतिद्वंद्वी दल के नेताओं के खिलाफ कार्वाई की मांग को लेकर शिकायत दर्ज करा रहे हैं। अफगानिस्तान संकट के बारे में बात करते हुए मलिक ने कहा कि राकांपा का विचार है कि इस मुद्दे पर सभी राजनीतिक दलों के बीच एकता होनी चाहिए। उन्होने कहा, दिल्ली में इस मुद्दे पर एक बैठक में भाग ले रहे पार्टी अध्यक्ष शरद पवार सभी दलों के बीच एकता पर जोर देंगे...सरकार अब तक उठाए गए कदमों का विवरण देगी और बैठक में आगे की राह पर चर्चा करेगी।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बोम्मई ने केन्द्र से किया टीकों के अधिक खुराकों की आपूर्ति का अनुरोध

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज एस बोम्मई ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात की और उनसे राज्य को कोविड टीकों की अधिक खुराकों की आपूर्ति करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, बैठक में बोम्मई ने कोविड महामारी के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए किए गए उपायों के बारे में केंद्रीय मंत्री जानकारी दी। बाद में उन्होने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भी मुलाकात की। बैठक में कर्नाटक के जल संसाधन मंत्री गोविंदा करजोल, स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर, सांसद शिवकुमार उदासी और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव मंजूनाथ प्रसाद भी मौजूद थे।

सूरत में श्रावण चतुर्थी पर्व के अवसर पर गाय की पूजा करतीं महिलाएं

सीमा पर हालात सामान्य बनाने के लिए असम-मिजोरम के ग्रामीणों ने की बैठक

सिलचर (असम)। असम और मिजोरम के दरम्यान जटिल सीमा विवाद के समाधान की कोशिशों के बीच दोनों राज्यों के आम लोग स्थिति को सामान्य बनाने के लिए आगे आए हैं। मिजोरम के वैरेंगटे ग्राम परिषद की एक टीम ने आम लोगों साथ चर्चा करने के लिए कछार के लैलापुर का दौरा किया। वैरेंगटे मिजोरम के कोलासिब जिले का एक सीमावर्ती गांव है। अधिकारियों ने कहा कि ग्राम परिषद असम की ग्राम पंचायत से बात कर रही है। दोनों पक्षों के स्थानीय ग्राम निकाय बातचीत में लगे हुए हैं। वैरेंगटे संयुक्त ग्राम परिषद के नेता लालफंगकिमा ने बताया कि मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथांगा को सूचित करते हुए वैरेंगटे टीम ने यह कदम उठाया है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय के शांति प्रयासों के बावजूद ठीक एक महीने पहले 26 जुलाई को दोनों राज्यों के पुलिस बलों के बीच घातक गोलीबारी हुई थी। इसके बाद ट्रक चालकों ने एक ओर से दूसरी ओर जाने से इनकार कर दिया था, जिसके चलते कई सामानों की किल्लत हो गई थी। गोलीबारी में असम पुलिस के कम से कम छह कर्मियों की मौत हो गई थी।

बैठक में निर्णय लिया गया कि दोनों पक्षों के लोग व्यापार के सिलसिले में राज्य की सीमा के दूसरी ओर के गांवों में जा सकेंगे या बिना किसी बाधा के मित्रों और रिश्तेदारों से मिल सकेंगे। लालफंगकिमा ने कहा, अगर कोई किसी व्यवसाय या किसी अन्य वास्तविक जरूरत के लिए मिजोरम में प्रवेश करना चाहता है, तो वह जा सकता है। उसकी पूरी जिम्मेदारी मिजो ग्रामीण उठाएं। हालांकि, आगंतुक को दिन के भीतर लौटना होगा। मिजोरम में प्रवेश करने के लिए, एक इनर-लाइन-परमिट (आईएलपी) की आवश्यकता होती है। ग्राम परिषद को बिना आईएलपी के केवल एक दिन के लिए प्रवेश देने की अनुमति है। दोनों ग्राम दलों ने नियमित आधार पर आवाजाही की निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया है।

मादकपदार्थ मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने टॉलीवुड हस्तियों को तलब किया

हैदराबाद। ईडी ने 2017 में हैदराबाद और उसके आसपास मादक पदार्थों की आपूर्ति की जांच से संबंधित धनशोधन मामले में टॉलीवुड (तेलुगू फिल्म उद्योग) की 10 से अधिक हस्तियों को समन भेजा है। तेलंगाना निषेध एवं सीमा शुल्क विभाग ने इस गिरोह का पर्दाफाश किया था। जुलाई 2017 में इस गिरोह का भंडाफोड़ होने के बाद मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित कई मामले दर्ज किए गए थे। इस संबंध में एक अमेरिकी नागरिक समेत 20 से अधिक लोगों के गिरफ्तार किया गया था। अमेरिकी नागरिक अंतरिक्ष इंजीनियर था और नासा के लिए काम करता था। नौ आरोपियों में नीदरलैंड का एक नागरिक, एक दक्षिण अफ्रीकी नागरिक और सात बी.टेक डिग्री धारक शामिल थे, जो यहां बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करते थे। तेलंगाना के निषेध एवं सीमा शुल्क विभाग के एक एसआईटी ने अपनी जांच के दौरान टॉलीवुड-मादक पदार्थ के बीच कथित संबंध की भी तफ्तीश की थी।

सीएम स्पष्ट करें, सरकार को कौन अस्थिर करना चाह रहाः भाजपा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री पद को कथित तौर पर ढाई-ढाई वर्ष के लिए साझा करने संबंधी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान के बाद राज्य के मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने कहा है कि बघेल स्पष्ट करें कि सरकार को कौन अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है। राहुल गांधी से मुलाकात के बाद बुधवार को रायपुर में बघेल ने कहा था कि जो मुख्यमंत्री पद के ढाई-ढाई वर्ष के बंटवारे का राग अलाप रहे हैं वह राज्य में राजनीतिक अस्थिरता लाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें वह कभी सफल नहीं होंगे। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधायक अजय चंद्राकर ने ट्वीट कर कहा मुख्यमंत्री जी मुख्यमंत्री पद एक व्यक्ति नहीं संस्था होती है... तीन चौथाई बहुमत की सरकार को कौन अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है दिल्ली दरबार या कोई और.. ? आपको स्पष्ट करना चाहिए...आपके बयान से छत्तीसगढ़ का विकास प्रभावित होगा।

वहीं विधानसभा में विपक्ष के नेता धरमलाल कौशिक ने एक बयान जारी कर कहा है कि दिल्ली में विकास की बात करने वाले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ लौट कर जिस प्रकार ढाई-ढाई साल के फार्मूले पर चर्चा कर और इस आग में पानी डाल कर धुँए का गुबार छोड़ा है उससे स्पष्ट है कि कांग्रेस में अंतर्कलह और कुर्सी की लड़ाई अभी थमी नहीं हैं।

कौशिक ने कहा कि कांग्रेस के छत्तीसगढ़ प्रभारी पीएल पुनिया द्वारा ढाई-ढाई साल के विषय में चर्चा नहीं होने की बात ही इस बात को प्रमाणित करती है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की परेशानी अभी खत्म नहीं हुई है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री पद के कथित ढाई-ढाई वर्ष के बंटवारे तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के बीच तल्खी और आरोप प्रत्यारोप के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को बघेल और स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के साथ नई दिल्ली में बैठक की थी।

महाराष्ट्र सरकार आईपीएस रश्मि शुक्ला की रिपोर्ट सीबीआई के साथ साझा करने के लिए राजी

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने बंबई उच्च न्यायालय को बृहस्पतिवार को बताया कि वह पुलिस तबादलों और तैनाती में कथित भ्रष्टाचार पर आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट सीबीआई के साथ साझा करेगी। सीबीआई को राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ उसकी जांच के सिलसिले में इस रिपोर्ट की जरूरत है। राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रफीक दादा ने न्यायमूर्ति एस एस शिंदे और न्यायमूर्ति एन जे जामदार की खंडपीठ को बताया कि ए दस्तावेज 31 अगस्त तक सीबीआई को सौंपे जाएंगे। अदालत ए दस्तावेज उपलब्ध कराए जाने के लिए सीबीआई की अर्जी पर सुनवाई कर रही थी। सीबीआई ने दावा किया था कि राज्य सरकार कुछ दस्तावेज सौंपने से इनकार करते हुए सहयोग नहीं कर रही है। एजेंसी को कथित भ्रष्टाचार और आधिकारिक पद के दुरुपयोग को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता देशमुख के खिलाफ जांच के लिए इन दस्तावेजों की आवश्यकता है।

इससे पहले राज्य सरकार ने दावा किया था कि सीबीआई द्वारा मांगे गए दस्तावेज देशमुख के खिलाफ उसकी जांच के संबंध में प्रासंगिक नहीं हैं। पीठ ने इस महीने की शुरुआत में सरकार से पुन: विचार करने को कहा था और उसे यह बताने को कहा था कि क्या वह कुछ दस्तावेज साझा करने के लिए तैयार है। सीबीआई द्वारा मांगे दस्तावेजों में महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक को सौंपा शुक्ला का एक पत्र, पुलिस तबादलों और तैनातियों में कथित भ्रष्टाचार पर एक रिपोर्ट, रिपोर्ट के अनुलग्नक और पंचनामा भी शामिल हैं जो दिखाते हैं कि कैसे दस्तावेज एक विभाग से दूसरे विभाग को भेजे गए। रफीक दादा ने उच्च न्यायालय को बताया कि पंचनामा रिपोर्ट सौंपी नहीं जा सकती क्योंकि यह इस मुद्दे पर पुलिस की जांच का हिस्सा है।

सीबीआई की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने अदालत को बताया कि पंचनामा केवल रिपोर्ट सौंपने के संबंध में घटनाक्रम देखने के लिए चाहिए। बहरहाल दादा ने इसका विरोध किया और कहा कि इसकी देशमुख के खिलाफ जांच में कोई प्रासंगिकता नहीं है। उच्च न्यायालय ने 31 अगस्त तक रिपोर्ट साझा करने पर सरकार के बयान पर गौर किया और मामले पर अगली सुनवाई के लिए दो सितंबर की तारीख तय कर दी। उसने कहा कि ए मुद्दे पहले तो न्यायालय के सामने आने ही नहीं चाहिए। आप दोनों (राज और सीबीआई) को इन मामलों के लिए न्यायालय आन की जरूत नहीं है। कई अवसरों पर राज्य और सीबीआ ने दस्तावेज और सूचनाएं, विशेषकर अंतर्ज्र्य मुद्दों और दूसरे अपराधों के बारे मे, साझा की हैं।

राजगीर में बिहार पुलिस अकादमी की पासिंग आउट परेड में मुख्यमंत्री के सामने अपने हुनर का प्रदर्शन करते पुलिस कर्मी

स्थानीय उत्पाद के लिए मुखर बन रहा उद्योग जगत

● वाहन कलपुर्जा कंपनियां स्थानीयकरण पहल को लागू करने पर जोर दें: महेंद्र नाथ

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पाण्डेय ने गुरुवार को घरेलू वाहन कलपुर्जा उद्योग से उत्पादन में स्थानीयकरण पहल को जमीन पर लागू करने और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में निवेश बढ़ाने के लिए कहा।

भारी उद्योग मंत्री ने भारतीय वाहन कलपुर्जा विनिर्माता संघ (एसीएमए) के वार्षिक सत्र में कंपनियों से कर्मचारियों के कौशल विकास में निवेश करने के लिए भी कहा। पाण्डेय ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी का विजन है कि स्थानीय उत्पाद के लिए मुखर बना जाए और मुझे पता है कि उद्योग स्थानीयकरण पर काम कर रहा है। इस संबंध में सियाम और एसीएमए एक स्थानीयकरण मसौदा लेकर आए हैं और मैं उद्योग से इसे जमीन पर उतारने का अनुरोध करता हूं। केंद्रीय मंत्री ने उद्योग से विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र के लिए अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में निवेश बढ़ाने और कार्यबल तैयार करने का भी आग्रह किया।

विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए पाण्डेय ने कहा कि सरकार ने बैटरी उद्योग के साथ ही वाहन तथा वाहन कलपुर्जा क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजना शुरू की है, जिसके लिए क्रमशः 18,100 करोड़ रुपए और 97,000 करोड़ रुपए के परिव्यय का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि सरकार 10,000 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ फेम-2 योजना भी लाई है। इस योजना के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों को समर्थन दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि कार्बन फुटप्रिंट को जहां तक संभव हो कम करना है और सरकार ने इस संबंध में हाइड्रोजन तथा इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की योजना भी तैयार की है। उद्योग की सराहना करते हुए पाण्डेय ने कहा कि ऑटो क्षेत्र इस समय देश के सकल घरेलू उत्पाद में 2.3 प्रतिशत का योगदान देता है और 50 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देता है।

पाण्डेय ने कहा, हमने 2025-26 तक अगले पांच वर्षों में निर्यात को दोगुना करके 30 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इससे वैश्विक कारोबार में भारतीय ऑटो कलपुर्जा उद्योग की हिस्सेदारी बढ़कर तीन प्रतिशत से अधिक हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में रोजगार का आंकड़ा भी 2025 तक 70 लाख से अधिक होने की उम्मीद है।

वहीं नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने भी कहा कि भारतीय ऑटोमोबाइल और कलपुर्जा उद्योग को वाहनों के विभिन्न हिस्सों के लिए चीन पर अपनी आयात निर्भरता को खत्म करना और ऐसी वस्तुओं के स्थानीयकरण पर जोर देना चाहिए। उन्होंने भारतीय वाहन कलपुर्जा विनिर्माता संघ (एसीएमए) के 61वें वार्षिक सत्र में कहा कि फेम-2 योजना के तहत चयनित नौ शहरों में 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक बसें होने के बाद इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहनों को भी प्रोत्साहन देने पर विचार किया जाएगा।

चाय बोर्ड को नियामक नहीं बल्कि संवर्धन निकाय होना चाहिए: बेजबरुआ

कोलकाता । चाय बोर्ड के अध्यक्ष पी के बेजबोरुआ ने गुरुवार को कहा कि इस सांविधिक निकाय को नियामक की जगह संवर्धन और विपणन संगठन के रूप में अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। बेजबरुआ ने कहा कि उदारीकरण के मौजूदा परिदृश्य को देखते हुए 1953 के चाय अधिनियम के कुछ वर्गों को हटाने से जमीन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।उन्होंने सरकार द्वारा कानून की कुछ धाराओं को निलंबित करने के बारे में कहा, मुझे लगता है कि चाय बोर्ड को वर्तमान उदारीकृत वातावरण में नियामक के बजाय एक संवर्धन और विपणन निकाय के रूप में होना चाहिए। वाणिज्य मंत्रालय ने 23 अगस्त 2021 को एक अधिसूचना में कहा कि कानून की धारा 12 से 16, धारा 39 और 40 तत्काल प्रभाव से निलंबित रहेंगी। बेजबरुआ ने कहा कि इसका मतलब है कि अब फसल लगाने के लिए चाय बोर्ड से इजाजत की जरूरत नहीं होगी।

क्विक न्यूज

वाहनों के संपूर्ण बीमा को अनिवार्य किया जाए: अदालत

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा कि एक सितंबर से कोई भी नया वाहन बेचने पर उसका संपूर्ण बीमा (बंपर-टू-बंपर) अनिवार्य रूप से होना चाहिए। यह पांच साल की अवधि के लिए चालक, यात्रियों और वाहन के मालिक को कवर करने वाले बीमा के अतिरिक्त होगा। बंपर-टू-बंपर बीमा में वाहन के फाइबर, धातु और रबड़ के हिस्सों सहित 100 प्रतिशत आवरण मिलता है। न्यायमूर्ति एस वैद्यनाथन ने हाल के एक आदेश में कहा कि इस अवधि के बाद वाहन के मालिक को चालक, यात्रियों, तीसरे पक्ष और खुद के हितों की रक्षा करने के लिए सतर्क रहना चाहिए, ताकि उस पर कोई अनावश्यक उत्तरदायित्व न आए। उन्होने इरोड में विशेष जिला न्यायालय के मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण के सात दिसंबर 2019 के आदेश को चुनौती देने वाली न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की एक रिट याचिका को अनुमति दी। बीमा कंपनी ने कहा कि विचाराधीन बीमा पॉलिसी केवल तृतीय पक्ष द्वारा वाहन को पहुंचे नुकसान के लिए थी, न कि वाहन में सवार लोगो के द्वारा। बीमा कंपनी ने तर्क दिया कि कार मालिक के अतिरिक्त प्रीमियम देने पर कवरेज बढ़ाया जा सकता है। न्यायाधीश ने कहा कि यह दुखद है कि जब कोई वाहन बेचा जाता है, तो खरीदार को पॉलिसी की शर्तों और इसके महत्व के बारे में स्पष्ट रूप से नही बताया जाता है और इसी तरह खरीदार को भी पॉलिसी के नियमों तथा शर्तों को अच्छी तरह समझने में कोई दिलचस्पी नही होती, क्योंकि वह वाहन के प्रदर्शन के बारे में अधिक चिंतित रहता है, न कि पॉलिसी के बारे में।

एसीएमए ने तकनीक के स्थानीयकरण के लिए स्थिर, समदर्शी प्रौद्योगिकी मसौदे का आह्वान किया

नई दिल्ली। भारतीय वाहन कलपुर्जा विनिर्माता संघ (एसीएमए) ने गुरुवार को तकनीक के स्थानीयकरण के लिए एक दीर्घकालिक स्थिर और समदर्शी प्रौद्योगिकी मसौदे का आह्वान किया और कहा कि बिक्री में गिरावट के बीच यह उद्योग के अस्तित्व और प्रतिस्पर्धा के लिए महत्वपूर्ण है। एसीएमए के 61वे वार्षिक सत्र में संगठन के अध्यक्ष दीपक जैन ने कहा कि उच्च घरेलू कराधान, ईंधन की बढ़ती लागत, कमोडिटी की कीमतों में भारी बढ़ोतरी वाहनों की वहनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है और इससे कलपुर्जा क्षेत्र भी प्रभावित हो रहा है। उन्होने कहा, जैसा कि हम एक और साल में प्रवेश कर रहे हैं, हमे कुछ आंतरिक चुनौतियो पर ध्यान देने की जरूरत है, जिनका हम लगभग एक दशक से सामना कर रहे है। जैन ने इस मौके पर मारुति सुजुकी इंडिया के अध्यक्ष आर सी भार्गव द्वारा सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के वार्षिक सम्मेलन में देश में वाहन मांग की घटती वृद्धि दर को लेकर उठाई गई गंभीर चिंता को भी याद किया। उन्होंने कहा कि अब वक्त इस बात पर विचार करने का है कि वृद्धि को वापस हासिल करने के लिए किन रणनीतिक हस्तक्षेपो की जरूरत है।

टाटा स्काई ने भारत में बने सेट-टॉप बॉक्स बाजार में उतारे

नई दिल्ली। टाटा स्काई ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने टेक्नीकलर कनेक्टेड होम और फ्लेक्सट्रॉनिक्स के साथ साझेदारी में देश में बनाए गए सेट-टॉप बॉक्स की पहली खेप बाजार में उतार दी है। एक संयुक्त बयान में कहा गया कि टाटा स्काई की साझेदार कंपनी टेक्नीकलर कनेक्टेड होम ने इन सेट-टॉप बॉक्स के देश में निर्माण को लेकर फ्लेक्सट्रॉनिक्स के साथ हाथ मिलाया था। कंपनी के अनुसार इन सेट-टॉप बॉक्स का निर्माण चेन्नई में जून, 2021 में शुरू हुआ था। टाटा स्काई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी हरित नागपाल ने कहा, भारत में बने सेट-टॉप बॉक्स रोजगार पैदा करने में मदद करेंगे। गुणवत्ता की संतुष्टि के लिए संयंत्र से लेकर बिक्री से पहले तक बॉक्स का की जांच बार-बार की जाती है। हमें उम्मीद है कि यह प्रयास हमें भारतीय उपभोक्ताओं की बेहतर सेवा करने में मदद करेगा।

अर्धचालकों की कमी घरेलू ऑटो कलपुर्जा कंपनियों के लिए बड़ा अवसर: सियाम प्रमुख

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम के अध्यक्ष केनिची आयुकावा ने गुरुवार को कहा कि अर्धचालकों की कमी वाहन उद्योग के लिए एक बड़ी चुनौती है, लेकिन यह स्थिति घरेलू ऑटो कलपुर्जा कंपनियों के लिए एक बड़ा अवसर भी बन सकती है। भारतीय वाहन कलपुर्जा विनिर्माता संघ (एसीएमए) के वार्षिक सत्र में आयुकावा, जो मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ भी है, ने कहा कि वाहन खंड के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों की मांग कई गुना बढ़ गई है। उन्होंने कहा, कोविड-19 की चुनौती वैश्विक स्तर पर जारी है। अलग-अलग क्षेत्रो में अलग-अलग समय पर इसका असर हो रहा है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पहले से ही बहुत जटिल है, और ऐसे व्यवधान चुनौतियो को बढ़ा देते है। इसलिए हमें बढ़ती चुनौतियों के साथ तालमेल बिठाना होगा।

कू के उपयोगकर्ताओं की संख्या एक करोड़ हुई, अगले एक साल में 10 करोड़ का लक्ष्य

भाषा। नई दिल्ली

● राधाकृष्ण और मयंक बिद्वतका द्वारा स्थापित कू की शुरुआत पिछले साल हुई थी भारी बढ़ोतरी हुई

घरेलू माइक्रोब्लॉगिंग मंच कू के उपयोगकर्ताओं की संख्या एक करोड़ से अधिक हो चुकी है और कंपनी ने अगले एक साल में 10 करोड़ उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। कू के सह-संस्थापक अप्रमेय राधाकृष्ण का मानना है कि उपयोगकर्ता आधार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी के बावजूद बाजार में मौजूद वृद्धि क्षमताओं के मुकाबले उसकी उपलब्धि अभी बेहद शुरुआती है, क्योंकि इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों में सिर्फ दो प्रतिशत से भी कम लोग अपनी बात कहने के लिए माइक्रोब्लॉगिंग मंच का इस्तेमाल करते हैं। राधाकृष्ण ने बताया, अगर आप केवल अंग्रेजी को देखें, तो भारत में माइक्रोब्लॉगिंग दो प्रतिशत से कम लोगों तक सीमित है। देश में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाली आबादी के 98 प्रतिशत को इसके बारे में पता नहीं है। यह वह बाजार है, जिस पर कू की नजर है। ट्विटर की प्रतिस्पर्धी कू ने अपनी शुरुआत के 15-16 महीनों के भीतर एक करोड़ उपयोगकर्ताओं के आंकड़े को पार किया। इसमें करीब 85 लाख डाउनलोड इस साल फरवरी से अब तक हुए हैं। उन्होंने कहा, लगभग 70 करोड़ लोग आज इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं और उन सभी के पास (विभिन्न मुद्दों पर) एक विचार या राय है। उन्हें इस तथ्य से अवगत कराना कि कू मौजूद है और वे यहां कू पर आकर कह सकते हैं कि उनके मन में क्या है। आज हम बेहद शुरुआती अवस्था में हैं और हम कहीं अधिक बढ़ सकते हैं।

राधाकृष्ण और मयंक बिद्वतका द्वारा स्थापित कू की शुरुआत पिछले साल हुई थी। यह मंच हिंदी, तेलुगु और बंगाली सहित कई भारतीय भाषाओं का समर्थन करता है। भारत में ट्विटर के साथ केंद्र सरकार के विवाद और घरेलू डिजिटल मंच की बढ़ती मांग के बीच कू की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी। भारत में केंद्रीय मंत्रियों और सरकारी विभागों द्वारा घरेलू माइक्रोब्लॉगिंग मंच का समर्थन करने के बाद पिछले कुछ महीनों में कू के उपयोगकर्ताओं की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई। राधाकृष्ण ने कहा कि उन्हें न तो मांग में कमी आने की उम्मीद है और न ही घरेलू माइक्रोब्लॉगिंग समाधान के लिए उत्साह के खत्म होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि स्थानीय कानूनों और नियमों का पालन करना उनके व्यवसाय मॉडल का अभिन्न अंग है।

गणेश चतुर्थी के आगमन पर अमृतसर में गणेश प्रतिमाओं को अंतिम रूप देती कलाकार

याहू ने भारत में अपनी समाचार वेबसाइटों को बंद किया

नई दिल्ली (भाषा)। याहू ने भारत में डिजिटल सामग्री का परिचालन और प्रकाशन करने वाली मीडिया कंपनियों के विदेशी स्वामित्व को सीमित करने वाले नए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों के कारण देश में अपनी समाचार वेबसाइटों को बंद कर दिया है। इसमें याहू न्यूज, याहू क्रिकेट, फाइनेंस, एंटरटेनमेंट और मेकर्स इंडिया शामिल हैं। भारत में उपयोगकर्ताओं के लिए याहू ई-मेल और खोज सेवाएं प्रभावित नहीं होंगी। याहू वेबसाइट ने एक नोटिस में कहा, 26 अगस्त 2021 से याहू इंडिया अब कंटेंट प्रकाशित नहीं करेगी। आपका याहू खाता, मेल और खोज अनुभव किसी भी तरह से प्रभावित नहीं होंगे और पहले की तरह काम करेंगे। हम आपके समर्थन के लिए धन्यवाद करते हैं। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी वेरिजॉन ने 2017 में याहू का अधिग्रहण किया था।

वैश्विक बाजारों की नरमी से शेयर बाजारों में हल्की बढ़त

भाषा। मुंबई

वायदा एवं विकल्प खंड में मासिक निपटान का अंतिम दिन होने और वैश्विक बाजारों के नरम रुख के बीच शेयर बाजार बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के दौरान सीमित दायरे में रहा और अंत में यह 4.89 अंक यानी 0.01 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 55,949.10 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 2.25 अंक यानी 0.01 प्रतिशत की हल्की तेजी के साथ नए रिकार्ड स्तर 16,636.90 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में 1.29 प्रतिशत की तेजी के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज सर्वाधिक लाभ वाला शेयर रहा। इसके अलावा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक तथा एचयूएल और नेस्ले इंडिया में भी प्रमुख रूप से तेजी रही।दूसरी तरफ, गिरावट वाले शेयरों में भारती एयरटेल, मारुति, पावर ग्रिड, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, एनटीपीसी और सन फार्मा शामिल हैं। इनमें 4.18 प्रतिशत तक की गिरावट आई।

आनंद राठी के इक्विटी शोध प्रमुख नरेंद्र सोलंकी ने कहा, घरेलू बाजार की शुरूआत स्थिर रही और एशियाई बाजारों से मिली नकारात्मक खबर से कुछ समय के लिए मामूली गिरावट भी आई। दक्षिण कोरिया के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर में वृद्धि की है। वह पहला विकसित देश है, जिसने महामारी के दौरान यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि दोपहर कारोबार में कुछ प्रमुख कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आने का प्रयास दिखा। जून तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर रिकार्ड उंचाई पर रहने की रिपोर्ट से धारणा सकारात्मक रही।

सोलंकी के अनुसार हालांकि कारोबार समाप्त होने से पहले तेजी में कमी आई और बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। इसका कारण रेटिंग एजेंसी मूडीज की रिपोर्ट है जिसमें कहा गया है कि कोविड-19 महामारी के कारण बैंकों के लिए खुदरा और एसएमई (लघु एवं मझोले उद्यम) कर्ज खंड में संपत्ति को लेकर जोखिम बढ़ा है। जुलियस बेयर के कार्यकारी निदेशक मिलिंद मुचाला ने कहा, पिछले कुछ दिनों से घरेलू बाजार उच्च स्तर पर स्वयं को सुदृढ़ कर रहा है। वैश्विक स्तर पर खासकर अमेरिकी शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख से बाजार को समर्थन मिला...।

उन्होंने कहा, विदेशी संस्थागत निवेशकों के शुद्ध बिकवाल होने के बावजूद पिछले कुछ दिनों से बाजार में तेजी बनी हुई है। हालांकि, मुख्य सूचकांकों में कुछ हद तक गिरावट का रुख रहा। खासकर मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों से जुड़े सूचकांकों में यह देखने को मिला। जहां कई शेयरों में हाल की तेजी के बाद 10 से 25 प्रतिशत की गिरावट आई है।

खंडवार सूचकांकों में बीएसई एनर्जी, बिजली, तेल एवं गैस, पूंजीगत सामान, दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) और औद्योगिक सूचकांकों में 1.14 प्रतिशत तक की तेजी रही जबकि दूरसंचार, धातु और प्रौद्योगिकी सूचकांकों में गिरावट रही। मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों से जुड़े सूचकांक 0.31 प्रतिशत तक मजबूत हुए।

एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, हांगकांग और सियोल नुकसान में रहें जबकि तोक्यो में तेजी रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी दोपहर कारोबार में गिरावट का रुख रहा।इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ 70.85 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाले रुपया 2 पैसे की हल्की बढ़त के साथ 74.22 पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशक शुद्ध रूप से बिकवाली बने हुए हैं। उन्होंने बुधवार को।,071.83 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे।

देश में पहली बार आयोजित की जा रही इंटरनेशनल एडवरटाइजिंग कॉन्फ्रेंस 2021

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● पोस्ट कोविड रिवाइवल पर किया जाएगा पैनल डिस्कशन
● एडवरटाइजिंग मीडियम्स प्रमोशन पर आधारित है कॉन्फ्रेंस
● इंडस्ट्री के टॉप लीडर्स देंगे संबंधित विषयों पर अनूठा ज्ञान

कुछ बड़ा करने की चाह में कई सपने संजोए एक आंत्रप्रेन्योर चल पड़ता है अपने काम में बेहतरी का ताना बाना बुनने। फिर आती है संबंधित क्षेत्र में उस बिज़नेस विशेष के प्रचार प्रसार की बात। विभिन्न एडवरटाइजिंग मीडियम्स प्रमोशन में से उपयुक्त का चयन करने में अधिकांश समय व्यर्थ हो जाता है, जो उसे प्रतिस्पर्धा में पीछे करने का कारण बनता है। इस समस्या का समाधान लेकर आया है सक्सेस फैक्टर, जो 28 अगस्त को एक ही प्लेटफॉर्म पर सभी प्रकार के एडवरटाइज़र्स की सौगात लेकर आ रहा है। किसी बिज़नेस को प्रमोट किए जाने के लिए किस प्रकार के एडवरटाइजिंग मीडियम का चुनाव करना चाहिए, इसके बारे में इंडस्ट्री के टॉप लीडर्स कॉन्फ्रेंस में विस्तृत जानकारी प्रदान करेंगे।

भारत में पहली बार आयोजित इंटरनेशनल एडवरटाइजिंग कॉन्फ्रेंस 2021 में इंडस्ट्री के पोस्ट कोविड रिवाइवल पर पैनल में विशेष रूप से चर्चा की जाएगी, जो कि इस कॉन्फ्रेंस का बेहद महत्वपूर्ण बिंदु है। अनुकूलित खर्च के साथ ही उपयुक्त मीडियम का चयन निश्चित तौर पर बिज़नेस विशेष को बेहतरी से प्रमोट करने का माध्यम बनेगा। इसके साथ ही बेहतर मीडिया का चयन करके किस प्रकार अपने बिज़नेस को नई उड़ान दी जा सकती है, इस पर सौरभ खंडेलवाल, डायरेक्टर, मनी फॉर ड्राइव विशेष चर्चा करेंगे।

इंटरनेशनल एडवरटाइजिंग कॉन्फ्रेंस 2021 को मनी फॉर ड्राइव स्पॉन्सर कर रहा है, वहीं इसका पीआर पार्टनर, पीआर 24गुणा 7 तथा ऑनलाइन पार्टनर ट्रूपल डॉट कॉम है। बिज़नेस ऑनर्स, मीडिया मैनेजर्स, मार्केटिंग मैनेजर्स, कॉर्पोरेट्स, एजेंसीज़, इंटर्न्स, एडवरटाइजिंग तथा पीआर स्टूडेंट्स इस कॉन्फ्रेंस का हिस्सा बन सकेंगे और अपने नेटवर्किंग नॉलेज का विस्तार कर सकेंगे।

पेज 1 का शेष

धमाकों से...

हवाईअड्डे के पास हालात गंभीर रूप से बिगड़े हैं। आयरलैंड के डबलिन में अपने दौरे के दौरान एक प्रेसवार्ता में मैक्रों ने कहा, हम एक अत्यंत तनावपूर्ण स्थिति का सामना कर रहे हैं, ऐसे में हमें अपने अमेरिकी सहयोगियों के साथ समन्वय करना चाहिए। हवाई अड्डे पर हालात अनुकूल रहने तक फ्रांस अपने नागरिकों, अन्य सहयोगी देशों के लोगों और अफगानों को निकालना जारी रखेगा। वहीं, अफगानिस्तान में पशुशाला चलाने वाले ब्रिटेन के पॉल पेन ने ब्रिटिश समाचार एजेंसी को बताया कि हवाई अड्डे के पास हुए हमले के बाद की अफरा-तफरी में वह और उनके कर्मचारी भी फंस गए थे। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था के लोग उस समय हवाई अड्डे के बाहर ही थे जब धमाका हुआ। पॉल ने कहा, हम सभी सुरक्षित हैं लेकिन इस समय यहां अफरा-तफरी का माहौल है। अचानक हमे गोलियां चलने की आवाज सुनाई दीं और हमारे वाहन को निशाना बनाया जा रहा था। पिछले सप्ताह के दौरान इस युद्धग्रस्त देश से निकलने के लिए हवाई अड्डे पर अफरा-तफरी जैसा माहौल देखने को मिला था। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद से तालिबान के क्रूर शासन की आशंका के चलते तमाम लोग देश छोड़ने को आतुर नजर आ रहे हैं। कुछ देश पहले ही अफगानिस्तान से लोगों को निकालने का अभियान समाप्त कर चुके हैं और अपने सैनिकों और राजनयिकों को निकालना शुरू कर चुके हैं। तालिबान ने तय समयसीमा में निकासी अभियान के दौरान पश्चिमी बलों पर हमला नहीं करने का संकल्प जताया था। हालांकि, यह भी दोहराया है कि अमेरिका द्वारा 31 अगस्त की तय समयसीमा में सभी विदेशी सैनिकों को देश छोड़ना होगा। ब्रिटिश सरकार ने बृहस्पतिवार को चेतावनी दी कि इस्लामिक स्टेट (आईएस या आईएसआईएस) के आतंकवादियों द्वारा अफगानिस्तान में काबुल हवाई अड्डे पर जमा लोगों को निशाना बनाकर हमला किए जाने की बहुत विश्वसनीय खुफिया रिपोर्ट है। ब्रिटिश सशस्त्र बल मंत्री जेम्स हेप्पी ने दिन की शुरुआत में बीबीसी से कहा कि बहुत विश्वसनीय खुफिया सूचना है कि अफगानिस्तान छोड़ने की कोशिश में काबुल हवाई अड्डे पर जमा हुए लोगों पर इस्लामिक स्ट्टेट जल्द ही हमला करने की योजना बना रहा है। पश्चिमी देशों की तरफ से हमले की आशंका जताए जाने के कुछ ही घंटे बाद धमाके की यह जानकारी सामने आई है।

अफगानिस्तान से...

को लेकर 'देखो और प्रतीक्षा करो' का रुख अपनाया है जो उभरती स्थिति पर निर्भर करेगा । बाद में तालिबान को लेकर भारत के रुख के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में विदेश मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि अफगानिस्तान में स्थिति ठीक नहीं हुई है, इसे ठीक होने दीजिए। उन्होंने कहा कि आपको हमारी विदेश नीति से जुड़े सवाल पर संयम रखना होगा। वहां स्थिति ठीक होने दें। जयशंकर ने बाद में अपने ट्वीट में कहा कि हमारी तात्कालिक चिंता वहां से बाहर निकालने के कार्य और अफगानिस्तान के लोगों के साथ मित्रता के दीर्घकालिक हितों से जुड़ी हैं। पिछले सप्ताह तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जा करने की पृष्ठभूमि में, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राजनीतिक दलों के नेताओं को उस देश के ताजा हालात के बारे में जानकारी दी। संसदीय सौध में आयोजित इस बैठक में जयशंकर के अलावा राज्यसभा के नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल तथा संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी भी मौजूद थे। इसमें विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला सहित विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में मौजूद लोगों को अफगानिस्तान से बाहर निकालने के अभियान के संबंध में उपलब्ध कराये गए आंकड़ों के अनुसार, सरकार ने दूतावास के 175 कर्मियों, 263 अन्य भारतीय नागरिकों, हिन्दू एवं सिख समेत अफगानिस्तान के 112 नागरिकों, अन्य देशों के 15 नागरिकों को बाहर निकाला और यह कुल आंकड़ा 565 है। दस्तावेज के मुताबिक, सरकार ने अन्य एजेंसियों के माध्यम से भारतीयों को निकालने की सुविधा भी उपलब्ध करायी। इस महत्वपूर्ण बैठक में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, द्रमुक नेता टी आर बालू, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा, अपना दल की नेता अनुप्रिया पटेल सहित कुछ अन्य नेताओं ने हिस्सा लिया। जयशंकर ने यह भी कहा कि सरकार सभी भारतीयों को अफगानिस्तान से वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्री जयशंकर ने अफगानिस्तान के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक के बाद कहा कि इस बारे में (अफगानिस्तान के बारे में) सभी दलों के विचार समान हैं, हमने मुद्दे पर राष्ट्रीय एकता की भावना से बात की। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के बारे में हमारी मजबूत राष्ट्रीय दृष्टि है और अफगानिस्तान के लोगों के साथ मित्रता हमारे लिये महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आपरेशन देवीशक्ति के माध्यम से सरकार से छह उड़ानें संचालित की है और अधिकतर भारतीयों को वापस लाई है लेकिन अभी सभी भारतीयों को वापस नहीं लाया जा सका है। अभी भी कुछ भारतीय वहां हैं। जयशंकर ने कहा कि कुछ लोग कल की उड़ान पर सवार नहीं हो सके लेकिन निश्चित तौर पर हम सभी भारतीयों को लाने का प्रयास करेंगे । हम अफगानिस्तान के कुछ नागरिकों को भी लाये हैं जो अभी की स्थिति में भारत आना चाहते थे। हमने ई वीजा नीति के माध्यम से कई समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया। इसलिए कुल मिलाकर सरकार जल्द से जल्द पूरी तरह से लोगों की वापसी सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध है। अफगानिस्तान की स्थिति को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि इस मोर्चे पर अभी कई तरह की गतिविधियां की जानी हैं लेकिन अभी की स्थिति में ध्यान लोगों को वापस लाने पर है और सरकार अपने लोगों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। सर्वदलीय बैठक को लेकर जयशंकर ने ट्वीट किया कि अफगानिस्तान की स्थिति को लेकर सभी राजनीतिक दलों के सदन के नेताओं को जानकारी दी गयी और 31 दलों के 37 नेताओं ने इसमें हिस्सा लिया। सभी को धन्यवाद। विदेश मंत्री ने कहा कि अफगानिस्तान के लोगों के साथ भारत की घनिष्ठ मित्रता वहां 500 से अधिक परियोजनाओं से प्रदर्शित होती है और 'हमारी मित्रता भारत की मार्गदर्शक होगी। उन्होंने कहा कि हमने कठिन परिस्थितियों में वहां से बाहर निकालने का अभियान चलाया है, खासकर हवाई अड्डे की स्थिति को देखते हुए।' सूत्रों ने बताया कि जयशंकर ने राजनीतिक दलों के सदन के नेताओं को भारत द्वारा एहतियात के तौर पर उठाये गए कदमों की जानकारी दी जिसमें पिछले वर्ष हेरात और जलालाबाद में वाणिज्य दूतावास से अस्थायी तौर पर भारतीय कर्मियों को निकालने और इस वर्ष जून में काबुल में भारतीय दूतावास में कर्मियों की संख्या कम करना शामिल हैं। वहीं, जयशंकर ने कंधार में 10-11 जुलाई को भारतीय वाणिज्य दूतावास से भारतीय कर्मचारियों को निकालने तथा मजार ए शरीफ से 10-11 अगस्त को कर्मियों की वापसी का उल्लेख भी किया । उन्होंने इस संबंध में समय समय पर जारी परामर्शो का भी जिक्र किया जिसमें भारतीय नागरिकों से उस देश को छोड़ने की अपील की गई थी। उन्होंने कहा कि भारत की प्रथमिकता भारतीय नागरिकों को बाहर निकालने, राजनयिक कर्मियों का सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा पड़ोस प्रथम नीति के तहत संकट में पड़े अफगानिस्तान के नागरिकों की मदद करना रही है। उन्होंने कहा कि हमने स्थिति को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समन्वय एवं मानवीय प्रयास किये । भारतीय कूटनीति एवं हितों को अन्य देशों ने स्वीकार किया। विदेश मंत्री ने इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन, जर्मन चांसलर एंजेला मार्केल से चर्चा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में ऐसे और संवाद होंगे। जयशंकर ने इस संबंध में अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विशेष सत्र और जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग की बैठक की भारत द्वारा अध्यक्षता का भी उल्लेख किया।सूत्रों ने बताया कि काबुल से लोगों को बाहर निकालने को लेकर उत्पन्न चुनौतियों के बारे में जयशंकर ने काबुल के भीतर और हवाई अड्डे के पास गोलीबारी की घटना, कई स्थानों पर विभिन्न गुटों द्वारा चौकियां स्थापित करने का भी जिक्र किया। सूत्रों ने बताया कि विदेश मंत्री ने मंत्रालय द्वारा स्थापित 24 घंटे चलने वाले विशेष अफगानिस्तान प्रकोष्ठ का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि अफगानिस्तान से बाहर निकालने के संबंध में स्थापित इस प्रकोष्ठ में विदेश मंत्रालय के 20 से अधिक अधिकारी लगे हैं। उन्होंने कहा कि अब तक 3014 फोन कॉल प्राप्त हुए हैं और 7826 व्हाट्सएप संदेशों का जवाब दिया गया है।

सीबीआई ने...

शामिल होंगे। अदालत सीबीआई और एसआईटी दोनों की जांच की निगरानी करेगी और दोनों एजेंसियों को छह सप्ताह के भीतर अदालत में अपनी स्थिति रिपोर्ट पेश करनी होगी। इससे पहले, सीबीआई ने राज्य पुलिस द्वारा दर्ज मामलों का पूरा विवरण तलब किया था।

रूट का श्रृंखला में तीसरा शतक, इंग्लैंड ने भारत पर शिकंजा कसा

● भारतीय टीम पहली पारी में 78 रन पर सिमट गई थी

भाषा। लीड्स

फार्म में चल रहे कप्तान जो रूट (121 रन) ने भारतीय गेंदबाजों पर दबदबा बनाते हुए बड़ी सहजता से रन जुटाए जिससे इंग्लैंड ने गुरुवार को यहां तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन स्टंप तक पहली पारी में आठ विकेट पर 423 रन बनाकर 345 रन की बढ़त हासिल की और मेहमान टीम पर शिकंजा कस दिया।

रूट ने फुटवर्क और सही टाइमिंग का शानदार नजारा पेश करते हुए क्रीज पर उतरते ही तेजी से रन जुटाना शुरू कर दिया। पहले दो टेस्ट में शतक जड़ने वाले रूट ने भारतीय गेंदबाजों को इस मैच में भी कोई मौका नहीं दिया और इशांत शर्मा (92 रन देकर कोई विकेट नहीं) की गेंद को सीमा रेखा के पार कराकर 23वां शतक पूरा किया जो श्रृंखला में उनका तीसरा सैकड़ा है। जसप्रीत बुमराह (58 रन देकर एक विकेट) ने बोल्ड कर उनकी 14 चौके जड़ित खूबसूरत पारी का अंत किया। स्टंप तक पुछल्ले बल्लेबाज क्रेग ओवरटन 24 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि ओली रोबिनसन ने खाता नहीं खोला था।

भारतीय तेज गेंदबाजों में मोहम्मद शमी ने 87 रन देकर तीन विकट झटके जबकि मोहम्मद सिराज को दो और बुमराह को एक विकेट मिला। बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा ने श्रृंखला का पहला विकेट हासिल कर दो खिलाड़ियों को आउट किया। अब देखना होगा कि भारतीय टीम दूसरी पारी में किस तरह की बल्लेबाजी करती है क्योंकि अभी मैच में तीन दिन बचे हैं। इंग्लैंड ने बिना विकेट गंवाए 120 रन से आगे खेलना शुरू किया और सुबह के सत्र में 62 रन जोड़े जिसमें भारतीय गेंदबाजों को दो विकेट मिले। भारत पहली पारी में 78 रन पर सिमट गया था जिससे गेंदबाजों पर दबाव साफ झलक रहा था और पिच से भी उन्हें मदद नहीं मिली। लाईस पर यादगार जीत दर्ज करने में अहम भूमिका निभाने वाले भारतीय तेज गेंदबाजों की गेंदों पर कई बाउंड्री लगी। दूसरे सत्र में इंग्लैंड ने 116 रन बनाए और एकमात्र विकेट डेविड मलान (70 रन, 11 चौके) के रूप में गंवाया। सिराज (86 रन देकर दो विकेट) की फुल लेंथ गेंद मलान के बल्ले के किनारा चूमती हुई विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों में चली गई जिस पर भारतीय खिलाड़ियों की कैच की अपील को अंपायर ने ठुकरा दिया। पर गेंदबाज के कहने पर कप्तान विराट कोहली ने रिव्यू लिया और भारत को तीसरा विकेट मिल गया। तीसरे सत्र में मेजबानों ने 125 रन जोड़े जिसमें शमी ने जॉनी बेयरस्टो का विकेट झटककर भारत को चौथी सफलता दिलाई। कोहली ने बेयरस्टो का यह शानदार कैच लपका जिन्होंने अपनी 29 रन की पारी के दौरान जडेजा (88 रन देकर दो विकेट) की मिडिल स्टंप गेंद को उठाकर मिडविकेट पर छक्का लगाया था। शमी ने फिर जोस बटलर (07) को क्रीज पर जमने का मौका नहीं दिया जो उनकी गेंद पर चौका लगाने के बाद इशांत को कैच देकर पवेलियन पहुंचे। बुमराह ने 383 रन पर रूट को बोल्ड किया और मोईन अली दो गेंद खेलने के बाद खाता खोले बिना इसी स्कोर पर आउट हो गए जिन्हें जडेजा ने कैच आउट कराया। सिराज ने सैम करन (15) को आउट कर अपना दूसरा विकेट झटका। इससे पहले रूट अपनी मास्टरस्ट्रोक पारी के दौरान एक समय रन अ बॉल रन बना रहे थे, उन्होंने शमी की आफ स्टंप के बाहर जाती शार्ट लेंथ गेंद को चौके के लिए भेजकर महज 57 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्हें दूसरे छोर पर मलान से पूरा सहयोग मिला। तीन साल में अपना पहला टेस्ट खेल रहे मलान अच्छी लय में थे और क्रीज पर जम गए थे। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 189 गेंद में 139 रन की भागीदारी के दौरान दर्शकों के लिए कई दर्शनीय शॉट खेले। भारत को नई गेंद लेने के बाद अपने गेंदबाजों से विकेट लेने की उम्मीद थी, पर उन्हें दूसरे सत्र में एकमात्र सफलता चाय सत्र की अंतिम गेंद पर मिली जिसमें सिराज ने मलान को पंत के हाथों कैच आउट कराया। कप्तान से प्रेरणा लेते हुए मलान ने भी अपना अर्धशतक पूरा करने के लिए तेजी से रन बनाए जिसमें उन्होंने शमी की गेंद पर थर्ड मैन पर और प्वाइंट की ओर लगातार दो चौके जमाए। फिर एक रन लेकर सातवां अर्धशतक पूरा किया और दोनों के बीच 100 रन की साझेदारी भी पूरी हुई। भारत ने लंच तक दोनों सलामी बल्लेबाजों रोरी बर्न्स और हसीब हमीद को आउट कर दिया था लेकिन इंग्लैंड पर दबाव बनाने के लिए इतना काफी नहीं था जिसने लंच तक दो विकेट पर 182 रन बनाए। शमी सुबह भारत के चारों तेज गेंदबाजों में सबसे ज्यादा खतरनाक दिखे, बाकी अन्य को लगातार दूसरे दिन सीम या स्विंग मूवमेंट का फायदा नहीं मिला। शमी ने राउंड द विकेट गेंदबाजी करते हुए खेल के पहले घंटे में बर्न्स (61 रन, छह चौके, एक छक्का) को बोल्ड किया। शमी की शानदार गेंद पर बर्न्स ने कवर ड्राइव खेलने का प्रयास किया, पर यह दनदनाते हुए उनके ऑफ स्टंप उखाड़ ले गई।

यूपी सरकार ने भारतीय कुश्ती को 2032 ओलंपिक तक गोद लिया

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष ब्रिजभूषण शरण सिंह ने कहा कि कुश्ती खेल को गोद लेने वाली उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पहलवानों के समर्थन और बुनियादी ढांचों के लिए 2032 ओलंपिक तक 170 करोड़ रूपए का निवेश किए जाने की उम्मीद है। डब्ल्यूएफआई के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि उन्होंने ओडिशा सरकार के हॉकी खेल के समर्थन देने के कदम से प्रेरणा लेकर उत्तर प्रदेश सरकार से अपने खेल के लिए इसी तरह की मदद की गुजारिश की।

सिंह ने कहा, ओडिशा छोटा राज्य है, फिर भी वह इतने शानदार तरीके से हॉकी का समर्थन कर रहा है तो हमने सोचा कि उत्तर प्रदेश कुश्ती का समर्थन क्यों नहीं कर सकता जबकि यह इतना बड़ा राज्य है। हमने उनसे संपर्क किया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा, हमने अपने प्रस्ताव में 2024 खेलों तक प्रत्येक वर्ष समर्थन के लिए 10 करोड़ रूपए की मांग की (मतलब 30 करोड़ रूपए) और फिर 2028 के अगले ओलंपिक चक्र के लिए प्रत्यक वर्ष 15 करोड़ रूपए (60 करोड़ रूपए) की मदद के लिए कहा है। और अंतिम चरण में 2032 के लिए प्रत्एक वर्ष 20 करोड़ रूपए (80 करोड़ रूपए) के लिए कहा। सिंह ने कहा, ऐसा करने से प्रयोजन सिर्फ देश के शीर्ष पहलवानों तक ही सीमित नहीं रहेगा।

कपिल देव ने खेल उपकरणों पर शुल्क हटाने की मांग की

भाषा। नई दिल्ली

महान क्रिकेटर कपिल देव को लगता है कि खेल उपकरणों से शुल्क हटाने से देश को और अधिक चैम्पियन बनाने में मदद मिलेगी क्योंकि ज्यादा से ज्यादा बच्चे खेल उत्पाद खरीद सकेंगे और खेलों में आ सकेंगे। ओलंपिक में पदक से चूककर चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने हाल में कहा था कि वह किस तरह सरकार की टॉप्स योजना का फायदा नहीं उठा सकी थीं क्योंकि वह तोक्यो खेलों के लिए महज 60 दिन पहले ही क्वालीफाई कर पाई थीं।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that Harish Chander Vatsa is the owner of Flat bearing no. UG-06, on upper Ground Floor, in Block B, Property Bearing no. RZ-431, measuring 80 Sq. Yds., out of Khasra No. 64/12/3, situated in the area of Village Palam, abadi known as Raj Nagar-II, Palam Colony, New Delhi-110043 vide Partition deed dated 18.03.2016 duly registered in the office S.R. Delhi as Doc. No. 2562, Dated 5/4/16, Whereas she has lost the previous recital of that i.e. Relinquishment deed dated 10.06.2009 having Doc. No. 4687 in favour of Shyam Sunder Vatsa and Harish Vatsa

All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned. **Kamal Kant Gupta (Advocate)**
Shop No. 5 & 6, Pkt-E, CSC, Mayur Vihar-II, Delhi-91, Mob. 9810063351

एशियाई युवा मुक्केबाजी: छह भारतीय फाइनल में

भाषा। नई दिल्ली

भारत के छह मुक्केबाजों ने दुबई में चल रही एशियाई युवा चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है। इनमें से दो मुक्केबाजों को वाकओवर मिला क्योंकि कजाखस्तान के दल में कोविड-19 का मामला पाए जाने के बाद उसके खिलाड़ी पृथकवास पर हैं। फाइनल में जगह बनाने वाले छह मुक्केबाजों में दो पुरुष और चार महिला खिलाड़ी शामिल हैं। महिलाओं के वर्ग में सिमरन वर्मा (52 किग्रा) और स्नेहा (66 किग्रा) को वाकओवर मिला क्योंकि उनकी प्रतिद्वंद्वी कजाखस्तान की खावा बोल्कोएवा और अनार तुरिनबेक को पृथकवास पर जाना पड़ा था।

भारतीय कोच भास्कर भट्ट ने पीटीआई-भाषा से कहा, इनमें से एक लड़की को कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाया गया और दूसरी को पृथकवास पर जाना पड़ा क्योंकि वह संक्रमित लड़की के साथ एक ही कमरे में रह रही थी। इसलिए हमें इन दो वर्गों में वाकओवर मिला। इनके अलावा महिलाओं के वर्ग में प्रीति (57 किग्रा) और प्रीति दहिया (60 किग्रा) ने भी फाइनल में प्रवेश किया। प्रीति ने नेपाल की नारिका राय को तीसरे राउंड में नाकआउट किया जबकि प्रीति दहिया ने उज्बेकिस्तान की रख्शोना उकतामोवा को 3-2 से हराया। पुरुष वर्ग में वंशज (64 किग्रा) ने ईरान के फरीदी अबुलफजल को 5-0 से जबकि विशाल (80 किग्रा) ने कजाखस्तान के दौरान मामिर को इसी अंतर से हराया। दक्ष (57 किग्रा) को हालांकि उज्बेकिस्तान के सोलिजोनोव समंदर से 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। अभिमन्यु (92 किग्रा) और अमन सिंह बिष्ट (92 किग्रा से अधिक) को भी कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

टायफो, कारेनो बस्टा विन्सटन सलेम ओपन के क्वार्टर फाइनल में

एपी। विन्सटन सलेम (अमेरिका)

एंडी में को बाहर का रास्ता दिखाने वाले फ्रांसिस टायफो ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए विन्सटन सलेम ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में थियागो मोंटिरो को 7-5, 7-6 (2) से हराया। विश्व में 51वें नंबर के 23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने मोंटिरो की 12वें गेम में सर्विस तोड़कर पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट के टाईब्रेकर में उन्होंने अपनी सर्विस बचाए रखी और मैच अपने नाम किया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त स्पेनिश खिलाड़ी पाब्लो कारेनो बस्टा ने भी क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। विश्व में 12वें नंबर के बस्टा ने 16वीं वरीयता प्राप्त डोमिनिक कोफर को 6-2, 6-3 से हराया। एक अन्य मैच में विश्व में 82वें नंबर के 35 वर्षीय खिलाड़ी रिचर्ड गास्केट ने विश्व में 27वें नंबर के खिलाड़ी और तीसरी वरीयता प्राप्त डेनियल इवान्स को 6-4, 7-6 (4) से पराजित किया। जर्मनी के यान लेनार्ड स्ट्रफ और फ्रांस के बेनोइट पियरे अन्य वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रहे जिन्हें बाहर का रास्ता देखना पड़ा।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public that Mrs. Santosh Garg is owner/ attorney holder and in possession of Property no. 1/10038-E, area 123 sq. yds., Khasra No. 488/305, in Village Babarpur, in the Abadi of West Gorakh Park, Illaqa Shahdara, Delhi. by virtue of GPA, Agreement to sell & will all dated 09.03.1984, All persons are hereby informed that above mentioned attorney holder want sell the said property to someone who is taking home loan from Fullerton India Home Finance Company Ltd. for purchase of the said property, if anybody has any objection/s upon said property /its ownership & Title/ its Sale and Mortgage, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.
Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल **मातृभूमि सेवा पार्टी** के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय का पता : **ए-118, दुर्गा विहार नजदीक देवली, नई दिल्ली- 110062** में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29 क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है-पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए हैं :-

अध्यक्ष : सुधीर नेगी
महासचिव : महावीर सिंह फरस्वाण
कोषाध्यक्ष : दयाल सिंह

यदि किसी को **मातृभूमि सेवा पार्टी** (प्रस्तावित पार्टी का नाम) के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली- 110001 को, इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

पीसीबी चेयरमैन पद से हटे एहसान मनी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चेयरमैन एहसान मनी ने गुरुवार को अपने पद से हटने का फैसला किया। उन्होंने तीन साल का कार्यकाल पूरा किया। पीसीबी के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि मनी अब बोर्ड के चेयरमैन नहीं होंगे क्योंकि उनका कार्यकाल 25 अगस्त को समाप्त हो गया। उन्होंने कहा, हम इस पर कुछ और टिप्पणी नही कर सकते क्योंकि नए चैयरमैन के चुनाव के लिए अधिसूचना प्रधानमंत्री ही जारी करेंगे।

भाविनाबेन टेबल टेनिस के नॉकआउट दौर में, सोनलबेन बाहर

पैरालंपिक खेल

भाषा। टोक्यो

भारतीय खिलाड़ी भाविनाबेन पटेल गुरुवार को यहां ग्रेट ब्रिटेन की मेगान शैकलटन पर 3-1 की जीत से तोक्यो पैरालंपिक खेलों की टेबल टेनिस प्रतियोगिता के महिला एकल क्लास 4 के नॉकआउट दौर में पहुंच गईं। भारत की 34 वर्षीय खिलाड़ी ने विश्व में नौवें नंबर की शैकलटन को 41 मिनट तक चले मैच में 11-7, 9-11, 17-15, 13-11 से हराया।

विश्व में 12वें नंबर की भारतीय के लिए यह करो या मरो वाला मैच था। उन्होंने पहला गेम केवल आठ मिनट में जीता लेकिन शैकलटन ने दूसरा गेम जीतकर अच्छी वापसी की। इसके बाद अगले दो गेम में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी जी जान लगा दी लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने महत्वपूर्ण मौकों पर अंक बनाए और जीत हासिल करने में सफल रही। स्पर्धा में हिस्सा ले रही एक अन्य भारतीय सोनबेन मनुभाई पटेल को हालांकि शिकस्त का सामना करना पड़ा और उनका अभियान थम गया। उन्हें क्लास 3 महिला एकल के अपने दूसरे मैच में कोरिया की एमजी ली के खिलाफ 12-10 5-11 3-11 9-11 12-10 5-11 3-11 9-11 से शिकस्त झेलनी पड़ी। वह बुधवार को अपने पहले ग्रुप मैच में भी हार गई थी। क्लास तीन वर्ग में खिलाड़ियों का अपन कमर पर नियंत्रण नहीं होता लेकिन इसके बावजूद उनके हाथों पर इसका न्यूनतम असर होता है। भाविनाबेन ने मैच के बाद कहा, मैं आगामी मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना चाहती हूं। मैंने आज धैर्य बनाए रखने की और गेंद पर ध्यान लगाए रखने की कोशिश की। मैंने किसी नकारात्मक विचार से अपना ध्यान भंग नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि मैं इस कड़े मुकाबले में जीत दर्ज करने में सफल रही। मैंने एक एक अंक के लिए संघर्ष किया। मैंने हार नहीं मानी।

गुमशुदा की तलाश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक महिला (चित्र में दर्शायी गयी), जिसका नाम: काजल, पत्नी: जीतू, पता: म.सं. डी-44, गली नं0 03, नाथु कॉलोनी, स्कुल ब्लाक, नन्द नगरी, दिल्ली, उम्र लगभग 25 वर्ष, जो दिनांक 08.08.2021 से अपने घर से गुमशुदा है। इस बाबत DD No. 58-A, दिनांक 10.08.2021 से थाना नन्द नगरी, दिल्ली में दर्ज है। महिला का

काजल

कद: 5' फीट, रंग: गेहुँवा, चेहरा: गोल शरीर: मध्यम, पहनावा: नांरगी और सफेद रंग की फॉक, हरे रंग की लोवर और पैरों में ग्रे रंग की सैन्डल पहने हुए।

किसी व्यक्ति को इस गुमशुदा महिला के बारे में कोई भी जानकारी/सूचना मिले तो इसकी सूचना थाना नन्द नगरी, दिल्ली को ई-मेल: cic@cbi.gov.nic.in अथवा वेबसाइट: http://cbi.nic.in फोन नम्बर: 011-24368638 or 24368641 पर दें।

थानाध्यक्ष
थाना नन्द नगरी, दिल्ली
फोन नं0: 011-22131093

DP/987/NE/2021

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना संख्या: 08/टीएमसी/2021, दिनांक 23-08-2021

प्रमुख मुख्य इंजीनियर पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ट्रैक मशीन स्पेयर्स हेतु ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रित करते है:-

क्रम सं.-01, खुली निविदा संख्या तथा बन्द होने की तिथि: 3M215080 बन्द होने की तिथि: 22-09-2021, **(i) संक्षिप्त विवरण:** निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति: टंगस्टन कार्बाइट टेम्पिंग टूल (टीसीटीटी) प्रति सेट 32 टीसीटीटी, पार्ट संख्या/आर.डी.एस.ओ. ड्रॉइंग सं.: आर.डी.एस.ओ. ड्राइंग सं.-टीएम/14ए/16-16 नग, टीएम/14बी/16-04 नग, टीएम/14सी/16-04 नग व टीएम/14डी/16-08 नग (प्लासर पार्ट सं.-सीयू 30-4020-बीई-एफआर IV, सीयू 30-4020-बीई-एफआर II, सीयू 30-4020-बीई-एफआर III एवं सीयू 30-4020-बीई-एफआर I) के अनुसार [एक्सेप्टेबल मेक: प्लासर अथवा समरूप] आवश्यक मात्रा: 06 सेट। **(ii) संक्षिप्त विवरण:** निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति: टंगस्टन कार्बाइट टेम्पिंग टूल (टीसीटीटी) प्रति सेट 16 टीसीटीटी, पार्ट संख्या/आर.डी.एस.ओ. ड्रॉइंग सं.: आर.डी.एस.ओ. ड्राइंग सं.-आर.डी.एस.ओ. टीएम/01ए/16-08 नग एवं आर.डी.एस.ओ. टीएम/01बी/16-08 नग (प्लासर पार्ट सं.-सीयू-30-6820-बीई-एफआर I व सीयू 30-6220-बीई) के अनुसार [एक्सेप्टेबल मेक: प्लासर अथवा समरूप] आवश्यक मात्रा: 04 सेट। **(iii) संक्षिप्त विवरण:** निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति: टंगस्टन कार्बाइट टेम्पिंग टूल (टीसीटीटी) प्रति सेट 16 टीसीटीटी, पार्ट संख्या/आर.डी.एस.ओ. ड्रॉइंग सं.: आर.डी.एस.ओ. ड्राइंग सं.-आर.डी.एस.ओ. टीएमसी/01ए/16-08 नग एवं आर.डी.एस.ओ. टीएम/01सी /16-08 नग (प्लासर पार्ट सं.-2 डब्लू 31-41बी व डब्लू 37-1320) के अनुसार [एक्सेप्टेबल मेक: प्लासर अथवा समरूप] आवश्यक मात्रा: 01 सेट। **(iv) संक्षिप्त विवरण:** निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति: टंगस्टन कार्बाइट टेम्पिंग टूल (टीसीटीटी) प्रति सेट 32 टीसीटीटी, पार्ट संख्या/आर.डी.एस.ओ. ड्रॉइंग सं.: आर.डी.एस.ओ. ड्राइंग सं.-आर.डी.एस.ओ./टीएम/15ए/16-08 नग, आर.डी.एस.ओ./टीएम/15बी/16-08 नग, आर.डी.एस.ओ./टीएम/15सी/16-08 नग व आर.डी.एस.ओ./टीएम/15डी/16-08 नग, (प्लासर पार्ट सं.-सीयू-30-10840-एफआर I, सीयू-30-10840-एफआर II, सीयू-30-10840-एफआर III एवं सीयू-30-10840-बीई-एफआर VI के अनुसार [एक्सेप्टेबल मेक: प्लासर अथवा समरूप] आवश्यक मात्रा: 02 सेट। **(v) संक्षिप्त विवरण:** निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति: टंगस्टन कार्बाइट टेम्पिंग टूल (टीसीटीटी) प्रति सेट 48 टीसीटीटी, पार्ट संख्या/आर.डी.एस.ओ. ड्रॉइंग सं.: आर.डी.एस.ओ. ड्राइंग सं.-आर.डी.एस.ओ./टीएम/15ए/16-32नग व आर.डी.एस.ओ./टीएम/15ई/16-16 नग, (प्लासर पार्ट सं.-सीयू-30-8820-एफआर I, व सीयू-30-8820-एफआर-V के अनुसार [एक्सेप्टेबल मेक: प्लासर अथवा समरूप] आवश्यक मात्रा: 02 सेट। प्रेषिती: सीसेई/टीएमसी कार्यशाला/गोरखपुर छावनी, परिदान अवधि: 120 दिन। अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 95,55,000.00, बयाना राशि: ₹ 1,91,100.00 **क्रम सं.-02,** खुली निविदा संख्या तथा बन्द होने की तिथि: 3M215085 बन्द होने की तिथि: 15-09-2021, **संक्षिप्त विवरण:** निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति: वैरिएबल डिस्प्लेसमेंट पम्प, पार्ट संख्या/आर.डी.एस.ओ. ड्रॉइंग सं.: सिम्पलेक्स पार्ट सं एसएफडी 237-6500 पीओएसआई [एक्सेप्टेबल मेक: सिम्पलेक्स अथवा रैक्सरॉथ मात्र] आवश्यक मात्रा: 02 नग, प्रेषिती: सीसेई/टीएमसी कार्यशाला/ गोरखपुर छावनी, परिदान अवधि: 120 दिन। अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 13,92,400/-, बयाना राशि: ₹ 0.00

नोट: (1) उपरोक्त ई-प्रोक्योरमेंट खुली निविदा से सम्बन्धित सम्पूर्ण सूचना एवं निविदा प्रपत्र वेबसाइट ***https://ireps.gov.in*** पर निविदा बन्द होने की तिथि को 11:00 बजे तक रहेगी। (2) उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये की अपना I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class-III, डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाईट पर पंजीकृत करायें। (3) दर, फाइनेन्शियल दर के पेज पर डिजिटल हस्ताक्षर के साथ ही विचार किया जायेगा। इससे इतर वेन्डरों द्वारा अन्य वित्तीय इन्ट्री किसी अन्य रूप/लेटर हेड के साथ संलग्न करने पर विचार नहीं किया जायेगा। (4) संलग्न किये जा रहे प्रपत्र पर निविदाकर्ता का हस्ताक्षर आवश्यक है। (5) बयाना राशि आनलाईन जमा किया जायेगा। (6) जो निविदाकार अपना आफर देते समय ऐसी शर्ते जो टेण्डर डाक्यूमेन्ट में निहित शर्तो से अलग हो एवं जिनका फाइनेन्शियल इम्पलीकेशन बनता हो, यदि देना चाहें तो, उन शर्तो का फाइनेन्शियल इम्पलीकेशन बताना होगा, इसके लिये प्रमाणित दस्तावेज के साथ गणना शीट अपने आफर के साथ संलग्न करना होगा ताकि उस दशा में फाइनेन्शियल शर्त का प्रभाव निकाल कर निविदाओं को इन्टर-से-पोजिशन ज्ञात किया जा सके। यदि कोई निविदाकार बिना फाइनेन्शियल इम्पलीकेशन की गणना शीट दिये बिना ऐसी शर्ते देता है तो, ऐसे आफर/निविदा को Summerly Reject कर दिया जायेगा, जिसके लिये रेलवे प्रशासन कोई भी पत्राचार स्वीकार नहीं करेगा। (7) निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि पूरी निविदा प्रपत्र को सावधानी पूर्वक पढ़े। (8) यदि कोई कठिनाई आती है तो हेल्प डेस्क IREPS की वेबसाईट पर उपलब्ध है जिससे सम्पर्क किया जा सकता है।

(i) अधि.अभि./टीएमसी - 9794845264
(ii) मुकार्याधी/3टी(टीएमसी)- 9794844226

अधिशासी अभियंता/टी.एम.सी.
मुजाधि/डब्लू-153 **गोरखपुर**

यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मो.नं.: 09794845955 पर एसएमएस करें।

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Aftab Alam S/o. Kalu, R/o. A-1/2-B, Fourth Floor, Bhaskar Compound, Abul Fazal Enclave, Jamia Nagar, New Delhi-110025, have declared that the correct name of my Daughter is Aiman Alam instead of Aiman Shamsi was wrongly mentioned in School Records.
PD(9057)A

I, Amit Kumar S/o. Devendra Kumar, R/o. D-278, JJ Colony Jalebi Chok, Madanpur Khadar, Sarita Vihar, Delhi-110076, have changed my name from Amit Kumar to Mohd Hasan Ahmad for all future purposes.
PD(9058)A

I, RUCHI JAIN AHUJA , D/0 SH BIR KUMAR JAIN, R/0 43 C AYODHYA ENCLAVE, SECTOR-13, ROHINI, DELHI-110085, have changed my name from RUCHI AHUJA to RUCHI JAIN AHUJA for all future purposes.
PD(9060)C

CHANGE OF RELIGION

I, Amit Kumar S/o. Devendra Kumar, R/o. D-278, JJ Colony Jalebi Chok Madanpur Khadar, Sarita Vihar, Delhi-110076, have changed my religion from Hindu to Islam (Muslim) w.e.f. 11.04.2013.
PD(9059)A

मेरी टिप्पणियों को अपने गंदे एजेंडा को आगे बढ़ाने का माध्यम नहीं बनाएं

भाषा। नई दिल्ली

ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने गुरुवार को कहा कि तोक्यो ओलंपिक के दौरान पाकिस्तान के अरशद नदीम के उनके भाले के इस्तेमाल को लेकर की गई उनकी टिप्पणी से हुए विवाद से वह दुखी हैं और इसे गंदे एजेंडा को आगे बढ़ाने के माध्यम नहीं बनाने की विनती की। भारत को एथलेटिक्स में पहला ओलंपिक पदक (तोक्यो में स्वर्ण पदक) दिलाने वाले सेना के 23 साल के भाला फेंक खिलाड़ी ने कहा कि किसी को उनके नाम का इस्तेमाल किसी विवाद को खड़ा करने में नहीं करना चाहिए।

ओलंपिक में व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय चोपड़ा ने अपने ट्विटर हैंडल पर ट्वीट किया, मेरी आप सभी से विनती है कि मेरी टिप्पणियों को अपने गंदे एजेंडा को आगे बढ़ाने का माध्यम नहीं बनाए। उन्होंने लिखा, खेल हम सबको एकजुट होकर साथ रहना सिखाता है और कुछ भी टिप्पणी करने से पहले खेल के नियम जानना जरूरी होता है। मेरी हालिया टिप्पणी पर लोगों की कुछ प्रतिक्रियाएं देखकर बहुत निराश हूं। उन्होंने ट्विटर पर साझा किए हुए वीडियो में कहा, अरशद नदीम ने तैयारी के लिए मेरा भाला लिया था, इसमें कुछ भी गलत नहीं है, यह नियमों के अंदर ही है और कृपया मेरे नाम का इस्तेमाल इस गंदे एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए नहीं करें। चोपड़ा ने हाल में साक्षात्कार में कहा था कि वह सात अगस्त को ओलंपिक फाइनल से पूर्व अपने पहले थ्रो के लिए अपना निजी भाला ढूंढ रहे थे और उन्होंने देखा कि यह नदीम के पास था। नियमों के अनुसार किसी प्रतिस्पर्धी द्वारा अधिकारियों को सौंपा गया भाला कोई भी अन्य प्रतिभागी इस्तेमाल कर सकता है। यह नियम पोल वॉल्ट को छोड़कर सभी फील्ड स्पर्धाओं में लागू होता है।

TECHNOFAB ENGINEERING LIMITED

Regd. Office: 913, Hemkunt Chambers, 89 Nehru Place, New Delhi - 110 019, CIN : L74210DL1971PLC005712
Tel : +91-11-2641-1931 / 2641-5961

EXTRACT OF AUDITED FINANCIAL RESULTS (STANDALONE AND CONSOLIDATED) FOR THE QUARTER AND YEAR ENDED 31ST MARCH 2021

Sr. No.	Particulars	STANDALONE				CONSOLIDATED			
		Quarter Ended 31.03.2021 (Audited)	Year Ended 31.03.2021 (Audited)	Quarter Ended 31.03.2020 (Audited)	Year Ended 31.03.2020 (Audited)	Quarter Ended 31.03.2021 (Audited)	Year Ended 31.03.2021 (Audited)	Quarter Ended 31.03.2020 (Audited)	Year Ended 31.03.2020 (Audited)
1.	Total Income from Operations	1,032.19	2,662.90	501.37	5,653.95	1,032.19	2,662.90	501.37	5,653.95
2.	Net Profit / (Loss) for the period (Before Tax and Exceptional items)	(435.58)	(8,428.92)	(3,481.56)	(9,626.41)	(392.92)	(8,403.83)	(3,730.89)	(9,392.20)
3.	Net Profit / (Loss) for the period (Before tax)	(1,090.04)	(12,800.32)	(9,692.55)	(22,594.55)	(1,047.38)	(12,775.23)	(9,941.88)	(22,360.34)
4.	Net Profit / (Loss) for the period After Tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	(1,084.55)	(12,800.32)	(12,787.58)	(24,054.00)	(1,052.34)	(12,785.21)	(13,087.49)	(23,867.70)
5.	Net profit for the period	(1,084.55)	(12,800.32)	(12,787.58)	(24,054.00)	(1,052.34)	(12,785.21)	(13,087.49)	(23,867.70)
6.	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (After Tax) and other Comprehensive Income (After Tax)]	13.17	5.88	(11.81)	(12.07)	13.17	5.88	(11.81)	(12.07)
7.	Paid-up equity share capital (10,490,000 Equity Shares of Rs. 10/- each.)	1,049.00	1,049.00	1,049.00	1,049.00	1,049.00	1,049.00	1,049.00	1,049.00
8.	Reserves (Excluding Revaluation Reserve) as shown in the Balance Sheet		(13,275.79)		(481.35)		(12,007.31)		772.03
9.	Earnings Per Share (EPS) (before extraordinary items) (of Rs. 10/- each) Basic:	(10.34)	(122.02)	(121.90)	(229.30)	(10.03)	(121.88)	(124.76)	(227.53)
	Diluted:	(10.34)	(122.02)	(121.90)	(229.30)	(10.03)	(121.88)	(124.76)	(227.53)

NOTE:- 1. The above is an extract of the detailed format of Quarterly / Annual Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly / Annual Financial Results is available on the Stock Exchanges websites i.e. (www.bseindia.com) and (www.nseindia.com) and also available on the Company's Website www.technofabengineering.com.
2. The results were placed before and reviewed by the Audit Committee at its meeting held on **26th August, 2021** and subsequently approved by the Board of Directors at its meeting held on the same date and the same has been audited by the Statutory Auditors of the Company.
3. The fiqures appearing in the quarter ended **31 March 2021** is the balancing fiqure after deducting the fiqure for the nine months ended **31 December 2020** from those for the year ended **31 March 2021.**

For and on behalf of the Board of Directors of **Technofab Engineering Limited**
Sd/-
Arjun Gupta (Chairman & Managing Director)
DIN-00012092

Date: 26/08/2021
Place: Faridabad

अमेरिका अभी तक 82 हजार से अधिक लोग निकाल चुका है: एंटोनी ब्लिंकन

● यह विश्व इतिहास में हवाई मार्ग से चलाए गए सबसे बड़े अभियानों में से एक है

भाषा । वाशिंगटन

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका ने काबुल से अभी तक 82,000 से अधिक लोगों को निकाला है और केवल पिछले 24 घंटे में ही करीब 19,000 लोगों को निकाला गया है, जो विश्व इतिहास में हवाई मार्ग द्वारा चलाए गए सबसे बड़े निकासी अभियानों में से एक है।

ब्लिंकन ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि अमेरिका समर्थित अफगानिस्तान सरकार के पतन के बाद, 14 अगस्त को वहां से करीब 6000 अमेरिकी नागरिक निकलना चाहते थे। पिछले 10 दिनों में करीब 4500 अमेरिकियों को उनके निकट रिश्तेदारों के साथ निकाला गया है।

विदेश मंत्री ने कहा कि 14 अगस्त से अभी तक 82,300 से अधिक लोगों को सुरक्षित काबुल से निकाला गया है। मंगलवार से बुधवार के बीच 24 घंटे में ही करीब 19000 लोगों को अमेरिकी सेना तथा गठबंधन में शामिल देशों के 90 विमानों के जरिए निकाला गया।

केवल अमेरिका ही इतनी जटिलताओं के बीच इस स्तर पर अभियान को अंजाम दे सकता है। उन्होंने कहा कि यह विश्व इतिहास में हवाईमार्ग से चलाए गए सबसे बड़े निकासी अभियानों में से एक है। पिछले 24 घंटे में हमने करीब 500 अमेरिकियों से सम्पर्क किया है और उन्हें हवाईअड्डे तक सुरक्षित कैसे पहुंचा जाए इस संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका बाकी बचे करीब 1000 लोगों से भी सम्पर्क करने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले अमेरिका के विदेश मंत्री ने कहा था कि 12 दिनों तक सैन्य विमानों से अमेरिकियों को निकालने के अभियान के बावजूद अब भी करीब 1,500 अमेरिकी अफगानिस्तान में मौजूद है।

काबुल एयरपोर्ट पर लोगों को निकालने के लिए पहुंचा अमेरिकी एयरफोर्स का लोडमास्टर्स

अफगानिस्तान से लोगों को ले जा रहे विमान में बच्ची का जन्म

वाशिंगटन। अफगानिस्तान से लोगों को ले जा रहे सी-17 सैन्य विमान में सवार यात्रियों के चेहरों पर उस वक्त मुस्कान आ गई जब उड़ान के दौरान ही एक अफगान बच्ची का जन्म हुआ। बच्ची के माता-पिता ने उसका नाम विमान के कॉल संकेत के नाम पर रीच रख दिया है। विमान संख्या के साथ कॉल संकेत हवाई यातायात कर्मियों तथा रेडियो वॉयस संचार के लिए विमान की पहचान होता है।

अमेरिकी यूरोपीय कमान के प्रमुख ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि अधिकारियों ने बच्ची की मां और पिता से बात की। जनरल टोड वोल्टर्स ने बताया कि माता-पिता ने उसका नाम रीच रखा है क्योंकि विमान का कॉल संकेत रीच 828 है। उसका जन्म शनिवार को हुआ और 86वें चिकित्सा समूह के सदस्यों ने प्रसव में मदद की। इस विमान ने काबुल से जर्मनी के रमस्टीन वायु सेना अड्डे के लिए उड़ान भरी थी।

यूरोपीय कमान ने बताया कि बच्ची की मां को उड़ान के दौरान प्रसव पीड़ा हुई और निम्न रक्त चाप के कारण उसकी हालत बिगड़ गई।

31 के बाद राजनयिक मौजूदगी के कई विकल्पों पर विचार कर रहा अमेरिका

भाषा । वाशिंगटन

अमेरिका ने कहा है कि 31 अगस्त को अफगानिस्तान से निकासी की समय-सीमा समाप्त होने के बाद वह वहां राजनयिक मौजूदगी के लिए अनेक विकल्पों पर विचार कर रहा है। विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा कि 31 अगस्त के बाद हमारी मौजूदी के संबंध में हम विभिन्न विकल्पों पर विचार रहे हैं। उन्होंने निकासी अभियान की समय-सीमा समाप्त होने के बाद अफगानिस्तान में अमेरिका की राजनयिक मौजूदगी के संबंध में कहा कि मुझे विश्वास है कि आने वाले दिनों में हफ्तों में स्थिति स्पष्ट हो जाएगी, लेकिन हम विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि अगले कुछ दिन में अमेरिका का पूरा ध्यान अपने नागरिकों, अफगान साझेदारों, अन्य साझेदार देशों जो अफगानिस्तान में अमेरिका के साथ काम कर रहे थे, उन्हें अफगानिस्तान से सुरक्षित बाहर निकालने पर केन्द्रित होगा। हम इसे पंसद करें या नहीं, पर इसके लिए तालिबान के साथ काम करना जरूरी है, जिसने अफगानिस्तान के अधिकतर हिस्से पर कब्जा कर लिया है। विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका काफी समय से तालिबान के साथ राजनयिक माध्यम से संपर्क में था और अफगानिस्तान संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा कि इस संबंध में अब भी तालिबान और पूर्व अफगान सरकार के सदस्यों के बीच बातचीत चल रही है।

उदाहरण के तौर पर सत्ता हस्तांतरण पर और भविष्य में बनने वाली सरकार में अन्य पक्षों को शामिल करने के मुद्दे पर बात हो रही है। मेरा मानना है कि इन प्रयासों का समर्थन करना हमारे हित में है। विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका, अफगानिस्तान में तालिबान नीत किसी भी सरकार के साथ अपने सहयोग को अमेरिकी हितों के परिप्रेक्ष्य में परखेगा।उन्होंने कहा कि अगर भविष्य की सरकार अफगान लोगों के मूल अधिकारों को बरकरार रखती है, अगर यह सुनिश्चित करती है कि अफगानिस्तान को हम पर, हमारे सहयोगियों तथा भागीदारों के खिलाफ आतंकवादी हमलों के लिए लॉन्चिंग पैड के रूप में इस्तेमाल नहीं करने दिया जाएगा, अगर वह अफगानिस्तान छोड़ने के इच्छुक लोगों को देश से जाने देने की अपनी प्रतिबद्धताओं पर खरी उतरती है, तो उस सरकार के साथ हम काम कर सकते हैं।

तालिबान को मान्यता देने का अभी कोई फैसला नहीं: रूस

मास्को। रूस ने कहा है कि तालिबान के शासन को मान्यता देने के बारे कोई फैसला करने से पहले वह अफगानिस्तान के घटनाक्रम पर करीबी नजर रखेगा। रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता ने कहा कि उनका देश तालिबान के भविष्य के कदमों पर नजर रखेगा। उन्होंने कहा कि देश के नागरिकों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा रूसी राजनयिकों को सुरक्षा मुहैया कराने के लिए उसके कदमों पर गौर किया जाएगा।

अफगानिस्तान से बड़ी संख्या में लोगों को निकाला गया: बोरिस जॉनसन

● ब्रिटेन सरकार बाकी बचे लोगों को निकालने का हरसंभव प्रयास करेगी

एपी । लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने बृहस्पतिवार को कहा कि काबुल हवाई अड्डे से निकासी की पात्रता रखने वाले बड़ी संख्या में लोग अफगानिस्तान से रवाना हो चुके हैं। इससे पहले ब्रिटिश सरकार ने बृहस्पतिवार को चेतावनी दी कि इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों द्वारा अफगानिस्तान में काबुल हवाई अड्डे पर जमा लोगों को निशाना बनाकर आसन्न हमला किए जाने की बहुत विश्वसनीय खुफिया रिपोर्ट है। इसकी पृष्ठभूमि में जॉनसन ने कहा कि ब्रिटेन की सरकार अफगानिस्तान से बचे हुए लोगों को निकालने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उत्तर लंदन में ब्रिटिश सेना के स्थाई संयुक्त मुख्यालय के अपने दौरे में संवाददाताओं से बातचीत में जॉनसन ने यह कहा। यहां उन्होंने अफगानिस्तान में बचाव अभियानों में शामिल सैनिकों से मुलाकात की और कहा कि ब्रिटेन के सैनिक करीब 15,000 लोगों को वहां से निकाल चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमने ऐसे ज्यादातर लोगों को अफगानिस्तान से निकाल लिया है जिनके हम अहसानमंद हैं। उन्होंने कहा कि हमने बहुत कम समय में लोगों को वहां से निकाला है और मैं मानता हूं कि इसकी सभी सराहना कर रहे होंगे। हम अन्य लोगों को निकालने के लिए भी हर संभव प्रयास करेंगे। अमेरिकी बलों के काबुल हवाईअड्डा छोड़ने की समयसीमा 31 अगस्त है और राष्ट्रपति जो बाइडन ने जॉनसन समेत अन्य सहयोगियों के समयसीमा बढ़ाने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है। जॉनसन ने जोर देकर कहा कि अमेरिकी समयसीमा के खत्म होने का मतलब ब्रिटेन के प्रयासों का समापन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हवाई मार्ग से लोगों को निकालने का तो यह पहला चरण है।

तालिबान द्वारा नागरिकों के लिए निकास मार्गों को अवरूद्ध करने के खतरे के बीच जॉनसन ने समूह को चेतावनी दी कि बाकी की दुनिया के साथ जुड़े रहने के लाभों को उठाने के लिए उन्हें लोगों को अफगानिस्तान से निकलने की अनुमति देनी चाहिए।

काबुल हवाईअड्डे के आस-पास तालिबान ने अपनी पहुंच को किया मजबूत: पेंटागन

भाषा । वाशिंगटन

अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन ने कहा है कि तालिबान ने काबुल हवाईअड्डे के आस-पास पहुंच एवं नियंत्रण के अपने कदमों को मजबूत कर दिया है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए अफगानिस्तान में लोगों तक पहुंचने का एकमात्र माध्यम हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा है। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, तालिबान ने अपनी चौकियों पर सुरक्षा बढ़ा दी है और वे भीड़ नियंत्रण में जुट गए हैं। हमने कल अनुमान लगाया कि भीड़ पिछले दिनों की तुलना में लगभग आधी है। उन्होंने कहा कि हमने भीड़ को उस स्तर तक बढ़ते नहीं देखा है, जितनी वह शुरुआती दिनों में थी। लेकिन हां, इसका कारण निश्चित रूप से यह है कि तालिबान ने क्षेत्र के चारों ओर पहुंच एवं नियंत्रण के अपने कदमों को मजबूत कर दिया है। किर्बी ने संवाददाताओं के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि 31 अगस्त के बाद काबुल हवाईअड्डे का प्रबंधन अमेरिका की जिम्मेदारी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी दूतावास फिलहाल हवाईअड्डे से काम कर रहा है। किर्बी ने कहा कि तालिबान उस शहर में हवाईअड्डा चलाने के लिए जिम्मेदार है, जहां वे अब सरकार के प्रमुख हैं।

फ्रांस लोगों को निकालने का अभियान बंद कर देगा

पेरिस। फ्रांसीसी प्रधानमंत्री ज्यां कास्ते ने कहा है कि उनका देश शुक्रवार रात के बाद से काबुल हवाई अड्डे से लोगों को निकाल नहीं पाएगा। कास्ते ने यह घोषणा ऐसे वक्त में की है जब अमेरिका और पश्चिमी राष्ट्रों के सामने अफगानिस्तान से लोगों को निकालने की 31 अगस्त की समय सीमा है। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद हजारों लोग मुल्क छोड़ने की कोशिश में हैं और काबुल हवाई अड्डे के जरिए वे देश से निकलना चाह रहे हैं। कास्ते ने कहा कि हम कल शाम के बाद से काबुल हवाई अड्डे से लोगों को निकाल नहीं पाएंगे।

यूरोप में अभी तक 7,000 से अधिक लोगों को लाया गया: अमेरिकी जनरल

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना की यूरोपीय कमान के प्रमुख ने बताया कि अभी तक अफगानिस्तान से 7,000 से अधिक लोगों को यूरोप लाया गया है। इन लोगों को मुख्यत: जर्मनी और इटली में आठ स्थानों पर लाया गया है। जनरल टोड वोल्टर्स ने बुधवार को कहा कि अफगानिस्तान से लोगों को ला रहे 55 विमान जर्मनी में रमस्टीन वायु सेना अड्डे और तीन विमान इटली के सिगोनेला स्थित नौसेना वायु सेना अड्डे पहुंचे। उन्होंने बताया कि इन विमानों में काबुल से करीब 5,800 लोग रमस्टीन और 662 लोग सिगोनेला लाए गए। कुछ विमान लोगों को लेकर छह अन्य यूरोपीय स्थानों पर गए। इनमें से कई विमान जर्मनी गए। वोल्टर्स ने कहा कि कुछ चिकित्सा या सुरक्षा समस्याएं हैं। तकरीबन 100 लोगों को चिकित्सा जांच की आवश्यकता पड़ी।

भारत ने नेपाल को दान किया आक्सीजन संयंत्र

भाषा । काठमांडू

भारत ने कोविड-19 महामारी से निपटने में नेपाल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत हिमालई देश को बृहस्पतिवार को एक चिकित्सकीय ऑक्सीजन संयंत्र दान किया। भारतीय दूतावास ने इसकी जानकारी दी। भारतीय दूतावास ने बयान जारी कर कहा कि नेपाल में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय में आयोजित एक समारोह में नेपाल के स्वास्थ्य राज्य मंत्री उमेश श्रेष्ठ को कोरोना वायरस से निपटने में नेपाल के साथ भारत की मजबूत साझेदारी के तहत 960 लीटर प्रति मिनट (एलपीएम) उत्पादन वाला चिकित्सकीय ऑक्सीजन संयंत्र सौंपा। यह संयंत्र बी पी कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज (बीपीकेआईएचएस) में स्थापित किया गया है और इसे प्रति व्यक्ति 5 एलपीएम प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसकी कुल क्षमता 960 एलपीएम की है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित डीईबीईएल चिकित्सीय ऑक्सीजन संयंत्र में एक साथ 200 मरीजों को आक्सीजन आपूर्ति करने की क्षमता है। बयान के अनुसार, क्वात्रा ने भारत और नेपाल के बीच गहरी और बहुआयामी साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि यह उपहार कोविड-19 महामारी से निपटने में नेपाल के लिए भारत की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार नेपाल और उसके लोगों के साथ महामारी से लड़ने और हमारे गहरे द्विपक्षीय संबंधों के अनुसार यथासंभव आवश्यक सहायता प्रदान करना जारी रखेगी।

श्रेष्ठ ने कहा कि ऑक्सीजन संयंत्र का दान एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य ढांचा है जो कोविड-19 महामारी से निपटने में नेपाल के प्रयासों को सुदृढ़ करेगा। उन्होंने कहा कि धरान में बीपीकेआईएचएस के निर्माण में दो दशक पहले भारत सरकार द्वारा दी गई सहायता एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर थी और यह ऑक्सीजन संयंत्र एक और मील का पत्थर है जो नेपाल के लोगों, विशेष रूप से प्रांत एक और दो के लोगों की सेवा प्रदान करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। कोविड-19 रोगियों के उपचार के लिए ऑक्सीजन की एक महत्वपूर्ण भूमिका है, जैसा कि भारत और नेपाल दोनों में महामारी की दूसरी लहर के दौरान अनुभव किया गया है। संयंत्र के जरिए अस्पतालों के पास अत्यधिक किफायती तरीके से मौके पर ही चिकित्सकीय ऑक्सीजन उत्पादन करने का विकल्प है।

इमरान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सकारात्मक बातचीत की अपील की

भाषा । इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अफगानिस्तान में एक समावेशी सरकार के गठन का आह्वान किया और किसी भी मानवीय संकट को टालने तथा युद्ध प्रभावित देश में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए इस्लामिक देश के साथ सकारात्मक बातचीत के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की। संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक डेविड बेजले के साथ यहां मुलाकात के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी की। इस मुलाकात के दौरान इमरान और बेजले के बीच अफगान लोगों को मानवीय सहायता के प्रावधान को निरंतर एवं सुविधाजनक बनाने के तरीकों पर चर्चा की हुई।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा कि अफगानिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय की सकारात्मक बातचीत किसी भी मानवीय संकट को टालने और अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता को सुरक्षित करने का रास्ता है। इमरान ने इस युद्ध ग्रस्त देश में एक समावेशी सरकार के गठन का आह्वान किया है।

अमेरिका के अफगानिस्तान से अपनी सेना वापस बुलाने के लिए निर्धारित समय सीमा से दो हफ्ते पहले ही तालिबान ने 15 अगस्त को अफगानिस्तान को पूरी तरह से अपने कब्जे में ले लिया।

तालिबान लड़ाके देश में घुस गए और उन्होंने सभी प्रमुख शहरों पर कुछ ही दिनों में कब्जा कर लिया। अफगान सुरक्षा बलों को अमेरिका और इसके सहयोगियों ने प्रशिक्षण दिया था और हथियारों से सुसज्जित किया था लेकिन वे तालिबान के आगे कमजोर पड़ गए। बेजले ने अफगानिस्तान के लोगों को खाद्य सहायता प्रदान करने में विश्व खाद्य कार्यक्रम के काम को सुविधाजनक बनाने के लिए पाकिस्तान का आभार जताया।

बुधवार को रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने इमरान को फोन किया था और दोनों नेताओं के बीच अफगानिस्तान के ताजा घटनाक्रम पर चर्चा हुई तथा युद्धग्रस्त देश में पैदा हुई स्थिति से निपटने के लिए समन्वित प्रयासों की जरूरत पर बल दिया गया। इसके अलावा पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और ईरान की यात्रा पर हैं जहां वह इन देशों के नेताओं के साथ अफगानिस्तान की स्थिति पर चर्चा करेंगे।

विद्रोह की जांच कर रही समिति ने रिकॉर्ड मांगे

वाशिंगटन। अमेरिकी संसद भवन परिसर में जनवरी में हुए विद्रोह की जांच कर रही सदन की समिति संघीय खुफिया और कानून प्रवर्तन एजेंसियों से वे रिकॉर्ड मांग रही है जिसमें डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों की भीड़ के जानलेवा हमले की सांसदों ने समीक्षा की है। समिति ने इन रिकॉर्ड में उन घटनाओं की जानकारी मांगी है जिससे छह जनवरी को दंगे हुए। इनमें तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य एजेंसियों के तहत व्हाइट हाउस के भीतर संचार की जानकारी भी शामिल हैं। साथ ही वाशिंगटन में हुई रैलियों के लिए योजना और वित्त पोषण की जानकारी भी मांगी गई है। ट्रंप ने बुधवार शाम को एक बयान में समिति पर विशेषाधिकार के दीर्घकालीन कानूनी सिद्धांतों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

वाशिंगटन में गोलीबारी, आगजनी में चार मरे

केनेविक (**अमेरिका**)। पूर्वी वाशिंगटन में बुधवार को गोलीबारी और आगजनी के घटनाओं के दौरान एक बंदूकधारी ने तीन लोगों को मार डाला तथा एक अन्य को घायल कर दिया। पुलिस के एक वाहन पर गोलियां चलाने के बाद एक व्यक्ति मृत पाया गया। पुलिस का मानना है कि यह संदिग्ध हमलावर था। खबर के मुताबिक वाशिंगटन के फिनले में सुबह चार बजे गोलीबारी के बाद पुलिस को सूचना दी गई। जब पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे तो उन्होंने एक व्यक्ति को घायल अवस्था में पाया और उसे गोली लगी थी। पुलिस ने देखा कि इलाके में दो मकानों में आग भी लगी हुई है। पुलिस का कहना है कि उन्हें लगता है कि संदिग्ध ने पहले फिनले में आगजनी की और उसके बाद बेंटन काउंटी में गोलियां चलाई।

पाक में जमीन विवाद में आठ लोगों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में भूमि विवाद को लेकर दो प्रतिद्वंद्वी समूहों के बीच हुई गोलीबारी में आठ लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हुए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रांत के लोअर कुर्म कबायली जिले में दो गुटों के बीच यह गोलीबारी हुई। पुलिस ने कहा कि दोनों समूहों के बीच बातचीत के बाद गोलीबारी बंद हो गई है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति कायम करने के प्रयास जारी हैं।

चीन और पाक करेंगे सैन्य अभ्यास

बीजिंग। चीन, पाकिस्तान, मंगोलिया और थाइलैंड की सेनाएं पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा अगले महीने देश के मध्य हेनान प्रांत में आयोजित होने वाले एक बहुराष्ट्रीय शांति अभ्यास में हिस्सा लेंगी। चीन के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल टैन केफेई ने एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में बताया कि चारों देश 6 से 15 सितंबर तक हेनान के क्वेशान काउंटी में बहुराष्ट्रीय शांति अभ्यास साझा भाग्य-2021 में भाग लेंगे।
टैन ने कहा कि सभी चार देश अभ्यास के लिए 1,000 से अधिक सैनिक भेजेंगे, जिसमें सेना की पैदल, त्वरित प्रतिक्रिया, सुरक्षा, हेलीकॉप्टर, इंजीनियरिंग, परिवहन एवं चिकित्सा सेवा इकाइयों के सैनिक शामिल हैं।

यौन शोषण के आरोप में 35 साल की जेल की सजा

जैकसनविले (**अमेरिका**)। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में 15 साल की लड़की के यौन शोषण के आरोपी क्ले काउंटी के शेरिफ के पूर्व सहयोगी को 35 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। अदालत के दस्तावेजों के मुताबिक, ट्रैविस रयान प्रिटचार्ड (38 वर्ष) को मंगलवार को जैकसनविले संघीय अदालत में सजा सुनाई गई। आपराधिक शिकायत के अनुसार प्रिटचार्ड ने दिसंबर 2019 में एक ऑनलाइन चैट ऐप के जरिए लड़की से बातचीत करना शुरू किया था। इससे कई महीने पहले वह एक दुकान पर इस लड़की से मिला था। दोनों ने आपत्तिजनक तस्वीरें साझा की और यौन संबंध बनाने लगे। लड़की की मां ने अप्रैल 2020 में पुलिस से संपर्क किया। जांचकर्ताओं ने प्रिटचार्ड को पकड़ने की योजना बनाई। उन्होंने एक मई 2020 को लड़की के घर में रात को उनके मिलने की व्यवस्था की।

जापान ने संदूषण मिलने के बाद मॉडर्ना के कुछ टीकों के उपयोग पर रोक लगाई

एपी । टोक्यो

कोविड-19 रोधी मॉडर्ना टीके की कुछ शीशियों में संदूषण मिलने के बाद जापान ने इसकी करीब 16.3 लाख खुराकों के उपयोग पर रोक लगा दी। हालांकि इस कदम से देश में टीकों की आपूर्ति की कमी को लेकर चिंता भी जताई जा रही है क्योंकि देश में कोरोना वायरस के नए मामलों में तजी आने के बीच टीकाकरण पर जोर दिया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कई टीकाकरण स्थलों से संदूषण (कन्टैमनेशन) की सूचना मिली है। अधिकारियों ने कहा कि संभव है कि ऐसी कुछ खुराकें लोगों को लगा दी गई हों लेकिन अब तक किसी प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभाव की जानकारी नहीं मिली है। जापान में टीके की बिक्री और वितरण की प्रभारी जापानी दवा निर्माता कंपनी ताकेदा फार्मास्युटिकल ने कहा कि उसने एहतियात के तौर पर खुराकों के उपयोग पर रोक लगाने का फैसला किया है। कंपनी ने मॉडर्ना को आपातकालीन जांच करने तथा चिकित्सा संस्थानों से स्पेन में उत्पादित टीके का उपयोग बंद करने को कहा। इसके साथ ही कंपनी ने ऐसी खुराकों का उत्पादन संबंधी ब्योरा भी साझा किया है जिनके प्रभावित होने की आशंका है। मुख्य कैबिनेट सचिव कात्सुनोबु कातो ने कहा कि सरकार और ताकेदा कंपनी जापान में टीकाकरण पर इसके प्रभाव को कम करने के तरीकों पर चर्चा कर रही हैं।

कनाडा में भारतीय मूल के तीन व्यक्ति मानव तस्करी के आरोप में गिरफ्तार

टोरंटो। कनाडा में भारतीय मूल के तीन लोगों को मानव तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस मामले में पीड़िता की उम्र 18 साल से कम है। पुलिस ने तीन लोगों को ओंटारियो के ब्रैम्पटन शहर से गिरफ्तार किया है जबकि चौथे की तलाश की जा रही है जो दक्षिण एशिया का है। यह मामला 18 साल से कम उम्र की लड़की की तस्करी की जांच से जुड़ा है। खबर में कहा गया है कि 23 वर्षीय अमृतपाल सिंह और 22 साल हरकुवर सिंह पर 18 साल से कम उम्र की लड़की की तस्करी करना, 18 साल से कम उम्र की लड़की द्वारा प्रदान यौन सेवा का लाभ लेना, यौन सेवा का विज्ञापन करना, जबरन कैद करना और हमला करने का आरोप लगाया गया है। खबर में कहा गया है कि 23 वर्षीय सुखमनप्रीत सिंह पर जबरन कैद करने और हमला करने का आरोप है।

हैरिस ने वियतनाम में नागरिक स्वतंत्रता से जुड़े मुददों पर की बात

हनोई। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बृहस्पतिवार को अपनी दक्षिण-पूर्व एशिया यात्रा सम्पन्न करते हुए नागरिक स्वतंत्रता के मुद्दों की बात की। वियतमान में हैरिस ने एलजीबीटीक्यू अधिकारों और जलवायु परिवर्तन से जुड़े मुद्दों पर काम रहे कार्यकर्ताओं के साथ एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। हैरिस ने कहा कि यदि हमें उन चुनौतियों का सामना करना है, तो इसका सामना सहयोगात्मक तरीके से करने की जरूरत है, हमें हर क्षेत्र के लोगों को सशक्त बनाना चाहिए, जिसमें यकीनन सरकार और उसके साथ ही समुदाय के नेता, व्यापार जगत के लोग, नागरिक समाज भी शामिल हैं अगर हमें हमारे पास सामूहिक रूप से मौजूद संसाधनों को बढ़ाना है। अमेरिका रवाना होने से पहले हैरिस बृहस्पतिवार शाम को एक संवाददाता सम्मेलन भी करेंगी। वियतनाम को अभिव्यक्ति एवं प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध, देश में महिलाओं के खिलाफ व्यापक हिंसा और राजनीतिक असंतुष्टों के खिलाफ कार्वाई के लिए काफी आलोचना का सामना करना पड़ा है।

सिंगापुर में देह व्यापार संबंधी मामले में भारतीय मूल के व्यक्ति को 16 माह की सजा

सिंगापुर। सिंगापुर उच्च न्यायालय ने देह व्यापार संबंधी कई अपराधों में भारतीय मूल के एक स्थाई निवासी को 16 माह की कैद सुनाई और 8133 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भी लगाया अरुमाइकन्नू शशिकुमार (46) और सिंगापुर के निवासी राजेंद्रन नागरेथिनम (60) को देह व्यापार संबंधी कई अपराधों में लिप्त होने और कॉलीवुड क्लब में न्यायिक कार्य में बाधा डालने का दोषी पाया गया था। कॉलीवुड शब्द तमिल सिनेमा के लिए उपयोग होता है।

हकीकत

मेरी रगों में दौड़ती है

प्रिंस नरूला एक ऐसा नाम है जो पिछले पांच वर्षों में रियलिटी टेलीविजन का पर्याय बन गया है। प्रिंस पहली बार 2014 में सुर्खियों में आए थे, जब उन्होंने पीटीसी पंजाबी के मिस्टर पंजाब में सेकेंड रनर अप के रूप में अपनी जगह बनाई थी। 2015 में, उन्होंने एमटीवी इंडिया के रोडीज एक्स 2 में भाग लिया, जहां वे विजेता के रूप में उभरे और इस तरह व्यापक रूप से प्रशंसित रियलिटी टीवी स्टार के रूप में अपना दबदबा कायम किया। रोडीज एक्स2 में अपनी जीत के बाद, उन्होंने एमटीवी इंडिया के स्प्लिट्स विला 8 में भाग लिया, और लगातार अपना दूसरा रियलिटी टीवी खिताब जीता। अक्टूबर 2015 में, नरूला ने कलर्स टीवी के बिग बॉस 9 में प्रवेश किया, और एक बार फिर जीतते हुए, बैक-टू-बैक जीत की हैट्रिक बनाई।

2016 में, उन्होंने पिछले वर्ष में प्राप्त की गई महिमा के पुरस्कारों में भाग लिया। 2016 से 2018 तक, उन्होंने एंड टीवी के बढ़ो बहू में लखन 'लकी' सिंह अहलावत की भूमिका निभाई। 2016 से नरूला एमटीवी रोडीज के हर सीजन में 'गैंग लीडर' भी रहे हैं। 2018 में, उन्होंने लाल इश्क में आर्यन की भूमिका निभाई, जिसके बाद उन्होंने कलर्स टीवी के नागिन 3 में शाहनवाज की भूमिका अदा की। 2019 में, नरूला नें जी फाइव के बॉम्बर्स के साथ बाली के रूप में अपना डिजिटल डेब्यू किया। इसके बाद, अपने लगातार चौथे रियलिटी शो को जीतने के जुनून में, उन्होंने स्टार प्लस के 'नच बलिए 9' में भाग लिया।

इस विजयी मानसिकता की पृष्ठभूमि में खबर आती है कि वह एक नई वेब श्रृंखला, एक्सट्रीम सर्वाइवर्स की मेजबानी करेंगे। एक मॉडल से लेकर एक रियलिटी टीवी शख्सियत तक, एक अभिनेता और अब एक वेब सीरीज होस्ट करने के लिए, ये सब कोई अपरिचित आधार नहीं हैं क्योंकि वह फ्लिपकार्ट वीडियो के खेल पहलियों का, एक पहेली-थीम आधारित इंटरैक्टिव क्विज शो की मेजबानी करते आए हैं।

ऐसे समय में जब लोग अपने घरों की सीमा से अपनी सुविधानुसार शोज और वेब सीरीज देखना पसंद करते हैं, तो कंटेंट कुछ हद तक बेमानी हो गया है। नए समय को नए समाधानों की आवश्यकता है, यही वजह है कि निर्माता और निर्देशक यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं

क्रिस्टी वर्गीज ने रियलिटी टीवी स्टार, प्रिंस नरूला और ड्रीम्ज प्रोडक्शन हाउस के संस्थापक, शरद चौधरी के साथ बातचीत की। वे नई वेब सीरीज, एक्सट्रीम सर्वाइवर्स की टीम का हिस्सा बने हैं

कि वे ऐसा कंटेंट तैयार करें जो लोगों को जोड़े और निवेशित रखे। यहीं पर शरद चौधरी द्वारा निर्देशित एक्सट्रीम सर्वाइवर्स, एक ऐसे समय में ताजी हवा की सांस लेने का वादा करता है, जब गुनगुने रियलिटी शोज और वेब-सीरीज एक दर्जन से अधिक हैं।

शरद, जो आठ वर्षों से इस क्षेत्र में काम करने वाले एक कास्टिंग डायरेक्टर और एंटरटेनमेंट एंटरप्रेन्योर हुआ करते हैं, कहते हैं कि एक्सट्रीम सर्वाइवर्स के इर्दगिर्द होने वाली चर्चा अस्थायी नहीं है क्योंकि यह उन दर्शकों के लिए आशाजनक होगा जो एडवेंचर और हाई-ऑक्टेन स्टंट और टास्क पसंद करते हैं।

शरद मुस्कुराते हुए कहते हैं कि हमने इस शो के लिए बहुत समय और ऊर्जा समर्पित की है, और परिणाम सबके सामने हैं। एक्सट्रीम सर्वाइवर्स के पहले दो एपिसोड अब टीवी और 'वीआईएस एंटरटेनमेंट'' नामक मूवी एप पर स्ट्रीमिंग कर रहे हैं। मुझे यकीन है कि आपको यह पसंद आएगा। मॉडलिंग और फैशन उद्योग में एक जाना-माना नाम, शरद का ड्रीम्ज प्रोडक्शन हाउस, जो मिस्टर एंड मिस सुपर मॉडल इंटरनेशनल और प्रोवोग पर्सनल केयर मिस्टर इंडिया जैसे विभिन्न उपक्रमों के माध्यम से भारत की युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा दे रहा है। जैसा कि हम प्रिंस के हमारे साथ आने का इंतजार करते हैं, शरद हमें बताते हैं कि प्रिंस के पास बहुत कुछ चल रहा है, लेकिन फिलहाल वह अपने रिकॉर्ड लेबल, विनिंग रिकॉर्ड्स की परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

सही संकेत पर, प्रिंस दिखाई देते हैं और शिद्दत से माफी मांगते हैं, यह साझा करते हुए कि वह अपने लेबल के लिए एक संगीत वीडियो शूट में व्यस्त थे।

उनका निर्णय बिलकुल गलत नहीं है क्योंकि वे हमारे प्रारंभिक प्रश्न को एक मील दूर से आते हुए देख लेते हैं और जब हम उनसे पूछते हैं कि एक्सट्रीम सर्वाइवर्स अन्य रियलिटी टीवी शोज से अलग कैसे हैं, जोकि रोडीज या खतरों के खिलाड़ी जैसे अत्यंत खतरनाक स्टंट का वादा करते हैं, तो वे हंसते हैं। ''आपको लग सकता है कि ये शोज एक-दूसरे से मिलते-जुलते हैं, और ऊपर से देखने पर ऐसा लग सकता है कि वे एक जैसे प्रतीत हो सकते हैं। हालांकि, यदि आप इन शोज को देखते हैं तो आप महसूस करेंगे कि आपके द्वारा उल्लिखित प्रत्येक शोज पूर्णतया एक अलग ढंग में डिजाइन किया गया है। इस अवधारणा को निर्देशक द्वारा लागू किया गया है, और एक्सट्रीम सर्वाइवर्स देखने के बाद, आपको इस बात से सहमत होना होगा कि शरद भाई ने शानदार काम किया है। मेरा मानना है कि यदि आप वास्तव में किसी चीज से प्यार करते हैं और परिणामों की चिंता किए बिना अपनी पूरी क्षमता से उसके लिए काम करते हैं, तो आप उसे बिना किसी असफलता के हासिल कर लेंगे। शरद और मैंने शो में बहुत प्यार डाला है, और मैं आपसे शो देखने का आग्रह करता हूं। '' प्रिंस मुस्कराते हैं।

जब हम उनसे शो की मेजबानी के दौरान उनके द्वारा अनुभव की गई चुनौतियों के बारे में पूछते हैं, तो वह तुरंत जवाब देते हैं, ''रियलिटी तो मेरे खून में है (रियलिटी मेरी रगों में दौड़ती है)। उद्योग में छह साल से अधिक समय के बाद, यह मेरे लिए स्वाभाविक बन जाती है। इस साल की शुरुआत में, मुझे उनके क्विज शो की मेजबानी के लिए फ्लिपकार्ट वीडियो द्वारा शामिल किया गया था, इसलिए यह वास्तव में अज्ञात क्षेत्र नहीं है। हालांकि, एक्सट्रीम सर्वाइवर्स जैसे शो का हिस्सा बनना बहुत मजेदार है, जिसमें ढेर सारे स्टंट और एक्शन शामिल थे। मेरा कहना है कि रोडीज में एक 'गैंग लीडर' के रूप में बिताया गया समय यहाँ काम आया। हालांकि, मैंने मानसिकता में बदलाव विकसित किया है। पहले यह सब लोगों का मनोरंजन करने के लिए था। अब, जबकि यह सब ठीक है और अच्छा है, मुझे यह एहसास हो गया है कि मुझे कुछ वास्तविक परिवर्तन करना होगा और लोगों को प्रेरित करने में मदद करनी होगी। मुझे उम्मीद है कि इस शो के माध्यम से मैं प्रतिभागियों और दर्शकों में वृद्धि को प्रभावित करने में सक्षम रहा हूं, लेकिन इसमें हमेशा सुधार की गुंजाइश रहती है। मैं एक लंबा सफर तय कर चुका हूं, हां, लेकिन अभी बहुत लंबा सफर तय करना है!''

हालांकि खतरों के खिलाड़ी, रोडीज और एक्सट्रीम सर्वाइवर्स को अलग तरह से डिजाइन किया जा सकता है, मगर हम उनसे पूछते हैं कि क्या उनके लिए खतरों के खिलाड़ी में दिखने का कोई मौका है, क्योंकि वह अब अन्य दो शोज से अच्छी तरह परिचित हैं?

''रोहित शेट्टी सर के साथ काम करने के अवसर को कौन ठुकराएगा? मेरे पास है। (हंसते हुए) यह निश्चित रूप से डिजाइन द्वारा नहीं था, मैं पहले से मौजूद प्रतिबद्धताओं के कारण शो के लिए प्रतिबद्ध नहीं हो सका। लेकिन आप आश्वस्त हो सकते हैं, आप मुझे जल्द ही उनके शो में देखेंगे, अगर अगले सीजन में नहीं, तो उसके बाद वाले सीजन में। आखिरकार, मैं अपना पांचवां रियलिटी शो जीतने का इंतजार नहीं कर सकता। '' वह बेबाकी से बताते हैं।

सुदूर कामकाज - वरदान या अभिशाप?

आनंद दोराईराज बता रहे हैं कि कैसे कामकाज आपकी नौकरी में एक मजेदार तत्व प्रदान कर सकता है

वैश्विक महामारी के आने से कुछ समय पहले - काम और आराम के बारे में अपने सोचने के तरीके का पुनर्मूल्यांकन करना - घर से काम करने की संभावना, भले ही वह केवल पाक्षिक ही क्यों न हो, एक रोमांचक प्रस्ताव था। कार्यस्थल पर अंतहीन आवागमन को त्यागने,अपनी पसंदीदा पजामों की जोड़ी दान करते हुए बैठकों में भाग लेना , अपने कार्यों को अपने काम या निद्राचक्र के अनुसार संरेखित करने के लाभ, हर प्रकार से जीवन की नियमित स्तर की असुविधाजनक नीरसता से आगे निकल जाएंगे।

लेकिन कोविड ने कई अप्रत्याशित तरीकों से हमारे जीवन और मान्यताओं को बदल दिया। ऑफिस बंद होने के कुछ ही महीनों के भीतर घर से काम करने की नवीनता फीकी पड़ने लगी। घरों के विभिन्न कोनों पर अस्थायी कार्य डेस्क ने अंततः व्यक्तिगत-पेशेवर सीमा को धुंधला कर दिया, जिससे 'काम पर रहने', की थकाम और 'जूम थकान' की अत्यधिक भावनाओं को उभारा गया, जिसके परिणामस्वरूप एकरसता, सुस्ती और उत्पादकता के स्तर में कमी आई।

घर से काम करने की निरंतर एकरसता भी मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हुई है, विशेष रूप से यह उन पेशेवरों को प्रभावित कर रही है जो परिवारों से दूर रह रहे हैं। हालांकि, चूंकि बड़ी कंपनियां अपने स्वाभाविक पेशेवरों के लिए दूरस्थ कार्य संरचना को अधिक स्थायी समाधान के रूप में देख रही हैं और यह देखते हुए कि कैसे कोविड-19 की तीसरी लहर आसन्न है, विशेषज्ञों के अनुसार, हमें चीजों को मिलाने के तरीके खोजने पड़ सकते हैं और घर से कामकाज करने को एक स्थायी और स्वीकार्य प्रक्रिया बनाना पड़ सकता है।

समाधान - कामकाज

विशेषज्ञ आपके कार्यक्षेत्र को आवर्ती बनाने के मंत्र की कसम खाते हैं, इसलिए आपका दिन अधिक विविध लगता है। प्रारंभ में, पेशेवरों ने अपनी मर्जी में जगह के आकार के आधार पर चीजों को मिलाने की कोशिश की। लेकिन जैसे-जैसे उनके पास विकल्प खत्म होते गए, कुछ लोग बाहर काम करने के लिए एक जगह किराए पर लेकर इस प्रक्रिया को अगले स्तर पर ले गए!

और इस प्रकार 'काम' शब्द सामने आया था। काम = काम और अवकाश। यह व्यवसाय को आराम के साथ जोड़ रहा है। यह झरने की गहरी पृष्ठभूमि के बीच जूम कॉल में भाग ले रहा है। समुद्र तट पर धूप सेंकते समय यह ईमेल शेड्यूल कर रहा है। यह पहाड़ियों में कहीं एक देहाती कैफे में एक कप गर्म कोको की चुस्की लेते हुए अभियान रच रहा है। यह सड़कों से टकराते हुए लक्ष्य पर निशाना साध रहा है।

कामकाज आपको अपनी छुट्टी पर अपने कार्यालय को अपने साथ ले जाने की अनुमति देता है। जब आप पहाड़ियों या समुद्र तटों से काम करते हैं, तो आप इसमें अवकाश के तत्वों को एकीकृत करते हैं, अपने दैनिक लक्ष्यों को पूरा करने के दौरान खुद को आराम देने और पुनः तरोताजा करने का समय देते हैं। नजदीकी गंतव्य के लिए सड़क यात्रा करने का विचार - कुछ हफ्तों या महीनों के लिए स्थानांतरित करने के लिए - आपकी उत्पादकता के लिए चमत्कार करने, प्रेरणा जगाने और एक आदर्श कार्य-जीवन संतुलन बनाने के लिए जादुई सिद्ध हुआ है।

यात्रा और आतिथ्य क्षेत्र द्वारा स्मार्ट मार्केटिंग

काम की सनक के दौर में, मेट्रो शहरों के पास होटल और होमस्टे ने इस प्रवृत्ति को भुनाने के लिए कार्य पैकेज पेश किया है। उन्होंने सबसे अच्छा दूरस्थ कार्य अनुभव प्रदान करने के लिए अपने बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है - संपर्क रहित चेक-इन, हाई-स्पीड इंटरनेट (यहां तक कि समुद्र तटों और खुली जगहों पर भी), आरामदायक कार्य डेस्क, कमरे में भोजन सेवाएं और बच्चों के लिए बाल -देखभाल सेवाएं। वे सभी सामाजिक दूरी और सुरक्षा उपायों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अपने कर्मचारियों को कोविड सावधानियों पर सख्ती से प्रशिक्षण दे रहे हैं। लंबे समय तक काम करने को बढ़ावा देने के लिए, वे लंबी अवधि के किराये और विस्तारित प्रवास पर कम टैरिफ के साथ आकर्षक प्रस्ताव पेश कर रहे हैं।

कार्य-तत्परता आतिथ्य क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है। यात्रा उद्योग, जो महामारी से समान रूप से प्रभावित था (यदि अधिक नहीं तो), सभी काम करने के लिए सुरक्षित आवागमन की सुविधा देने के लिए तैयार हैं, जो आमतौर पर घनी आबादी वाले शहरी स्थानों से कुछ सौ किलोमीटर दूर स्थित छोटे शहरों में होते हैं। किराए पर कार देने वालों के द्वारा प्रदान किए जाने वाले सुरक्षा लाभ और सुविधा, महीनों के कारावास के बाद क्लासिक रोड ट्रिप के आकर्षण के साथ, किराए पर कार देने को, कामकाजी लोगों के बीच यात्रा का पसंदीदा विकल्प बना रही है। आखिरकार, कौन नहीं चाहता कि आपके दरवाजे पर आपको छोड़ने और ले जाने के लिए आपके आदेशों से बंधी शोफरयुक्त कार हो?

यदि आप किसी एक महानगर में रहते हैं और हलचल से दूर होने का इंतजार नहीं कर सकते हैं, तो सुरम्य आकर्षणों के बीच नीचे सूचीबद्ध कुछ शानदार प्रस्ताव इस प्रकार हैं :

बैंगलोर

काबिनी : काबिनी के जंगल में किसी भी एक लॉज में रहना उनके प्राकृतिक आवास में नींद से जागने पर वन्य सुबह का साक्षात्कार करें। एक व्यस्त कार्यदिवस के बाद, अद्भुत वन्यजीव अनुभव के लिए शाम की सफारी की सवारी का विकल्प चुनकर आराम करें।

होन्नावर : होन्नावर की साफ पीली रेत और फिरोजा पानी के बीच अपने जूम कॉल का जवाब देने के लिए अपने पसंदीदा बीच शॉर्ट्स और कबाना-स्टाइल रंगों का प्रयोग करें।

दांदेली : प्रकृति और रोमांच प्रेमियों के लिए एक विजुअल वापसी, दांदेली के देहाती जंगल और रमणीय झरने आपके लिए उत्तम कार्य केंद्र के रूप में काम करेंगे।

सकलेशपुर : पश्चिमी घाटों के बीच बसा यह भव्य हिल स्टेशन अपने विशाल सुगंधित चाय और मसालों के बागानों से आपके होश उड़ा देगा। एक फलदायी कार्य सप्ताह के बाद आप अपने आप को ट्रेकिंग और कैंपिंग गतिविधियों के लिए भी तैयार कर सकते हैं।

मुंबई

इगतपुरी : सहयाद्रियों में बसा एक छिपा हुआ स्वर्ग, यह पहाड़ प्रेमियों के लिए एकदम सही काम होगा।

जवाहर : हरी-भरी हरियाली, प्राचीन झीलें और झरने, लुभावने ट्रेक और घने जंगल - यह शांति की भूमि है जो अभी भी अनखोजा और भिन्न है।

वेलास : अपने ओलिव रिडले समुद्री कछुओं के लिए जाना जाता है, यह समुद्र-तट प्रेमियों के लिए स्वर्ग है। काम पर एक थकाऊ दिन बिताने के बाद, चट्टानों पर ट्रेकिंग करके आराम करें और वेलास समुद्र तट पर सुरम्य सूर्यास्त देखें।

गोवा : स्वादिष्ट समुद्री भोजन, अद्वितीय रात्रिजीवन, आकर्षक समुद्र तट, आरामदायक कैफे, किफायती प्रवास, यह पहले से ही कामकाजी लोगों के बीच एक पसंदीदा स्थल है!

दिल्ली

पुष्कर : जब आप एक राजसी महल से काम कर सकते हैं तो घर से काम क्यों करें! और एक बार जब आप अपने आप को समस्त शाही अंदाज से दुलार लेते हैं, तो यहां के एक रेगिस्तानी शिविर से काम करें।

जिम कार्बेट : जिम कॉर्बेट के अद्भुत जंगलों के नजारे के साथ बड़ी खिड़कियों वाला एक कॉटेज बुक करें। पक्षियों की आवाज या पास में बहने वाली नदी और रॉयल बंगाल टाइगर की कभी-कभार दहाड़ें जो आपकी रीढ़ को सिहरा दें। यह स्थान कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है!

मसूरी : मसूरी के औपनिवेशिक शहर की अतीत यात्रा पर जाएं। गढ़वाल हिमालय के राजसी परिवेश में काम करें और अपनी इंद्रियों को पुनः तरोताजा करें।

जयपुर : प्राचीन किलों को देखने, पुरानी दुनिया के आकर्षण को निहारने और गुलाबी शहर में मनोरम राजस्थानी व्यंजनों का आनंद लेने के लिए अपनी शामें बिताएं।

कोलकाता

सुंदरबन : जंगल में काम करने के लिए अपनी प्रेरणा पाएं। सुंदरवन के पेड़, जंगल, नदियां और अनोखे जीव-जंतु आपको प्रेरित कर सकते हैं। आरामदायक ब्रेक साइकिलिंग करें या प्रकृति की सैर करें या वन्यजीव फोटोग्राफी के लिए जाएं।

लाचुंग : देवदार के जंगलों, रोडोडेंड्रोन अभयारण्यों, बर्फ से ढकी चोटियों, देहाती कॉटेज, गर्म झरनों और समृद्ध जैव विविधता के बीच काम करें।

फाल्टा : फाल्टा का शांत नदी वाला शहर हरे भरे परिदृश्य से घिरा हुआ है और इसके साथ एक आकर्षक इतिहास जुड़ा हुआ है। काम करने के बाद अपने किले और बंदरगाह की खोज में आराम करें या एक शांत नौका की सवारी के लिए जाएं।

कलिम्पोंग : लुढ़कती पहाड़ियों, सुरम्य घाटियों, शानदार मठों और वनस्पतियों व जीवों की समृद्ध विविधता के बीच काम करने के आकर्षण का अनुभव करें।

बाहर से काम करते हुए अपने मन और आत्मा को तरोताजा करने के लिए घर और बाहर की एकरसता से बचें।

(लेखक सवारी कार रेंटल्स के उपाध्यक्ष हैं, जो भौगोलिक पहुंच के मामले में भारत की सबसे बड़ी ड्राइवर-चालित कार रेंटल कंपनी है)

बैटन को आगे सौंपना

श्वेता तिवारी को लगता है कि उनकी बेटी पलक उनसे बेहतर अदाकारा हैं, जो हॉरर फिल्म रोजी : द सेफ्रान चैप्टर से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

40 वर्षीय श्वेता ने कहा कि अगर उन्हें मौका मिलता है तो वह पलक के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करना पसंद करेंगी।

उन्होंने बताया कि मैं उनके साथ काम करना पसंद करूंगी। कई बार वो ये ऑडिशन देती हैं और जब मैं उन्हें काम पर देखती हूं तो मुझे लगता है कि वह मुझसे बेहतर एक्ट्रेस हैं। वह अभिनय इतनी आसानी से करती है, कि यह सहज सा लगता है। मैं बस देखती रहती हूं और कई बार मैं उनका प्रदर्शन देखकर भावुक हो जाती हूं।

लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री श्वेता तिवारी ने अपनी बेटी पलक के बारे में कुछ जानकारी साझा की, जो बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं

श्वेता पिछले 20 सालों से छोटे पर्दे की इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। उन्होंने कसौटी जिंदगी की में प्रेरणा शर्मा बजाज के रूप में अपने प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरीं, और बाद में परवरिश और बेगूसराय जैसे शो में अभिनय किया।

उसने यह भी खुलासा किया कि वह खुद को टेलीविजन स्टार नहीं मानती हैं।

उन्होंने हंसते हुए कहा, ''मैं एक स्टार नहीं हूं, मैं एक अभिनेत्री हूं। लोग मुझे जानते हैं, हां, लेकिन मैं यह नहीं कहूंगी कि मैं किसी भी तरह से एक स्टार हूं।''

श्वेता, जो कलर्स पर फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए गए खतरों के खिलाड़ी के 11 वें सीजन का हिस्सा हैं, ने खुलासा किया कि अब, जब से उनकी बेटी शोबिज में शामिल हुई है, चर्चा करने के लिए बहुत सारे सामान्य विषय हैं।

श्वेता ने बातचीत के अंत में कहा, ''हां, कम से कम हमारे पास बात करने के लिए सामान्य विषय हैं। ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो मैं उनसे सीख सकती थी और वो मुझसे। जब आपके पास बात करने के लिए समान चीजें हों, तो बहुत मजा आता है।''

- आईएएनएस